@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 11 अक्टूबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 336 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सोने की तस्करी को लेकर राजभवन और सीएम के बीच बढ़ी रार

तिरुवनंतपुरम, 10 अक्टूबर। केरल में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और सरकार के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। केरल के मलप्पुरम जिले के करीपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के माध्यम से सोने की तस्करी और हवाला लेनदेन के मामले को उन्होंने राष्ट्रपति तक पहुंचाने की बात कही है। राज्यपाल ने कहा कि सोने की तस्करी के मामले को लेकर मैं राष्ट्रपति को पत्र लिख रहा हूं। पहले इस बारे में और जानकारी जुटा रहा हूं। उन्होंने सीएम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सोने की तस्करी राष्ट्र के खिलाफ अपराध है। मुख्यमंत्री ने राज्य में हो रही ऐसी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के बारे में उन्हें अंधेरे में रखा है। ये नियमित मामले नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कभी भी मुझे इस मुद्दे की सूचना नहीं दी। मेरे द्वारा उन्हें लिखे जाने के बाद ही उन्होंने स्पष्टीकरण दिया। राज्यपाल ने कहा कि हाल ही में सीएम ने राज्य में सोने की तस्करी की गतिविधियों का जिक्र किया था। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां राष्ट्र की सुरक्षा से संबंधित हैं, लेकिन सीएम उन्हें इस बारे में अंधेरे में रख रहे हैं। राज्यपाल ने आगे दावा किया कि मेरा कर्तव्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य में कोई राष्ट्र-विरोधी गतिविधि न हो। मुझे ऐसी गतिविधियों के बारे में राष्ट्रपति को सूचित करना है। उनका बयान मुख्यमंत्री के इस दावे के एक दिन बाद आया है कि सोने की तस्करी को रोकने की जिम्मेदारी सीमा शुल्क विभाग की है, जो केंद्रीय वित्त मंत्रालय के तहत काम करता है, न कि राज्य सरकार की। राज्यपाल खान को संबोधित एक पत्र में विजयन ने राज्यपाल से इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाने का आग्रह किया था। खान ने आरोप लगाया कि जब मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव और डीजीपी को बुलाया तो उन्होंने उन्हें भेजने से इनकार कर दिया। राज्यपाल ने कहा कि वह पूरी तरह से संविधान के अनुसार काम कर रहे हैं, जबकि सरकार ऐसा करने में विफल रही है। केरल पुलिस ने गुरुवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के आरोपों को खारिज कर दिया। राज्यपाल खान ने कहा था कि पुलिस वेबसाइट पर मौजूद जानकारी से संकेत मिलता है कि सोने की तस्करी से प्राप्त आय का इस्तेमाल प्रतिबंधित संगठनों को वित्त पोषित करने के लिए किया जा रहा है।

मशहूर उद्योगपति रतन टाटा को नम आंखों से दी विदाई

सिम्मी कौर बब्बर

मुंबई, 10 अक्टूबर। भारत के मशहूर उद्योगपति रतन नवल टाटा ने बीती रात दुनिया को अलविदा कह दिया। रतन टाटा के निधन के बाद देश में शोक लहर है। मशहूर उद्योगपति ने 86 साल के उम्र में अंतिम सांस ली। ऐसे में रतन टाटा को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी दिखी। वहीं उनके श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान एक अनोखी तस्वीर देखने को मिली, जिसमें एक पंक्ति से हिंदू पंडित, मुस्लिम इमाम, सिख गुरू और ईसाई पादरी भी मौजूद दिखे। भारत में सभी धर्मों के गुरु या जानकारों का किसी एक इंसान को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एकत्रित होना आम तौर पर दुर्लभ है। लेकिन विश्व विख्यात उद्योगपति रतन टाटा के जाने से लोगों में निराशा उनके परोपकारी प्रभाव और प्रेम का प्रतीक है। और हो भी क्यों ना रतन टाटा ने के दरियादिली की कहानी तो पूरी दुनियाभर में प्रचलित है। देश के सभी वर्गों के मसीहा कहे जाने वाले रतन टाटा का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जा रहा है। रतन टाटा के अंतिम सफर में लोगों की भीड़ से साफ तौर पर रतन टाटा से लोगों का जुड़ाव को प्रदर्शित कर रही है। मशहूर उद्योगपति रतन नवल टाटा अपने बचपन से ही शांत और शालीन स्वभाव के थे। उन्हें अपनी दादी से और उनकी दादी को उनसे बहुत लगाव था और रतन टाटा अपनी दादी की कभी भी कोई बात नहीं टालते थे। उनका ज्यादातर वक्त अपनी दादी के साथ ही गुजरा, क्योंकि रतन टाटा जब छोटे थे, तभी उनके माता-पिता में तलाक हो गया था। हालांकि इसके बाद वे अपने पिता के साथ रहने लगे थे। इसे आगे बढ़कर उन्होंने देश और दुनिया में जो मुकाम हासिल किया, ऐसा शायद ही कोई कर सकेगा। देश के सबसे बड़े उद्योगपति रतन टाटा का बुधवार रात को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। अपने कौशल के जरिये टाटा समूह को बुलंदियों पर ले जाने वाले रतन टाटा के निधन से देशभर में शोक की लहर है। सादगी, विनम्रता और परोपकार के गुण से उन्होंने सभी के दिल पर अमिट छाप छोड़ी। निधन के बाद एनसीपीए ग्राउंड में उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। यहां उनके अंतिम दर्शन के लिए सैलाब उमड़ पड़ा। उद्योग, फिल्म, राजनीति से लेकर कई केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री रतन टाटा को आखिरी विदाई देने पहुंचे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुंबई में रतन टाटा को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी रतन टाटा को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि रतन टाटा जी को हमेशा देशभक्ति और ईमानदारी के प्रतीक के रूप में याद किया जाएगा। दुनिया भर में सम्मानित एक उद्योगपति के रूप में, उन्होंने टाटा समूह को वैश्विक स्तर पर प्रसिद्धि दिलाई। उनका जीवन और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता भारत के औद्योगिक परिदृश्य में एक ध्रुव तारे के रूप में खड़ी है। एनसीपीए ग्राउंड में रतन टाटा अंतिम दर्शन के लिए सैलाब उमड़ पड़ा। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी और पीरामल समूह के कार्यकारी निदेशक आनंद पीरामल ने रतन टाटा को अंतिम श्रद्धांजलि दी। राज ठाकरे, अभिषेक मनु सिंघवी, आदित्य बिरला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिरला, शरद पवार, सचिन तेंदुलकर भी उनको श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

सुख भोगने नहीं, सेवा के लिए आए: पीएम मोदी

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। मंत्रिपरिषद की बुधवार को हुई बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैबिनेट मंत्रियों के कामकाज से खफा नजर आए। उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचने वाली शिकायतों के निपटारे में उदासीनता पर निराशा और नाराजगी जताई। तीन घंटे तक चली मैराथन बैठक में पीएम ने मंत्रियों को अपने राज्यमंत्रियों को प्रतीकात्मक रूप में नहीं लेने की नसीहत दी। साथ ही, शिकायतों के निपटारे में राज्य मंत्रियों को मुस्तैद करने का निर्देश दिया। बैठक में पीएम ने कहा, उनके कार्यकाल में लोगों का सरकार से जुड़ाव और आशा-अपेक्षा बहुत ज्यादा है। यूपीए सरकार के दस साल के कार्यकाल में प्रधानमंत्री कार्यालय को देशभर से शिकायतों-सुझावों के महज 5 लाख पत्र मिले। इसकी तुलना में उनकी सरकार के कार्यकाल में ऐसे पत्रों की संख्या 4.5 करोड़ है। यह आंकड़ा बताता है कि हमारी सरकार पर लोगों की अपेक्षाओं और आशाओं का बोझ कितना ज्यादा है। पीएम ने कहा कि केंद्रीय मंत्रियों को समझना होगा कि लोगों की अपेक्षाएं कैसे पूरी की जाएं। पीएमओ को प्राप्त पत्रों में 60 फीसदी शिकायतें व सुझाव राज्यों से संबंधित थे, इसलिए इन पत्रों को राज्यों को भेज दिया गया। शेष 40 प्रतिशत शिकायत और सुझाव जो केंद्र से जुड़े थे, उनका समय पर उचित निस्तारण नहीं हुआ। पीएम ने केंद्रीय मंत्रियों को निर्देश दिया कि शिकायतों के निस्तारण की निगरानी का काम राज्य मंत्रियों के हवाले करें। इस दौरान पीएम ने राज्य मंत्रियों द्वारा काम नहीं मिलने की शिकायतों का जिक्र करते हुए नाराजगी जाहिर की और कहा कि इस पद को किसी भी सूरत में प्रतीकात्मक नहीं समझा जाए। पीएम ने कहा कि भाजपा की अगुवाई वाली राजग सरकार सत्ता सुख भोगने नहीं आई है। हम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव के लिए आए हैं। यही कारण है कि बीते दस साल में लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाली नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं पर सर्वाधिक ध्यान दिया गया है। यही कारण है कि लोगों की अपेक्षा और आकांक्षा में भी बढ़ोत्तरी हुई है। पीएम ने दो टूक शब्दों में कहा कि लोगों की अपेक्षा और आकांक्षाओं को हर हाल में पूरा किया जाए। परिषद की बैठक के दौरान विकसित भारत और रक्षा-सुरक्षा के इतर लोगों के खानपान की आदत में आए बदलाव पर तीन प्रस्तुतियां दी गईं। खानपान संबंधी प्रस्तुति में बताया गया कि देश में गरीब से लेकर अमीर तक की खान पान की संस्कृति में बड़ा बदलाव आया है। खासतौर पर गरीब कल्याण योजना के कारण गरीब तबके में अनाज के इतर फल, डेयरी प्रोडक्ट, अंडा सहित अन्य निरामिष वस्तुओं की खपत बढ़ी है। प्रस्तुति में बताया गया कि चूंकि देश के 80 करोड़ आबादी को मुफ्त अनाज सहित कई सहुलियतें सरकार द्वारा दी गईं हैं, ऐसे में यह तबका भी पौष्टिक भोजन हासिल करने में सक्षम हो रहा है।

सर्वसम्मति से उमर अब्दुल्ला के नाम पर लगी मुहर

श्रीनगर, 10 अक्टूबर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के विधायक दल की बैठक आज नवाई सुबाह पार्टी मुख्यालय में शुरू हुई, जिसमें पार्टी के नेता फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला और सभी नवनिर्वाचित विधायक उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से उमर अब्दुल्ला को विधायक दल का नेता चुना गया है। पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि उमर अब्दुल्ला को बैठक में अपना नेता चुना गया। सरकार गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए गठबंधन सहयोगियों की बैठक शुक्रवार को होगी। बैठक से पहले, कुछ नेताओं ने मीडिया से बातचीत की। तनवीर सादिक ने कहा, हम अपने वादों पर कायम रहेंगे। जम्मू-कश्मीर को एक मजबूत और जीवंत नेतृत्व की आवश्यकता है और मुझे नहीं लगता कि उमर अब्दुल्ला से बेहतर कोई और हो सकता है। हसनैन मसूदी ने बताया, सरकार बनने के साथ ही हम अनुच्छेद-370 की बहाली पर काम करना शुरू कर देंगे। हम उन सभी वादों को पूरा करेंगे जो एनसी ने अपने पार्टी घोषणापत्र में किए थे। बैठक के बाद एक अन्य नेता सलमान सागर ने कहा कि हमारे लिए यह भावुक पल था जब हमने उमर अब्दुल्ला को सीएम पद के लिए नामित किया। फारूक अहमद शाह ने कहा, लोगों ने एनसी पर भरोसा दिखाया है। हम अपने नेताओं के सुझावों पर कायम रहेंगे। जम्मू-कश्मीर को एक मजबूत और प्रभावी सरकार की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि एनसी अनुच्छेद-370 की बहाली और अगस्त 2019 में छीने गए अधिकारों के लिए भी लड़ाई जारी रखेगी। सुरिंदर चौधरी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों ने उनके खिलाफ मतदान करके 2019 के भाजपा के फैसले को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर के हर पहलू की उपेक्षा की है और लोगों ने उन्हें हराकर वोटों से जवाब दिया है। शमीमा फिरदौस ने कहा, लोगों ने एनसी में जो विश्वास दिखाया है, वह मुझे उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए प्रेरित करेगा।

महाराष्ट्र में अवैध होर्डिंग्स के खिलाफ विशेष अभियान चलाएं: बॉम्बे हाईकोर्ट

कौमी संवाददाता

मुंबई, 10 अक्टूबर। बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बुधवार को नागरिक निकायों से अवैध होर्डिंग्स और बैनर्स के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया है। यह कदम अवैध विज्ञापनों से सार्वजनिक सड़कों को खराब होने से रोकने के लिए उठाया गया है, जो मुख्य रूप से राजनीतिक दलों और सामाजिक-धार्मिक संगठनों द्वारा लगाए जाते हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 18 नवंबर को होगी। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की खंडपीठ ने राजनीतिक दलों को अतीत में अदालत को दिए गए वचनों का पालन करने की भी याद दिलाई, जिसमें आश्वासन दिया गया था कि उनका कोई भी कार्यकर्ता कोई अवैध होर्डिंग या बैनर नहीं लगाएगा। न्यायालय ने चेतावनी दी है कि राजनीतिक दलों द्वारा दिए गए समझौतों का उल्लंघन गंभीरता से लिया जाएगा। न्यायालय का यह निर्देश 2017 के आदेश पर आधारित है, जिसमें नागरिक निकायों को सार्वजनिक सड़कों को अवैध होर्डिंग्स और बैनर्स से मुक्त रखने का निर्देश दिया गया था। इसके बावजूद नागरिक निकाय इस नियम को लागू करने में विफल रहे हैं, जिसके कारण न्यायालय ने सख्त कार्रवाई की है। याचिकाकर्ता गैर सरकारी संगठनों में से एक, सुस्वराज्य फाउंडेशन की ओर से पेश वकील उदय वारुनजिकर ने अदालत को बताया कि नवंबर में होने वाले आगामी चुनावों के मद्देनजर, अवैध होर्डिंग्स और बैनरों में वृद्धि की संभावना है। अदालत ने कहा कि यह सामान्य ज्ञान है कि सड़कों पर लगे अधिकांश होर्डिंग्स और बैनरों के लिए राजनीतिक समानताएं और सामाजिक-धार्मिक संगठन जिम्मेदार हैं।

केरल विधानसभा में देश में एक साथ चुनाव कराने के खिलाफ प्रस्ताव

तिरुवनंतपुरम, 10 अक्टूबर। केरल विधानसभा ने एक देश-एक चुनाव के खिलाफ गुरुवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें केंद्र सरकार से अपील की गई है कि वह 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के प्रस्ताव को मंजूरी देने के अपने फैसले को वापस ले। विजयन सरकार ने इसे अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक करार दिया है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के प्रस्ताव की अनुशंसा रामनाथ कोविंद पैनल द्वारा की गई है। यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की ओर से राज्य के विधायी कार्य मंत्री एमबी राजेश ने पेश किया। राजेश ने कहा कि यह प्रस्ताव देश की संघीय प्रणाली को कमजोर करेगा। यह भारत के संसदीय लोकतंत्र की विविधतापूर्ण प्रकृति को नुकसान पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि इससे देश में विभिन्न राज्य विधानसभाओं और स्थानीय स्वशासी निकायों के कार्यकाल में भी कटौती का मार्ग प्रशस्त होगा।

दिल्ली की हवा में घुला पराली का धुआं

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। राजधानी की हवा में पराली का धुआं घुलने लगा है। इस सीजन में पहली बार है कि हवा में पराली के धुएं की हिस्सेदारी सामने आई है। उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा पराली के धुएं को दिल्ली की तरफ धकेल रही है। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक, बृहस्पतिवार को उत्तर भारत में 307 जगहों पर पराली जली। इसमें पंजाब की 33 जगह शामिल हैं। सबसे ज्यादा तरनतारन जिले में 15 जगहों पर पराली जलाई गई। इससे दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी 0.771 फीसदी रही। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर पराली के मामले इसी तरह बढ़ते रहे, तो अगले कुछ दिनों में गंभीर असर दिख सकता है। 15 अक्तूबर से हवा खराब श्रेणी में पहुंच सकती है। शुक्रवार को दिल्ली की हवा में पराली के धुएं की हिस्सेदारी 0.387 फीसदी और शनिवार को 0.211 फीसदी हो सकती है। हालांकि, दिल्ली के प्रदूषण में एनसीआर के राज्यों से बाहर के प्रदूषण की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। इसमें बृहस्पतिवार को अन्य प्रदूषकों की हिस्सेदारी 32.619 प्रतिशत रही। वहीं, परिवहन से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी 18.052 फीसदी मापी गई, जबकि आने वाले दो दिनों में इसकी हिस्सेदारी भी बढ़ने के संकेत है। इसमें शुक्रवार और शनिवार को क्रमशः 23.773 फीसदी व 22.98 फीसदी हिस्सेदारी हो सकती है। इससे आने वाले दिनों में लोगों को जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर होना पड़ेगा। सरकार की सख्ती के बावजूद जमीन पर कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही है। इससे कूड़ा जलाने के मामले बढ़ रहे हैं। डिसिजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के आंकड़ों के अनुसार, बृहस्पतिवार को वायु प्रदूषण में खुले में कूड़ा जलने से 1.664 फीसदी हिस्सेदारी धुएं की रही। यह हिस्सेदारी शुक्रवार को यह 2.157 फीसदी व शनिवार को 2.101 फीसदी तक पहुंच सकती है। प्रदूषण के हॉटस्पॉट पर वायु गुणवत्ता सुधर नहीं रही है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) कई दिनों से खराब से बेहद खराब श्रेणी में बरकरार है।

न्याय न केवल किया जाए बल्कि होते हुए भी दिखे: चीफ जस्टिस चंद्रचूड़

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में न्यायालयों के लोक लुभावन फैसलों को लेकर न्यायाधीशों को नसीहत दी। सीजेआई ने कहा कि न्यायाधीश सांवधानिक और कानूनी सवालों पर फैसला करते समय लोकप्रिय नैतिकता से मुक्त होकर काम करें। न्यायालयों की वैधता और विश्वसनीयता का आधार जनता का भरोसा है। इसलिए जब भी फैसले सुनाए जाएं तो यह ध्यान रखा जाए कि न्याय न केवल किया जाए, बल्कि होते हुए भी दिखना चाहिए। भूटान में जिग्मे सिंग्ये वांगचुक व्याख्यान में संबोधन के दौरान सीजेआई ने न्यायपालिका की विश्वसनीयता और अदालतों के संस्थागत विश्वास पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भारतीय सुप्रीम कोर्ट को लोगों की अदालत होने पर गर्व है। अदालत लोगों के दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं को भी दूर कर रही है, इसलिए लोगों को विश्वास मायने रखता है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों से अपेक्षा की जाती है कि वे सांवधानिक या कानूनी प्रश्नों पर निर्णय लेते समय लोकप्रिय नैतिकता के बोझ से मुक्त होकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि अदालती कार्यवाही की लाइव-स्ट्रीमिंग जैसे उपायों ने आंतरिक दक्षता, जवाबदेही और संस्थागत स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद की है। उन्होंने कहा कि अब जनहित याचिका देश की संवैधानिक व्यवस्था का एक अनूठा हिस्सा बन गई है। इसलिए महत्वपूर्ण परिणाम अदालतों की जवाबदेही का एक हिस्सा हैं। न्यायिक संस्थानों का मूल्यांकन लोग परिणामों की स्थिरता और समता, निष्पक्षता और न्याय के सांवधानिक मूल्यों के पालन के आधार पर करते हैं। इसलिए न केवल न्यायिक निर्णय बल्कि उन तक पहुंचने के रास्ते भी पारदर्शी होने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे निर्णयों की कथित निष्पक्षता के साथ-साथ उन्हें प्राप्त करने में आसानी भी महत्वपूर्ण है। न्याय न केवल किया जाना चाहिए, बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिए। अदालतों में प्रक्रिया में फंसे लोगों की तुलना में परिणाम दुर्लभ हैं। उन्होंने न्यायालयों में की गई तकनीकी पहल को लेकर भी बात की।

आपसी झगड़े में कांग्रेस के लिए फिर फंस गया हरियाणा

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। कांग्रेस पार्टी के नेताओं में एक पुराना रोग लगा है, अपनी नफासत का। इस नफासत में ठसक इतनी है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी चाहे जितना जोर लगा दें, लेकिन पार्टी नेताओं के दिल नहीं मिल पाते। पहले पार्टी मध्य प्रदेश में इसका शिकार हुई और अब हरियाणा में भी हो गई है। पार्टी के प्रवक्ता पवन खेड़ा और मीडिया विभाग के प्रमुख जयराम रमेश हरियाणा के चुनाव नतीजे नहीं स्वीकार कर पा रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि चुनाव का नतीजा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के भी गले के नीचे नहीं उतर रहा है। कांग्रेस को उम्मीद थी कि इस बार राज्य में बहुमत मिल जाएगा, लेकिन काफी हद तक भूपेन्द्र हुड्डा को खुली छूट देने के बाद भी तीसरी बार सत्ता हाथ से छिटक गई। चुनाव की अधिसूचना जारी से ठीक पहले भूपेन्द्र हुड्डा ने इंडिया गठबंधन पर बयान दिया था। उन्होंने इंडिया गठबंधन को लोकसभा चुनाव का गठबंधन बताया था। इससे सबसे ज्यादा मिर्ची पार्टी की उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनाव में सहयोगी समाजवादी पार्टी को लगी थी। पार्टी के एक महासचिव हरियाणा में दो-तीन सीटें चाह रहे थे। अखिलेश यादव के एक करीबी अपने बेटे को चुनाव लड़ाना चाहते थे। लेकिन हुड्डा की सलाह पर चली कांग्रेस ने उन्हें कोई भाव नहीं दिया। समाजवादी पार्टी के नेताओं ने इसे कांग्रेस के नेताओं का घमंड करार दिया और लगे हाथ दबी जुबान से मध्य प्रदेश के नतीजे दोहराए जाने की भविष्यवाणी भी कर दी। दूसरा दल है, आम आदमी पार्टी। आम आदमी पार्टी हरियाणा में तालमेल करके 10 सीट पर चुनाव लडने के लिए इच्छुक थी, लेकिन कांग्रेस का मीटर पांच सीट से आगे नहीं बढ़ पाया। लिहाजा तालमेल फेल हो गया। आम आदमी पार्टी के एक राज्यसभा सांसद ने चुनाव परिणाम आने के बाद कहा कि जले पर नमक छिडकना ठीक नहीं, लेकिन राजनीति में अहंकार का फल तो मिल ही जाता है। कांग्रेस पार्टी तमाम सीटों पर मामूली अंतर से हारी है। हमारे दल के साथ तालमेल हुआ होता तो दोनों मिलकर कम से 55 सीटें लेकर आते। कभी रणदीप सुरजेवाला के लिए दिन रात पसीना बहाने वाले सूत्र का कहना है कि कांग्रेस में अगर गुटबाजी न हो तो उसे हराना मुश्किल है। सूत्र का कहना है कि भाजपा में बहुत गुटबाजी है। कांग्रेस से भी कहीं ज्यादा है, लेकिन संघ और भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व के आगे यह बेबस हो जाती है। सूत्र का कहना है कि पिछली बार अशोक तंवर कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में चले गए थे। इस बार लौट आए, लेकिन किरण चौधरी पार्टी को छोड़कर चली गई। कुमारी सैलजा अपने घर बैठ गईं थी। सैलजा को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री के समर्थकों की टिप्पणी ने भी कांग्रेस का बंटाधार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सैलजा मनाने पर चुनाव प्रचार में सक्रिय हुईं। रणदीप सुरजेवाला को ही ले लीजिए। दबे और बुझे मन से लोगों ने पार्टी में प्रचार की जिम्मेदारी निभाई। दरअसल हरियाणा में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पर्दे के पीछे से लोगों को मनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। राहुल गांधी ने अपने आपको जम्मू-कश्मीर के चुनाव प्रचार में काफी व्यस्त रखा। राहुल के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर में जीत तय करना महत्वपूर्ण था। राहुल हरियाणा में पार्टी के भीतर गुटबाजी से परेशान थे। बहादुरगढ़ से सोनीपत रोड शो के दौरान कहा भी कि हमारे कार्यकर्ता बब्बर शेर हैं। कभी-कभी आपस में ही लड़ जाते हैं। हमारा काम इन्हें आपस मे मिलाने का है। हालांकि आखिरी दस दिनों में राहुल ने हरियाणा में भी सब कुछ साधने के लिए काफी प्रयास किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र हुड्डा ने इस दौरान 10 जनपथ से अपने संपर्क, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से संबंध के चलते बढ़त बनाने में सफल रहे, लेकिन इस बढ़त ने पर्दे के पीछे से कांग्रेस को बड़ा झटका दे दिया। भूपेन्द्र हुड्डा हरियाणा के कद्दावर नेता हैं।

ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज के बहस प्रस्ताव को किया खारिज

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अक्टूबर के अंत में राष्ट्रपति पद के लिए बहस की मेजबानी करने के फॉक्स न्यूज के प्रस्ताव को खारिज किया और दावा किया कि तत्कालीन डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बिडेन और वर्तमान डेमोक्रेटिक उम्मीदवार उम्मीदवार कमला हैरिस के खिलाफ पिछली दो जीत के बाद बहस करने के लिए कुछ भी नहीं बचा है। ट्रम्प नेट्रुथ सोशल के माध्यम से कहा, मैंने पिछली दो बहसें जीतींज प्रक्रिया में बहुत देर हो चुकी है, मतदान पहले ही शुरू हो चुका है और यह दोबारा नहीं होगा! इसके अलावा, कल कमला ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह जो बाइडेन के अलावा कुछ भी अलग नहीं करेंगी, इसलिए बहस करने के लिए कुछ भी नहीं बचा है।

तूफान मिल्टन तृतीय श्रेणी के तूफान के रूप में फ्लोरिडा पहुंचा

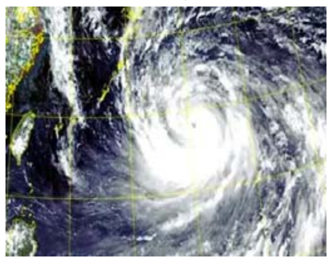

वाशिंगटन। राष्ट्रीय तूफान केंद्र (एनएचसी) ने कहा कि तूफान मिल्टन ने तृतीय श्रेणी के तूफान के रूप में मध्य फ्लोरिडा में दस्तक दी है।एनएचसी ने कहा कि बहुत खतरनाक तृतीय श्रेणी का तूफान मिल्टन फ्लोरिडा के सिएस्टा की पास पहुंचा जो मध्य फ्लोरिडा प्रायद्वीप में जानलेवा तूफान, अत्यधिक हवाएं और अचानक बाढ़ का कराण बन रहा है। एनएचसी ने कहा कि भूस्खलन के समय अधिकतम 120 मील प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है।

कुवैत में एफ-18 लड़ाकू विमान प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत

कुवैत सिटी। कुवैती रक्षा मंत्रालय ने कहा कि कुवैती वायु सेना का एक एफ-18 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसके पायलट की मौत हो गई।कुवैत समाचार एजेंसी (कुना) ने मंत्रालय के प्रवक्ता हमद अल-सकर के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा , दुर्घटना उस समय हुई, जब वह देश के उत्तर में एक प्रशिक्षण उड़ान मिशन का संचालन कर रहा था। दुर्घटना के विवरण और कारण का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। गौरतलब है कि एफ-18 लड़ाकू विमान कुवैती वायु सेना की प्राथमिक लड़ाकू संपत्ति के रूप में काम करते हैं, जिसने खाड़ी युद्ध के बाद अमेरिका से इनमें से 30 से अधिक विमान खरीदे थे।

नेपाल के नीमा रिंजी शेरपा 14 चोटियों पर चढ़ने वाले बनें विश्व के सबसे कम उम्र के पर्वतारोही

काठमांडू। नेपाल के एक किशोर पर्वतारोही ने आठ हजार मीटर से अधिक ऊंची सभी 14 चोटियों पर चढ़ने वाले विश्व के सबसे कम उम्र के पर्वतारोही क्लब में शामिल होकर इतिहास रच दिया है। हिमालयन टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक सेवन समिट ट्रेक्स के अभियान निदेशक छांग दावा शेरपा ने बताया कि मकालू के नीमा रिंजी शेरपा (18) तिब्बत में माउंट शिशापांगमा पर पहुंचे और आठ हजार मीटर से अधिक ऊंचे सभी 14 पर्वतों पर चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के पर्वतारोही बन गए। नीमा रिंजी के पिता एवं 14 पीक्स एक्सपीडिशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ताशी लकपा शेरपा ने बताया कि नीमा रिंजी अपने पर्वतारोही साथी पासांग नूरबू शेरपा के साथ आज सुबह करीब 6.05 बजे शीशपांगमा के शिखर पर पहुंचे और आठ हजार मीटर से अधिक ऊंची सभी 14 चोटियों पर चढ़ाई पूरी की। उन्होंने कहा कि नीमा रिंजी ने सभी 14 चोटियों पर चढ़ाई सिर्फ दो साल और 40 दिन में पूरा किया।

मानवाधिकार परिषद के लिए 18 नये सदस्य देश चयनित

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 47 सदस्यीय मानवाधिकार परिषद के लिए 2025-2027 के कार्यकाल के लिए 18 नये सदस्य देशों का चुनाव किया है। संयुक्त राष्ट्र ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि 18 देशों में बेनिन, बोलीविया, कोलंबिया, साइप्रस, चेकिया, कांगो, इथियोपिया, गाम्बिया, आइसलैंड, केन्या, मार्शल द्वीप, मैक्सिको, उत्तरी मैसेडोनिया, कतर, कोरिया गणराज्य, स्पेन, स्विट्जरलैंड और थाईलैंड शामिल हैं, जिन्हें मतदान द्वारा चुना गया है। इन सभी देशों को एक जनवरी, 2025 से तीन वर्षों के कार्यकाल के लिए चयनित किया गया है और उन सदस्य देशों का स्थान लेंगे जिनका कार्यकाल 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त होने वाला है।इसके अलावा, सभी निवर्तमान सदस्य देश अर्जेंटीना, बेनिन, कैमरून, इरीट्रिया, फिनलैंड, गाम्बिया, होंडुरास, भारत, कजाकिस्तान, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, मलेशिया, मोंटेनेग्रो,

पैराग्वे, कतर, सोमालिया, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका तत्काल पुनः निर्वाचन के लिए पात्र हैं, उन देशों को छोड़कर जिन्होंने लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं, इनमें अर्जेंटीना, कैमरून, इरीट्रिया, भारत और सोमालिया शामिल हैं। बयान के अनुसार, अल्बानिया, अल्जीरिया, बंगलादेश, बेल्जियम, ब्राजील, बुल्गारिया, बुरुंडी, चिली, चीन, कोस्टा रिका, कोटे डी आइवर, क्यूबा, डोमिनिकन गणराज्य, फ्रांस, जॉर्जिया, जर्मनी, घाना, इंडोनेशिया, जापान, कुवैत, किर्गिस्तान, मलावी, मालदीव, मोरक्को, नीदरलैंड, रोमानिया, दक्षिण अफ्रीका, सूडान और वियतनाम परिषद के सदस्य बने रहेंगे।

रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार बेकर, हसाबिस, जम्पर को

एजेंसी

स्टॉकहोम। रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए 2024 का नोबेल पुरस्कार प्रोटीन के अध्ययन के क्षेत्र में नयी दिशाएं दिखाने वाले अमेरिकी वैज्ञानिक डेविड बेकर, जॉन जम्पर और ब्रिटिश वैज्ञानिक के. डेमिस हसाबिस को देने की घोषणा की गयी है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने इस पुरस्कार की घोषणा करते हुए कहा गया है कि इस साल ये पुरस्कार तीन वैज्ञानिकों को दो हिस्सों में दिए जाएंगे। पहला हिस्सा डेविड बेकर को मिला है, जिन्होंने नई तरह के प्रोटीन के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया गया है। अकादमी के वक्तव्य के अनसुार वैज्ञानिक बेकर ने एक ऐसी विधि निकाली है जो वैज्ञानिकों को नियंत्रित दशाओं में प्रोटीन बनाने का अवसर देती है। वैज्ञानिक बेकर के अनुसंधान ने औषधियों विकास, एंजाइम इंजीनियरिंग और सिंथेटिक जीव विज्ञान में नए रास्ते दिखाए हैं। पुरस्कार का दूसरा हिस्सा डेमिस हसबिस और जॉन एम. जम्पर को प्रोटीन संरचना की भविष्यवाणी संबंधी उनके नवाचारों के लिए दिया

गया है। उन्होंने एआई मॉडल बनाया जिसने प्रोटीन की जटिल संरचना को समझने में मदद मिली है।

नोबेल पुरस्कार 2024 की विजेताओं की घोषणा सोमवार (07 अक्टूबर) से शुरु हुई है। पहले दिन औषधि के क्षेत्र में विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को नोबेल पुरस्कार दिया गया। उन्हें ये पुरस्कार माइक्रो राइबोन्यूक्लिक एसिड (आरएनए) की खोज के लिए दिया गया है। भौतिकी (फिजिक्स) के नोबेल पुरस्कार एआई के गॉडफादर कहे जाने वाले जैफ्री ई. हिंटन और अमेरिकी वैज्ञानिक जॉन जे. होपफील्ड को देने की घोषणा की गयी। उन्हें मशीन लर्निंग से जुड़ी नई तकनीकों के विकास के लिए ये सम्मान दिया गया है जो आर्टिफिशियल न्यूरॉन्स पर आधारित है। नोबेल पुरस्कारों को प्रदान करने का कार्य 14 अक्टूबर तक चलेगा।

पाकिस्तान में मारे गए चीनी नागरिक सरकार के साथ बातचीत कर रहे थे : औरंगजेब

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने कहा कि कराची हवाई अड्डे के पास यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करने की प्रतिबद्धता की पृष्ठभूमि में आई है कि देश में काम करने वाले चीनी नागरिकों को नुकसान न हो।

आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले दो चीनी नागरिक स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आईपीपी) की शर्तों पर पुनर्विचार के संबंध में वरिष्ठ सरकारी मंत्रियों के साथ बातचीत कर रहे थे। डॉन ने रिपोर्ट दी। श्री औरंगजेब की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की हड़ताल के आह्वान से बनी स्थिति के बारे में बात करते हुए श्री औरंगजेब ने कहा कि वित्त मंत्रालय की आर्थिक शाखा ने इस तरह के संघर्ष के प्रतिकूल प्रभाव की गणना की थी।

जापान में चुनाव की तैयारी, भंग हुआ संसद का निचला सदन

एजेंसी

टोक्यो। जापान की संसद (डायट) के निचले सदन (प्रतिनिधि सभा) को आधिकारिक रूप से भंग कर दिया गया, जिससे आम चुनाव के लिए मंच तैयार हो गया।गौरतलब है कि प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा निचले सदन में अपनी पार्टी को बहुमत दिलाने और जनता का विश्वास हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। आम चुनाव 27 अक्टूबर को होने हैं, जिसका प्रचार 15 अक्टूबर से शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि श्री इशिबा ने 27 सितंबर को सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष चुने गए थे और एलडीपी के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा नियंत्रित संसद में 01 अक्टूबर को प्रधानमंत्री निर्वाचित हुए थे। यह समय जापान के युद्ध के बाद के इतिहास में किसी प्रधानमंत्री के पदभार ग्रहण करने और निचले सदन के विघटन के बीच सबसे कम

अवधि को चिह्नित करता है। वर्ष 2023 के अंत में एलडीपी के राजनीतिक फंड घोटाले के सामने आने के बाद से यह पहला आम चुनाव होगा। पिछले सप्ताह संसद में अपने पहले नीतिगत भाषण में 67 वर्षीय इशिबा ने घोटालों की एक श्रृंखला के बाद राजनीति में जनता का विश्वास बहाल करने की कसम खाई और बढ़ती जीवन लागत के बीच जनता को आश्वस्त करने की कोशिश की। जनता के आक्रोश को दूर करने के प्रयास में एलडीपी ने आगामी चुनाव में आधिकारिक उम्मीदवारों के रूप में राजनीतिक फंड घोटाले में उलझे 12 सांसदों का समर्थन नहीं करने का फैसला किया। निचले सदन के विघटन के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए श्री इशिबा ने कहा कि जनता की स्वीकृति और सहानुभूति के बिना राजनीति आगे नहीं बढ़ सकती। उन्होंने नई सरकार के तहत क्षेत्रीय पुनरोद्धार जैसी नीतियों को सख्ती से आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की, और वास्तविक मजदूरी बढ़ाने पर काम करते हुए मुद्रास्फीति से निपटने का लक्ष्य रखा।

श्री इशिबा ने पार्टी के वित्त सुधारों, आपदा प्रतिक्रिया और जापान की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के बारे में भी बात की। एलडीपी (जिसने युद्ध के बाद के दौर में जापान पर शासन किया) के पास पहले 465 सदस्यीय निचले सदन में 258 सीटें थीं, और इसने कोमिटो के साथ गठबंधन में शासन किया। कोमिटो के पास 32 सीटें थीं। मुख्य विपक्षी दल जापान की संवैधानिक डेमोक्रेटिक पार्टी है, जिसका नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री योशीहिको नोडा करते हैं, जिसके पास 99 सीटें थीं। चुनाव में एलडीपी के फंडिंग घोटालों, मुद्रास्फीति की प्रतिक्रियाओं और आर्थिक उपायों के बाद राजनीतिक सुधार जैसे प्रमुख मुद्दे उठने की उम्मीद है। विपक्षी दल एलडीपी के प्रभुत्व को कम करने और उनके बीच समन्वय स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार हैं।

बंगलादेश के पूर्व सांसद माणिक गिरफ्तार

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश के पूर्व सांसद मोहिबुर रहमान माणिक को रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने जुलाई-अगस्त में देश में हुए कोटा विरोधी छात्र आंदोलन में शामिल लोगों पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस आंदोलन ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। स्थानीय अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' ने बताया कि अवामी लीग के नेता माणिक को मंगलवार शाम ढाका के वसुंधरा आवासीय इलाके से गिरफ्तार किया गया। आरएबी के कानूनी एवं मीडिया विंग के सहायक निदेशक एएनएम इमरान खान ने इस बात की पुष्टि की।श्री माणिक पर भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन पर कथित रूप से हमला करने के लिए

सुनामगंज सदर थाने में एक शिकायत दर्ज है। इस आंदोलन के कारण अवामी लीग की सरकार गिर गई और तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। श्री इमरान ने यह बताया कि श्री माणिक को ढाका की जासूसी शाखा (डीबी) कार्यालय को सौंपने की प्रक्रिया चल रही है। आरएबी बंगलादेश पुलिस की विशिष्ट अपराध एवं आतंकवाद विरोधी शाखा है।

इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने खैबर पख्तूनख्वा हाउस को डी-सील करने का दिया आदेश

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सील किए गए खैबर पख्तूनख्वा हाउस के मामले में प्रशासन को अदालत से जोरदार झटका लगा है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने आज खैबर पख्तूनख्वा हाउस को खोलने (डी-सील) का आदेश दिया। एआरवाई न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा सरकार की सचिव प्रशासन के माध्यम से दायर याचिका की सुनवाई आज चीफ जस्टिस आमिर फारूक ने की। याचिका में हाई कोर्ट से अनुरोध किया गया था कि अंतिम निर्णय तक इसे डी-सील करने का आदेश दिया जाए। याचिका में यह भी तर्क दिया गया कि यह

हाउस प्रांतीय सरकार की संपत्ति है। इसकी सीलिंग अवैध है। साथ ही खैबर पख्तूनख्वा हाउस को सील करने के बाद सरकारी गाड़ियों को कब्जे में लेना भी गैरकानूनी है। चीफ जस्टि, फारूक ने शुरुआती दलीलें सुनने के बाद खैबर पख्तूनख्वा हाउस को डी-सील करने का आदेश दिया। उल्लेखनीय है कि कैपिटल डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीडीए) ने खैबर पख्तूनख्वा हाउस के ए और बी ब्लॉक को कुछ दिन पहले सील कर दिया था। सीलिंग अभियान का नेतृत्व विशेष मजिस्ट्रेट सरदार मोहम्मद आसिफ ने किया। सीडीए के अनुसार, सी ब्लॉक को इसलिए सील नहीं किया गया क्योंकि उसमें परिवार रह रहे थे।

पाकिस्तान के कराची विवि ने जाकिर नाइक को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की

एजेंसी

कराची। भगोड़े और विवादास्पद इस्लामी प्रचारक जाकिर नाइक को पाकिस्तान के कराची विश्वविद्यालय ने सम्मानित किया है। उन्हें डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की है। उन्हें यह डिग्री विश्वविद्यालय के चांसलर और सिंध प्रांत के गर्वरन कामरान टेसोरी ने प्रदान की।

एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, नाइक इस समय पाकिस्तान की राजकीय यात्रा पर हैं। वह 28 अक्टूबर तक लाहौर और इस्लामाबाद सहित कई शहरों में सार्वजनिक समारोहों को संबोधित करेंगे। उनकी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सहित वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मुलाकात हो चुकी है। गवर्नर टेसोरी ने इस्लामी विषयों पर बहस में डॉ. नाइक की भागीदारी की प्रशंसा की और इस्लाम के प्रचार के लिए उनके निरंतर समर्पण की आशा व्यक्त की। दीक्षांत

KARACHI UNIVERSITY
SP AL C VOCATION 24
HELD TH OCTOB 024 AT GOVER HOUSE

समारोह में महावाणिज्यदूत, सिंध उच्च शिक्षा आयोग के अध्यक्ष, विश्वविद्यालय के अधिकारी और संकाय सदस्य उपस्थित रहे। इस्लाम के प्रति डॉ. नाइक की सेवा को मान्यता देते हुए कराची विश्वविद्यालय के सिंडिकेट ने उन्हें मानद उपाधि प्रदान करने को मंजूरी दी।

इस्लामाबाद में 12 से 16 अक्टूबर मैरिज हॉल, होटल, रेस्तरां बंद रहेंगे

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में 12 से 16 अक्टूबर तक मैरिज हॉल, होटल और रेस्तरां नहीं खुलेंगे। राजधानी इस्लामाबाद की पुलिस ने यह फैसला शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन की सुरक्षा के मद्देनजर किया है। दो दिवसीय यह सम्मेलन 15 अक्टूबर को शुरू होगा।

एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन की तैयारियां जोरों पर हैं। अधिकारियों ने दो शहरों इस्लामाबाद और रावलपिंडी में सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर मैरिज हॉल, कैफे, रेस्तरां और स्नूकर क्लब को 12 से 16 अक्टूबर तक बंद रखने का आदेश दिया गया है। पुलिस ने होटल और रेस्तरां संचालकों सहित व्यवसाय मालिकों को नोटिस जारी

किया है। इसमें आदेश के उल्लंघन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। इसके अतिरिक्त, पुलिस ने निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए व्यापारियों और होटल मालिकों से जमानत बांड भरकर जमा कराने का आदेश दिया है। साथ ही इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 14, 15 और 16 अक्टूबर तक सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है।

अमेरिका के कॉर्नेल विवि ने अपने पूर्व छात्र रतन टाटा के योगदान का किया स्मरण, जताई कृतज्ञता

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका की कॉर्नेल यूनिवर्सिटी ने अपने पूर्व छात्र रतन टाटा के निधन पर उनका भावपूर्ण स्मरण किया है। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर डीन जेम्स ने भारत के शीर्ष उद्योगपति रतन टाटा के जीवन के विभिन्न पक्षों का जिक्र किया है। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी ने योगदान के लिए कृतज्ञता जताई है। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, आर्ट ऐंड प्लानिंग के डीन जेम्स मीजिन यून ने कहा, जब रतन टाटा ने आर्किटेक्चर में डिग्री के साथ कॉर्नेल से स्नातक किया, तो यह कल्पना करना असंभव था कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व, परोपकार और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता का वैश्विक प्रभाव कई क्षेत्रों में शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने में होगा। विश्वविद्यालय के अंतरिम अध्यक्ष माइकल आई. कोटलिकॉफ ने कहा, रतन टाटा ने भारत, कॉर्नेल और पूरे विश्व में एक असाधारण विरासत छोड़ी है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बिलावल ने कहा-हुकूमत ने संवैधानिक पैकेज के मुद्दे को विफल किया

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व विदेशमंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने बहुचर्चित संवैधानिक पैकेज को गलत तरीके से पेश करने के लिए हुकूमत की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकारी के रुख के कारण ही संसद में यह पारित नहीं हो सका। उन्होंने न केवल संघीय स्तर पर बल्कि सभी प्रांतों में एक संवैधानिक न्यायालय स्थापित करने पर भी जोर दिया। डॉन समाचार पत्र के अनुसार, राजधानी इस्लामाबाद के जरदारी हाउस में बुधवार को पत्रकारों के एक समूह के साथ अनौपचारिक बातचीत में पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ने कहा कि सरकार ने बिना उचित होमवर्क और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) जैसे सहयोगियों के समर्थन के बिना संवैधानिक कानून को आगे बढ़ाने की कोशिश की है। बिलावल ने साफ किया कि सरकार ने पहली बार सप्ताहांत (शनिवार और रविवार) को संसद में संवैधानिक पैकेज पेश करने की कोशिश की। तब उन्हें बताया गया था कि मौलाना फजल इसका समर्थन करेंगे। बाद में उन्हें पता चला कि वह आश्वस्त नहीं थे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के 12 जुलाई के फैसले के बाद स्थिति बदल गई। इस फैसले में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को आरक्षित सीटें आवंटित की गईं। इस फैसले ने पैकेज को पारित करने के लिए सीनेट और नेशनल असेंबली दोनों में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में सरकार के आत्मविश्वास को तोड़ दिया।

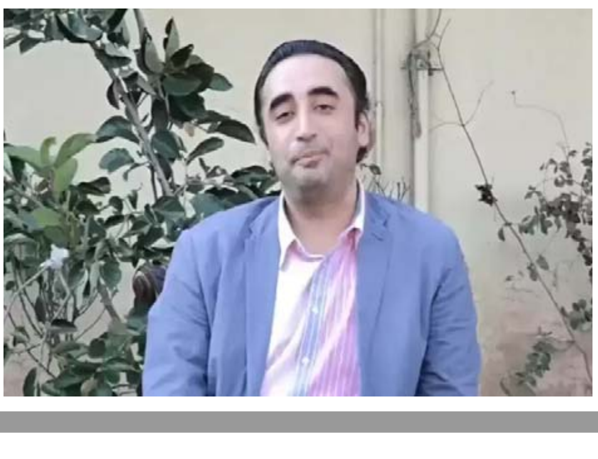

बिलावल का मानना है कि पैकेज को मौलाना फजल और सरदार अख्तर मेंगल (बलूचिस्तान नेशनल पार्टी के अध्यक्ष) की सहमति के बिना संसद में पेश नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह मौलाना फजलुर रहमान को समझाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि उन्होंने विभिन्न अवसरों पर इमरान खान की पार्टी का समर्थन किया है। यह मौके हैं नौ मई की अशांति के आरोपितों के लिए सैन्य परीक्षणों का विरोध करना और इमरान खान के सत्ता से हटने के बाद 90 दिनों के भीतर आम चुनाव की संवैधानिक आवश्यकता का बचाव करना शामिल है। उन्होंने कहा, पीटीआई नफरत की राजनीति पर आमादा है। इसलिए उसे नुकसान हो रहा है। भुट्टो जरदारी ने स्वीकार किया कि ऊंची कीमतें लोगों के लिए एक बड़ी समस्या बनी हुई हैं। हालांकि मुद्रास्फीति में हालिया गिरावट एक सकारात्मक कदम है। सबको संघीय सरकार को कार्यकाल पूरा करने का मौका देना चाहिए उन्होंने भ्रष्टाचार को खत्म करने और राजनीति और समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने की अपनी योजना का खुलासा किया। बिलावल ने कहा कि उन्हें लंबी पारी खेलनी है। भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए सबसे पहले एनएबी (राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो) को खत्म करना होगा। एनएबी भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए नहीं बल्कि शासकों के राजनीतिक विरोधियों की बांहें मरोड़ने का काम करता है।

नवाचार, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में युवा निभाते हैं महत्वपूर्ण भूमिका: अलशाली

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात यूएई) और भारत के संबंधों के भविष्य को आकार देने में युवाओं की भूमिका पर संवाद को बढ़ावा देने के लिए भारत में यूएई के राजदूत अब्दुलनासर अलशाली ने संसद सदस्यों के 40 विधायी सहायकों (एलएएमपी) फेलो के साथ यहां चर्चा की और कहा कि नवाचार, आर्थिक विकास एवं सतत विकास में युवा विशेष महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस सत्र का उद्देश्य अगली पीढ़ी के नेताओं को प्रेरित करना था और एलएएमपी फेलो को कई प्रमुख विषयों पर राजदूत के साथ खुली बातचीत में शामिल होने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान श्री अलशाली ने युवा सशक्तिकरण और शिक्षा के लिए यूएई की प्राथमिकताओं के बारे में बताया।

गोयल ने रतन टाटा को सच्चा राष्ट्रवादी बताया, अपने सरकारी कार्यक्रम स्थगित किए

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वायोवृद्ध उद्योगपति रतन टाटा को सच्चा राष्ट्रवादी बताते हुए उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री गोयल ने राजधानी में आज के लिए निर्धारित अपने सभी आधिकारिक कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया है। श्री टाटा का कल रात मुंबई के अस्पताल में निधन हो गया। श्री गोयल में गुरुवार को सोशल मीडिया पर अपने संवेदना संदेश में कहा, 'परोपकारी एक सच्चे राष्ट्रवादी और दूरदर्शी उद्योगपति, रतन टाटा जी के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है, श्री टाटा ने टाटा समूह के अध्यक्ष के रूप में लंबे समय तक कार्य किया था और अपनी असाधारण उपलब्धियों के माध्यम से भारत को बहुत गौरव दिलाया। श्री गोयल ने कहा कि श्री टाटा के मजबूत और मानवतापूर्ण नेतृत्व ने टाटा समूह को उल्लेखनीय सफलता दिलाई, जिससे टाटा समूह के वैश्विक विस्तार में मदद मिली और विश्व मंच पर हमारे देश की उपस्थिति काफी मजबूत हुई। श्री गोयल ने श्री टाटा के प्रति अपने श्रद्धांजलि में कहा,' भारत माता' के प्रति उनके अद्वितीय समर्पण और उनकी परोपकारी पहलों के माध्यम से अंतिम सांस तक हमारे समाज में योगदान किया। उनके योगदान को प्रतिष्ठित पद्म भूषण और पद्म विभूषण पुरस्कारों से मान्यता दी गई थी। उनकी विरासत उनकी उल्लेखनीय जीवन यात्रा की तरह ही चमकती रहेगी और न केवल भारत बल्कि दुनिया भर की पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।' 'भारत माता' के प्रति उनके अद्वितीय समर्पण और उनकी परोपकारी पहलों के माध्यम से अंतिम सांस तक हमारे समाज में उनके योगदान को प्रतिष्ठित पद्म भूषण और पद्म विभूषण पुरस्कारों से मान्यता दी गई थी।

गुजराती संस्कृति का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात : राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मानसी पारेख

नई दिल्ली। अभिनेत्री मानसी पारेख मुख्य रूप से गुजराती सिनेमा में काम करती हैं। हाल ही में उन्हें हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'झामकुडी' में देखा गया था। मानसी को उनकी गुजराती फिल्म 'कच्छ एक्सप्रेस' में शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्होंने यह सम्मान अभिनेत्री नित्या मेनन के साथ साझा किया है। अवार्ड के बारे में मानसी पारेख ने कहा कि यह उन्हें इस बात से गर्व महसूस होता है कि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर गुजराती संस्कृति का प्रतिनिधित्व किया। अपने भाषण में उन्होंने कहा, यह राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करना केवल एक सम्मान नहीं है, बल्कि 'कच्छ एक्सप्रेस' बनाने में सभी की मेहनत और समर्पण का प्रतीक है। यह फिल्म कला, रिश्तों और जीवन के सार का जश्न मनाती है। साथ ही, हम नवरात्रि के बीच में हैं, और मैं इस पुरस्कार को देवी का आशीर्वाद मान रही हूं। यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के माध्यम से प्राप्त हुआ है, जो खुद साहस और शक्ति की प्रतीक हैं। पुरस्कार समारोह में मानसी पारेख ने डिजाइनर प्राप्ति द्वारा डिजाइन की गई एक आधुनिक साड़ी पहनी, जिसमें गुजरात की तीन लोकप्रिय बुनाई शैलियों - बंधनी, पटोला और अजरख की सुंदरता दिखी। उनका परिधान गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और कला को दर्शाता था, जो फिल्म के आत्म-खोज और कला के माध्यम से अभिव्यक्ति के विषयों से मेल खाता था। जब मानसी मंच पर पुरस्कार ले रही थीं, उनकी आंखें नम हो गईं। तब राष्ट्रपति ने उन्हें प्यार से सांत्वना दी थी।

मुर्मु तीन अफ्रीकी देशों की यात्रा पर जायेंगी

नयी दिल्ली । राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 13-19 अक्टूबर तक तीन अफ्रीकी देशों अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की राजकीय यात्रा पर जाएंगी। विदेश मंत्रालय में सचिव (आर्थिक संबंध) दामू रवि और सचिव (सीपीवी एवं खाड़ी) अरुण चटर्जी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की तीन अफ्रीकी देशों की पहली यात्रा होगी। अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने के निमंत्रण पर राष्ट्रपति मुर्मु 13-15 अक्टूबर, 2024 को अल्जीरिया का दौरा करेंगी।श्री रवि ने कहा कि यात्रा के दौरान श्रीमती मुर्मु अल्जीरिया के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। नेशनल काउंसिल (अल्जीरियाई संसद के ऊपरी सदन) के अध्यक्ष और नेशनल पीपुल्स असेंबली (अल्जीरियाई संसद के निचले सदन) के अध्यक्ष सहित कई अल्जीरियाई गणमान्य व्यक्तियों के उनसे मुलाकात करेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मु, मोदी, राजनाथ, शाह और बिरला सहित विभिन्न नेताओं ने रतन टाटा के निधन पर जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह , गृहमंत्री अमित शाह और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित विभिन्न नेताओं ने प्रसिद्ध उद्योगपति रतन एन टाटा के निधन पर शोक जताया है। श्रीमती मुर्मु ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने शोक संदेश में लिखा, श्री रतन टाटा के दुखद निधन से भारत ने एक ऐसे महान व्यक्तित्व को खो दिया है, जिन्होंने कॉर्पोरेट विकास को राष्ट्र निर्माण और उत्कृष्टता को नैतिकता के साथ जोड़ा। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित श्री रतन टाटा ने टाटा की महान विरासत को आगे बढ़ाया तथा वैश्विक स्तर पर इसे और अधिक प्रभावशाली वैश्विक उपस्थिति दी। उन्होंने अनुभवी पेशेवरों और युवा छात्रों को समान रूप से प्रेरित किया। परोपकार और दान के लिए उनका योगदान अमूल्य है। मैं उनके परिवार, टाटा समूह की पूरी टीम और दुनिया भर में उनके प्रशंसकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक पर लिखा, श्री रतन टाटा जी एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, एक दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। साथ ही, उनका योगदान बोर्डरूम से कहीं आगे तक गया। उन्होंने अपनी विनम्रता, दयालुता और हमारे समाज को बेहतर बनाने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता के कारण कई लोगों के बीच अपनी जगह बनाई।

उन्होंने कहा, श्री रतन टाटा जी का सबसे अनोखा पहलू था बड़े सपने देखने और दूसरों को कुछ देने का उनका जुनून। वे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, पशु कल्याण जैसे मुद्दों को आगे बढ़ाने में सबसे आगे थे। श्री रतन टाटा जी के साथ मेरी अनगिनत मुलाकातें मुझे याद हैं। जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब मैं उनसे अक्सर मिलता था। हम विभिन्न मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करते थे। मुझे उनके विचार बहुत उपयोगी लगते थे। दिल्ली आने पर भी ये मुलाकातें जारी रहीं। उनके निधन से मुझे बहुत कष्ट पहुंचा है। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति। प्रधानमंत्री ने एक्स पर श्री रतन टाटा के साथ अपनी एक फोटो भी शेयर की है, जिसमें दोनों दो कुर्सी पर साथ-साथ बैठे हैं और प्रसन्न मुद्रा में एक दूसरे को देख रहे हैं। श्री सिंह सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शोक संदेश में कहा, श्री रतन टाटा के निधन से मुझे दुःख पहुंचा है। वह भारतीय उद्योग जगत के महान नायक थे, जिन्हें हमारी अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए जाना जाता है। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उसकी आत्मा को शांति मिलें। श्री शाह ने एक्स पर अपने शोक संदेश में कहा, महान उद्योगपति और सच्चे राष्ट्रवादी श्री रतन टाटा जी के निधन से बहुत दुखी हूं। उन्होंने निस्वार्थ भाव से अपना जीवन हमारे राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित कर दिया। जब भी मैं उनसे मिला भारत और उसके लोगों की बेहतरी के लिए उनके उत्साह और प्रतिबद्धता ने मुझे चकित कर दिया। हमारे देश और उसके लोगों के कल्याण के लिए उनकी प्रतिबद्धता ने लाखों सपनों को जन्म दिया। समय रतन टाटा जी को उनके प्यारे देश से दूर नहीं कर सकता। वह हमारे दिलों में ज़िंदा रहेंगे। टाटा समूह और उनके अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएँ। ओम शांति शांति शांति!

श्री बिरला ने यहां जारी शोक संदेश में कहा, भारत ने आज एक ऐसे महान उद्योगपति और समाजसेवी को खो दिया, जिन्होंने न केवल भारतीय उद्योग जगत को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया, बल्कि अपनी निःस्वार्थ सेवा और उदारता से समाज के हर वर्ग को प्रेरित किया। उन्होंने उद्योगपति रतन टाटा की सादगी का स्मरण करते हुए उनकी आत्मा की शांति की कामना की और कहा, श्री रतन टाटा जी की सादगी, दूरदर्शिता और सेवा भावना युगों-युगों तक प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। उनका जाना देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। ओम शांति। दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने श्री रतन टाटा के निधन को एक युग का अवसान बताया। उन्होंने कहा, श्री टाटा व्यवसाय जगत के ऐसे पुरोधा थे जिन्होंने नेतृत्व के नए आयाम जो सत्य निष्ठा और करुणा को समर्पित थे। वास्तव में उन्होंने व्यवसाय जगत और समाज पर अपनी एक अमित छाप छोड़ी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन श्री टाटा के निधन पर गहरा दुख्य व्यक्त करते हुए कहा कि रतन टाटा सचमुच भारतीय उद्योग जगत के एक वटवृक्ष तथा विनम्रता और करुणा की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से न केवल टाटा समूह को आकार दिया बल्कि विश्व स्तर पर व्यवसाय में नैतिकता के नए मानक स्थापित किये। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि श्री रतन टाटा का जीवन मूल्य यह था कि समाज से जो मिला है, उसे समाज को समर्पित कर देना है। उनका निधन महाराष्ट्र और पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है।

प्रधानमंत्री मोदी वियनतियाने के लिए रवाना, कहा हमारी एक्ट ईस्ट पॉलिसी से बहुत लाभ हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21वें आसियान-भारत और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए गुरुवार को लाओ पीडीआर के लिए रवाना हुए। उन्होंने कहा कि यह वर्ष विशेष है क्योंकि यह भारत सरकार की एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक का प्रतीक है जिससे देश को बहुत लाभ हुआ है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह अपनी यात्रा के दौरान विभिन्न द्विपक्षीय बैठकें और विश्व नेताओं के साथ बातचीत भी करेंगे।

मोदी ने कहा कि 21वें आसियान-भारत और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए लाओ पीडीआर के लिए प्रस्थान कर रहा हूं। यह एक विशेष वर्ष है क्योंकि हम अपनी एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक का जश्न मना रहे हैं, जिससे हमारे देश को पर्याप्त लाभ हुआ है। इस यात्रा के दौरान विभिन्न विश्व नेताओं के साथ विभिन्न द्विपक्षीय बैठकें और बातचीत भी होंगी। एक बयान में प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि की चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करेगा। आज, मैं 21वें आसियान-भारत और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री श्री सोनेक्साय सिफांडोन के निमंत्रण पर वियनतियाने, लाओ पीडीआर की दो दिवसीय यात्रा पर जा रहा हूं। इस वर्ष हम अपनी एक्ट ईस्ट पॉलिसी का एक दशक पूरा कर रहे हैं। मैं हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी में प्रगति की समीक्षा करने और हमारे सहयोग की भावी दिशा तय करने के लिए आसियान नेताओं के साथ शामिल होऊंगा मोदी ने कहा कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन भारत-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करेगा। हम लाओ पीडीआर सहित इस क्षेत्र के साथ घनिष्ठ सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को साझा करते हैं, जो बौद्ध धर्म और रामायण की साझा विरासत से समृद्ध हैं। मैं हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए लाओ पीडीआर नेतृत्व के साथ अपनी बैठकों का इंतजार कर रहा हूं। मुझे विश्वास है कि इस यात्रा से आसियान देशों के साथ हमारे संबंध और गहरे होंगे विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहाः भारत की एक्ट ईस्ट नीति : एक दशक पुरानी प्रतिबद्धता मजबूत हो रही है! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21वें आसियान-भारत और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए लाओ पीडीआर की 2 दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए।

सीवर में उतरे मजदूर, दो की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। सरोजनी नगर इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत के सीवर से कचरा निकालने गए दो मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। जबकि उनका एक साथी भी चपेट में आने से बेहोश हो गया। जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने एक शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिवार को सौंप दिया है। पुलिस केस दर्ज करके जांच कर रही है। पुलिस ठेकेदार आदि को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पीड़ितों के परिजनों ने भी ठेकेदार आदि पर लापरवाही का आरोप लगाया है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सरोजनी नगर पुलिस को एक पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि सरोजनी नगर मेट्रो गेट नंबर 1 के पास पिलांजी गांव में एक इमारत ढह गई है और 3-4 लोग फंसे हुए हैं। पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पता चला कि वीसीएल कंस्ट्रक्शन कंपनी का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माणाधीन इमारत में बने गटर के आसपास काफी मजदूर इकट्ठा थे। जिन्होंने बताया कि उनका एक साथी गटर से कचरा निकालने के लिये उतरा था। जिसने सुरक्षा के लिये कोई उपकरण नहीं पहने थे। न ही ठेकेदार ने मजदूर को दिये थे। जब मजदूर सीवर से बाहर नहीं निकला। उसके साथी ने आवाज लगाकर उसके बारे में जानने की कोशिश की। जवाब नहीं आने पर जब वह अंदर गया। तीसरे ने उसके बारे में जानने के लिये आवाज लगाई। वह भी दोनों को देखने के लिये सीवर में उतर गया। तीनों जब बाहर नहीं आए तो अन्य मजदूरों ने शोर मचाया। किसी की भी हिम्मत नहीं हुई कि कोई सीवर में जाकर तीनों को बाहर निकाल सके। किसी तरह से तीनों को अचेतावस्था में बाहर निकाला गया। दो मजदूरों बबुंद्र कुमार सिंह और श्रीनाथ सोरेन को वीसीएल कंस्ट्रक्शन कंपनी की एम्बुलेंस द्वारा दियोस अस्पताल, सफदरजंग एन्क्लेव ले जाया गया। जबकि ग्राम बरदा धमना, जिला हमीरपुर, यूपी के रहने वाले तीसरे मजदूर रामआसरे को पुलिस ने एम्स, ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया। रामआसरे और बबुंद्र कुमार सिंह को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि श्रीनाथ सोरेन की उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताई। एम्स ट्रूमा सेंटर के मोर्चरी में रामआसरे के शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

टाटा हमेशा प्रेरणास्रोत बने रहेंगे: दिल्ली के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने उनके निधन पर शोक जताया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्पाल वी.के सक्सेना, मुख्यमंत्री आतिशी और आम आदमी पार्टी (आप) के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने उद्योगपति रतन टाटा को बृहस्पतिवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी और उनकी सादगी, करुणा, काम के प्रति उनकी विनम्रता एवं जुनून को हमेशा याद रखा जाएगा। टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष रतन नवल टाटा का बुधवार रात 11.30 बजे दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया था। वह 86 वर्ष के थे।'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भारत ने अपना सच्चा 'रत्न' खो दिया, जिन्होंने असंभव को संभव बना दिया था। केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रतन टाटा की विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। उपराज्यपाल सक्सेना ने एक पोस्ट में कहा, ''रतन टाटा! आपने न केवल अपनी विरासत को आगे बढ़ाया बल्कि उसे समृद्ध और उन्नत भी किया। आपके निधन पर मेरी श्रद्धांजलि। भारत आपको हमेशा याद रखेगा।'आतिशी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''रतन टाटा ने नैतिक नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत किया तथा देश और उसके लोगों के कल्याण को सदैव सर्वोपरि रखा।''

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा, ''..उनकी सादगी, शालीनता, सौम्यता, दयालुता, विनम्रता और बदलाव लाने के जुनून को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।''

दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी आम आदमी पार्टी: प्रियंका कक्कड़

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने कहा है कि वह राज्य में अकेले ही चुनाव लड़ेगी। पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली में अपने 10 साल के शासनकाल के दौरान किए गए कार्यों के बल पर चुनाव लड़ेगी। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी ने 10 साल में जो काम दिल्ली में किए हैं, उन्हीं के नाम पर चुनाव लड़ेगी।

कक्कड़ ने कांग्रेस को हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली हार को लेकर तंज कसते हुए उसे अति आत्मविश्वासी करार दिया और भाजपा को अहंकारी पार्टी बताया।

सांसद खंडेलवाल ने उपराज्यपाल से शीशमहल के इन्फ्रास्ट्रक्चर ऑडिट की मांग की

नयी दिल्ली। चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना से दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के 'शीशमहल' के नाम से चर्चित सरकारी आवास के इन्फ्रास्ट्रक्चर का ऑडिट कराने की मांग की है। खंडेलवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री का 'शीशमहल' के नाम से चर्चित सरकारी आवास के इन्फ्रास्ट्रक्चर का ऑडिट होना चाहिए, क्योंकि इसके निर्माण में जनता के टैक्स का पैसा बेहिसाब और बेदर्दी से इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे में यह जानना बेहद जरूरी है कि किस प्रकार से सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बर्बादी के खेल को अनदेखा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जल्द ही इसका खुलासा होना चाहिए क्योंकि जनता को यह जानने का हक है कि उनके मेहनत की कमाई का उपयोग कैसे किया जा रहा है।सांसद खंडेलवाल ने कहा, जनता के टैक्स से जमा की गई धनराशि का उपयोग जनता की भलाई और विकास के लिए होना चाहिए

NAME CHANGE

It is for general information that I, RATHOD HIMMAT LAL S/O KHODA BHAI, Permanent Resident KALA TALAB, BHAVNAGAR, SANES, BHAVNAGAR, GUJRAT-364313 presently residing at SHEKHAWATI LINE, QTR. NO-P86/1, 17 MAHAR, DELHI CANTT, DELHI-110010, declare that name of mine, my wife and my minor son has been wrongly written as HIMMAT LAL RATHOD, ASHA KUMARI RATHOD, and KAPIL KUMAR in my minor son KAPIL RATHOD aged 15 years in his school records. The actual name of mine, my wife and my minor son are RATHOD HIMMAT LAL, ASHA RATHOD and KAPIL RATHOD, which may be amended accordingly.s

PUBLIC NOTICE

I, Hitherto Known as Meenakshi Gupta W/o Sanjay Kumar Garg R/o RZ -85 C, Gali No.1, Palam Colony, Sadh Nagar, Palam Village, South West Delhi-110045 Have Changed My Name and Shall Hereafter be known as Meenakshi Garg.

NAME CHANGE

I, ANISAH W/O MOHAMMAD HAMID MARHI residing at 169 FOURTH FLOOR GALI GADARYAN BASTI HAZRAT NIZAMUDDIN DELHI-110013 have changed my name to ANISA MARHI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, JC-523158X Rank-SUB Name-GURMIT SINGH S/o CHAMAN LAL Residing at VILL-BADALA, PO-GHAGWAL, TEH-MUKERIAN, DIST-HOSHIARPUR, PUNJAB-144221 have changed my minor daughter's name from KUSHBOO MANHAS to KHUSHBOO MANHAS for all future purposes vide Affidavit dated 10/10/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as VEENA DEVI W/O MOHAN LAL R/O HOUSE NO-1231, GALI NO-2, BHOGAL WALI GALI, JOHRIPUR, GOKAL PUR, GOKAL PURI, NORTH EAST DELHI, DELHI-110094 have changed my name and shall hereafter be known as BINASWATI.

NAME CHANGE

It is for general information that I, ANAND RAWANI S/o DURYODHAN RAWANI residing at Flat No. 1105 , Tower - CVVIP Homes, Plot No. GHO3, Sector-16 C, Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201318 declare that name of mine has been wrongly written as ANAND REWANI in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine is ANAND RAWANI respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Bajarang Agarwal S/O Amrit Lal, R/O 3066/224, CHANDRA NAGAR, TRI NAGAR, DIST: North West Delhi, Delhi - 110035 declare that name of mine has been wrongly written as Bajrang in my minor son Ashish Agarwal aged 14 years in his school records The actual name of mine is BAJARANG AGARWAL, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Santosh Kumar Vaishy S/o Devtadin Vaishy R/o B-1/131, F-3, 1st Floor, DLF Dilshad Ext-2, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 declare that name of mine has been wrongly written as Santosh Vaishy in my minor Son Divyank aged 15 years in his School Records. The actual name of mine is Santosh Kumar Vaishy which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, HALIMA W/O MOHAMMAD MARHI ZUBERI residing at 169 FOURTH FLOOR GALI GADARYAN BASTI HAZRAT NIZAMUDDIN DELHI-110013 have changed my name to HALIMA MARHI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NEERAJ AASHTA S/O RAVINDER AASHTA residing at H NO-B-16, KOTLA FEROZ SHAH, VIKRAM NAGAR, DARYA GANJ, DELHI-110002 , have changed the name of my minor daughter KASHISH ASTHA aged 14 years and she shall hereafter be known as KASHISH AASHTA.

NAME CHANGE

I, GURBANI D/O BOBBY SINGH residing at POCKET A-8, HOUSE NUMBER 46, FIRST FLOOR , SWAPAN KUNJ APARTMENTS, KALKAJI EXT, NEW DELHI- 19 have changed my name to ? GURBANI KHARBANDA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, T MANISHA daughter of JC-442752Y Rank-NB SUB Name-T DILLESWARA RAO R/o 1-279, SINDULA VEEDHI, BATUPURAM, VAJRAPUKOTTURU, SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532219 have changed my name from T MANISHA to TAMADA MANISHA for all future purposes vide affidavit dated 10/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-16019533A Rank-NK Name-UMESH SINGH TOMAR R/o VILL-TEHRA, PO-GOHAD CHAURAHA, TEH-GOHAD, DIST-BHIND, M.P, PIN-477116 have changed my father's name from HOSHIAR SINGH to HOSHIYAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 10/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, PREM LATA wife of NO-16019533A Rank-NK Name-UMESH SINGH TOMAR R/o VILL-TEHRA, PO-GOHAD CHAURAHA, TEH-GOHAD, DIST-BHIND, M.P, PIN-477116 have changed my name from PREM LATA to PREMLATA DEVI for all future purposes vide affidavit dated 10/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-2897633H Rank-HAV Name-SANJAY KUMAR SINGH R/o VILL-GHOSAR, PO-NAYA GAON MUBARAKPUR, TEH / DISTT-HARDOI, UTTAR PRADESH, PIN-241001 have changed my mother's name from SAVTRI DEVI to SAVITRI SINGH for all future purposes vide affidavit dated 10/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SHIV LAL ASOPA S/O BHANWAR LAL ASHOPA residing at WARD NO-99, KALU BASS, DUNGARGARH, PO-SHRI DUNGARGARH, DISTT-BIKANER, RAJASTHAN-331803 have changed my name to SHIV PRASAD ASOPA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SONIYA KHARBANDA W/O BOBBY SINGH residing at POCKET A-8, HOUSE NUMBER 46, FIRST FLOOR , SWAPAN KUNJ APARTMENTS, KALKAJI EXT, NEW DELHI- 19 have changed my name to ?SONIA SINGH for all future purpose.

D.O.B. CHANGE

I, NO-15788525H Rank-L/HAV Name-BALARAM GHOSH R/o VILL-MERTALA, PO-MERTALA, TEH-KALNA, DISTT-BARDDHAMAN, WEST BENGAL-713513, in my service records my father's (ARABINDA GHOSH) date of birth wrongly mentioned as 19/03/1953 instead of his correct date of birth as 01/01/1958 vide affidavit dated 19/09/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, RAQEEMUDDIN S/O KALIMUDDIN R/O H.NO-RZB-305, NIHAL VIHAR, NANGLOI, WEST DELHI, DELHI-1110041 declare that name of mine has been wrongly written as RAKIMUDDIN in my minor son namely ADIB aged 16 year in his 10th class educational documents. The actual name of mine is RAQEEMUDDIN which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, JC-471771M Rank-SUB Name-MAHENDER SINGH R/O JAGRAMBASS, JAGRAMBASS (24), DALAWAS, BHIWANI, HARYANA-127308 have changed my daughter's name from ANCHAL to ANCHAL KUMARI for all future purposes vide affidavit dated 10/10/2024 before Notary Public, Delhi

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I TILO DEVI D/O Shyam Mahto W/O Manik chand R/O 1963, SOUTHERN SIDE OF MCD (P) SCHOOL A BLOCK ,PH -2 ,METRO VIHAR, HOLAMBI KALAN, DELHI-110082 Declare that name of mine and my husband has been wrongly written as Kamo devi and Manik Chand Raut in my Adhar card no 7954 6233 7644,The actual name of mine and my husband are TILO DEVI and MANIK CHAND which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, PUSPA DEVI mother of NO-2998643N Rank-CHM Name- SUDHIR SINGH residing at FARIDPUR, RANBIRPUR, PO-CHHIBRAMAU, DIST-KANNAUJ, UTTAR PRADESH-209721 have changed my name from PUSPA DEVI to PUSHPA DEVI for all future purposes vide affidavit dated 10/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ARCHANA wife of JC-462700K Rank-NB SUB Name- SALUNKHE RAMCHANDRA TANAJI R/o AT-GANESHWADI, PO-NAGTHANE, TEH-SATARA, DIST- SATARA, MAHARASHTRA-415519 have changed my name from ARCHANA to ARCHANA RAMCHANDRA SALUNKHE for all future purposes vide Affidavit Dated 10/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, BOBBY SINGH KHARBANDA S/O TARANJEET SINGH residing at POCKET A-8, HOUSE NUMBER 46, FIRST FLOOR , SWAPAN KUNJ APARTMENTS, KALKAJI EXT, NEW DELHI- 19 have changed my name to BOBBY SINGH for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

I, hitherto known as S KOCHADAI alias S KOCHHAR S/O SONI TEWAR R/O House No- 65, Post Office Mehrauli, Saidulajab, South Delhi, Delhi-110030, have changed my name and shall hereafter be known as S KOCHADAI.

PUBLIC NOTICE

I, Santosh Kumar S/o Jai Prakash Jha R/o H.no-52, Raksha enclave extn. gali no. ,6, Mohan Garden, Uttam Nagar, West Delhi -110059, Declare that Name of my Daughter Has been Wrongly Written as Shiwani in My PPO Record, PPO No. 23420200703, The Actual Name of my Daughter is Shivani Jha.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री मनमोहन गुप्ता सम्पूर्ण तीसरी मंजिल, जिसमें छत के अधिकार शामिल हैं, संपत्ति संख्या 340, जिसका क्षेत्रफल 208 वर्ग गज है, ब्लॉक श्व में, Greater Kailash Part-I, न्यू दिल्ली में, श्रीमती कुमुद बाजाज और श्रीमती शमा बाजाज से खरीदने का इरादा रखते हैं। सम्पूर्ण संपत्ति श्री रमेश चंदर गोसाईं द्वारा M/s. D.L.F. Housing & Construction Pvt. Ltd. से बिक्री विलेख के माध्यम से 15.05.1989 को खरीदी गई थी। इसके बाद, श्री रमेश चंदर गोसाईं ने 16.02.1996 को श्री सतीश चंदर गोसाईं, श्री हरिश गोसाईं, श्रीमती अंजू गोसाईं और श्रीमती रेनू सचदेवा के पक्ष में एक वसीयत बनाई। श्री रमेश चंदर गोसाईं का निधन 30.01.2004 को हो गया, और उनके पुत्र श्री अनिल कुमार गोसाईं का निधन 26.06.1995 को हो चुका था। दूसरे पुत्र श्री सतीश चंदर गोसाईं का निधन 14.09.2012 को हुआ, और वे अपनी कानूनी वारिसों श्रीमती रितु गोसाईं और श्रीमती शिल्पा दुग्गल को छोड़ गए। इसके बाद, श्रीमती राज रानी गोसाईं ने सम्पूर्ण संपत्ति में अपनी हिस्सेदारी को श्रीमती रितु गोसाईं और श्रीमती शिल्पा दुग्गल के पक्ष में 21.01.2020 को एक त्याग पत्र के माध्यम से छोड़ दिया। इसके अतिरिक्त, श्रीमती अंजू गोसाईं, श्री हरिश गोसाईं, श्रीमती रितु गोसाईं और श्रीमती शिल्पा दुग्गल ने सम्पूर्ण संपत्ति में अपनी हिस्सेदारी को श्रीमती रेनू सचदेवा के पक्ष में 24.01.2020 को एक त्याग पत्र के माध्यम से छोड़ दिया। इसके बाद, श्रीमती रेनू सचदेवा ने उक्त संपत्ति को श्रीमती कुमुद बाजाज और श्रीमती शमा बाजाज को 01.08.2024 को बिक्री विलेख के माध्यम से बेच दिया। उक्त मंजिल/संपत्ति को RBL बैंक, शाखा GP 3, UGF पिटामपुरा रोड, दिल्ली-110034 द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

भाजपा विधायक निखिल मदान ने की पूर्व व कार्यवाहक सीएम से मुलाकात

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत से नव निर्वाचित भाजपा विधायक निखिल मदान ने दिल्ली में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात कर भाजपा की प्रचंड जीत की शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही, उन्होंने भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान और सह प्रभारी बिप्लब देव से भी भेंट की। निखिल मदान ने सोनीपत की जनता को विश्वास जताने के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि चुनाव के दौरान उन्हें जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिला, जिसके कारण वे विधायक बने हैं। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि वे हमेशा उनके विश्वास पर खरा उतरेंगे और सोनीपत के विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। उनकी प्राथमिकताओं में सोनीपत तक मेट्रो कनेक्टिविटी, बस स्टैंड को शहर के बाहर ले जाना, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, नगर निगम का नया भवन पूरा करना, बरसाती पानी निकासी व्यवस्था सुधारना, और सफाई व्यवस्था बेहतर करना शामिल है। मदान ने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार होने से विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की सराहना की और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में हरियाणा विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

सरकारी कर्मियों को पदोन्नति के लिए पास करनी होगी लिखित परीक्षा

चंडीगढ़। सरकारी कर्मचारियों को पदोन्नति के लिए लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। मुख्य सचिव कार्यालय के मानव संसाधन विभाग की ओर से पदोन्नति के लिए लिखित परीक्षा का फ्रेम वर्क तैयार कर लिया गया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 16 अक्टूबर को बैठक होगी, जिसमें फ्रेम वर्क को मंजूरी दी जाएगी। सरकारी महकमों में ग्रुप-ए, बी और सी के पदों पर पदोन्नति के लिए लिखित परीक्षा की प्रक्रिया को पूरा करना होगा। मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से विभागीय पदोन्नति और प्रशासनिक कार्यों के त्वरित निपटान को लेकर लिखित परीक्षा का मसौदा तैयार किया गया है। मसौदे को तैयार करने के बाद कर्मचारियों से बाकायदा लिखित रूप में टिप्पणियां मांगी गई हैं। दरअसल, विभागीय श्रेणियों में पदोन्नति पाने के इच्छुक कर्मचारियों ने बिना किसी शर्त के पदोन्नति में लिखित परीक्षा के फ्रेम वर्क को लागू करने की स्वीकृति दी है। लिहाजा, 16 अक्टूबर को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभागीय कर्मचारियों की मौजूदगी में तैयार किए गए फ्रेम वर्क के हरके एजेंडे पर चर्चा की जाएगी। उपस्थिति विभागीय कर्मचारियों के अनुमोदन के बाद पदोन्नति में लिखित परीक्षा के फ्रेम वर्क को लागू करने को हरी झंडी दी जाएगी।

पलवल की मंडी में 2600 रुपए क्विंटल तक पहुंचा धान का दाम

पलवल। पलवल की अनाज मंडी में धान की आवक शुरू हो गई है। धान की खरीद को लेकर मार्किट कमेटी की तरफ से व्यापक इंतजाम किए गए है। धान की खरीद के लिए खरीद एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए है। धान की खरीद को लेकर मंडी में हेल्प डेस्क बनाई गई है। मंडी में फसल को लेकर आने वाले किसानों के गेट पास काटे जा रहे है। मंडी में बिजली व पानी की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा सफाई व्यवस्था को ठीक किया गया है। किसानों से अपील की गई है कि मंडी में फसल को सुखाकर व साफ कर लेकर आए। ताकि किसानों को फसल का उचित मूल्य मिल सके। उन्होंने बताया कि धान की समर्थन मूल्य 2320 रुपए निर्धारित किया गया है। मंडी में धान की खरीद के लिए डीएफएससी और वेयर हाउस को बनाया गया है। यह जानकारी मार्किट कमेटी के सचिव मनदीप सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए अवेयर किया जा रहा है। किसानों के ट्रैक्टर पर स्लोगन लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रदूषण होता है। किसान फसल अवशेष न जलाएं बल्कि फसल अवशेषों को उचित प्रबंध करें। किसान जितेंद्र ने बताया कि मंडी में धान की फसल को लेकर आए है।

खरखौदा क्षेत्र के विकास को लगेंगे पंख : पवन

सोनीपत। खरखौदा विधानसभा से नवनिर्वाचित विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि जो खरखौदा विधानसभा क्षेत्र में 10 वर्षों से विकास कार्यों पर ग्रहण लगा हुआ था। विकास कार्य को तीव्र गति से कराकर क्षेत्र की काया कल्प करके विकास कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अबकी बार क्षेत्र के मतदाताओं ने अपना आशीर्वाद देकर उन्हें विधायक बना कर सेवा का मौका दिया है। जो लोगों से वायदे किए हैं, वह उन्हें पूरा करके विकास कार्य करने में कोई कोताही नहीं बरतेंगे। अब खरखौदा में विधायक भी उनका है और प्रदेश में सरकार भी उन्हीं की है। कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी ने वायदा किया है कि खरखौदा के विकास कार्य के लिए जन सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर कराकर क्षेत्र वासियों को सुविधा देने का काम किया जाएगा। जिस तरह मतदाताओं ने विश्वास करके उन्हें विधायक बनाने का काम किया है। इस क्षेत्र में उनके सामने शहर व गांव में पानी निकासी, युवाओं के लिए रोजगार, सड़क गलियों का निर्माण व अन्य सुविधाएं प्रमुखता से करने की जिम्मेदारी है। जिन्हें शीघ्रता के साथ पूरा करने का काम किया जाएगा।

भाजपा के केन्द्रीय नेताओं ने की सावित्री जिंदल से मुलाकात, दी जीत की बधाई

एजेंसी

हिसार। हिसार से आजाद विधायक सावित्री जिंदल ने हरियाणा में भाजपा सरकार को समर्थन देने की ऐलान किया है। उन्होंने नई दिल्ली में अपने आवास पर मिलने आए भाजपा नेताओं से मुलाकात के बाद यह घोषणा की।

देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल हिसार से आजाद उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़कर विजयी हुई है। उनके दिल्ली स्थित आवास पर भाजपा के हरियाणा प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान, सह प्रभारी बिप्लब देब, वरिष्ठ नेता सुरेन्द्र नागर पहुंचे और उन्हें जीत की बधाई दी। इस दौरान सावित्री जिंदल के पुत्र एवं कुरूक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल भी मौजूद रहे। इस अवसर पर नवीन जिंदल ने कहा कि हिसार के विकास के लिए सावित्री जिंदल ने भाजपा को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि सावित्री जिंदल के लिए हिसार की जनता ने चुनाव लडा था, जिसमें जनता की जीत हुई। उन्होंने दावा किया कि भाजपा अब दिल्ली में भी सरकार बनाएगी। नवीन जिंदल ने कहा कि कांग्रेस अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ रही है, जो सही नहीं है।

पलवल में पराली जलाने पर चार किसानों को जुर्माना

एजेंसी

पलवल। पलवल में प्रशासन ने पराली जलाने वाले चार किसानों पर दस हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। प्रशासन ने पराली जलाने पर कौंडल गांव के किसान अमर सिंह और जयराम, लिखी गांव के किसान जितेंद्र और फास्टको नगर के किसान नानकचंद पर 2500-2500 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जिला उपायुक्त डॉ.हरीश कुमार वशिष्ठ ने किसानों से कहा कि फसल अवशेष विशेषकर पराली को जलाने की बजाए उसका सदुपयोग करना चाहिए। किसान फसल कटाई के बाद बचे फसल अवशेष से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि के तकनीकी युग में अब फसल अवशेष कमाई का साधन है और बहुत से किसान व लोग अब फसलों के अवशेष से अच्छी कमाई कर रहे हैं। ऐसे में किसान फसल अवशेष प्रबंधन करके अपनी आर्थिक स्थिति को और अधिक मजबूत कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया जाए। डीसी ने धान की कटाई के बाद फसल अवशेष व पराली जलाने पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं।

सुदेश कटारिया बने केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय में चीफ मीडिया एडवाइजर

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रदेश में भाजपा की हैट्रिक और दलितों को पार्टी के पक्ष में एकजुट करने वाले हरियाणा के दलित नेता सुदेश कटारिया अब केंद्र के ऊर्जा विभाग में चीफ मीडिया ओएसडी ओहदा संभालेंगे। इससे पहले वह प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री नायब सैनी के चीफ मीडिया कोऑर्डिनेटर का काम संभाल चुके हैं। केंद्र सरकार की ओर से सुदेश कटारिया को केंद्रीय ऊर्जा विभाग में चीफ मीडिया ओएसडी नियुक्त किया है। नई नियुक्ति पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से जो जिम्मेवारी उन्हें सौंपी गई है, वे उसे पूरी निष्ठा व कर्मठता के साथ निभाएंगे। इससे पहले भी पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री नायब सैनी ने उन भरोसा जताया था, जिस पर वे खरे उतरे हैं। पार्टी और सरकार की ओर से जो

भूमिका उन्हें सौंपी गई, उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाया है। केंद्रीय ऊर्जा विभाग में चीफ मीडिया ओएसडी की नई नियुक्ति पर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने सुदेश कटारिया को बधाई दी और देशभर में ऊर्जा विभाग की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने और नई योजनाओं पर तेजी से काम करने को लेकर निर्देश दिए। सुदेश कटारिया ने भाजपा की हैट्रिक में प्रदेश के 21 फीसदी दलितों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चुनाव के दौरान दलितों को भाजपा के पक्ष में एकजुट करने में प्रदेश भर में 22 जिला स्तरीय दलित सम्मेलन किए गए और कुरुक्षेत्र के उमरी में राज्य स्तरीय दलित स्वाभिमान संकल्प सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें दलितों ने संकल्प कलश हाथ में लेकर भाजपा में अपना योगदान देने का संकल्प लिया था।

पटाखों की बिक्री व इस्तेमाल पर रोक,ग्रीन पटाखे चलाने की समय सीमा तय

झज्जर। जिलाधीश कैप्टन शक्ति सिंह ने झज्जर जिला की सीमा में वायु प्रदूषण की रोकथाम को लेकर प्रदूषण फैलाने वाले कारकों की पहचान कर सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आमजन से इन नियमों का पालन करते हुए प्रदूषण नियंत्रण में सहभागी बनने का आहवान किया है।

जिलाधीश कैप्टन शक्ति सिंह ने झज्जर की सीमा में 22 अक्टूबर से 31 जनवरी 2025 तक की अवधि के लिए ग्रीन पटाखों को छोड़कर (श्रृंखला पटाखे या लारी) और सभी प्रकार के पटाखों के निर्माण, बिक्री, फोडने और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। जारी आदेशों के मुताबिक दिवाली पर्व और गुरु नानक देव प्रकाश पर्व पर दो घंटे और क्रिसमस व नववर्ष पर केवल 35 मिनट आतिशबाजी की जा सकेगी। इस दौरान भी केवल ग्रीन पटाखे जलाए जा सकते हैं। जिला प्रशासन की ओर से प्रदूषण की समस्या को ध्यान में रखते हुए पटाखों की बिक्री, बनाने और उनके इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। केवल ग्रीन पटाखे जलाने की ही अनुमति दी गई है। प्रदूषण को बढ़ावा देने में पटाखों की भी अहम भूमिका है। वायु प्रदूषण के कारण श्वसन और हृदय रोग जैसी कई बीमारियों को बढ़ावा मिलता है।

बुजुर्गों और छोटे बच्चों को भी सर्दी के मौसम में प्रदूषण के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सर्दियों के दौरान विशेषकर अक्टूबर से जनवरी के महीनों में वायु प्रदूषण में वृद्धि एक गंभीर स्वास्थ्य चिंता का विषय है। सर्दियों के दौरान होने वाली विभिन्न घटनाएं क्षेत्र में वायु प्रदूषण के स्तर को बढ़ाती हैं। दिवाली के दिन या किसी अन्य त्योहार जैसे गुरु पर्व आदि पर दो घंटे रात 8 से 10 बजे तक आतिशबाजी कर सकेंगे। वहीं, क्रिसमस और नए साल की पूर्व संध्या पर रात 11.55 से 12.30 बजे तक आतिशबाजी की अनुमति होगी। वहीं फ्लिपकार्ट, अमेजन आदि ई-कॉमर्स कंपनियां पटाखों के किसी भी ऑनलाइन ऑर्डर को स्वीकार नहीं करेंगी। आदेशों का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता, विस्फोटक अधिनियम 1884 और विस्फोटक नियम, 2008 की सुसंगत धाराओं के अनुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधीश ने हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी को नियमित रूप से वायु गुणवत्ता की निगरानी करने और सर्वोच्च न्यायालय व केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशों के अनुसार संबंधित वेबसाइटों पर डाटा अपलोड करने के आदेश दिए हैं। रोक को लागू करने के लिए विभिन्न अधिकारियों की टीमें बनाई गई हैं।

दशहरे के बाद होगा हरियाणा सरकार का शपथ ग्रहण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में दशहरे के बाद नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा। इसके बावजूद पार्टी की तरफ से नई सरकार तथा नई कैबिनेट के गठन को लेकर मंथन शुरू हो गया है। इस बीच चुनाव जीतने वाले हैवीवेट नेताओं ने दिल्ली दरबार में लॉबिंग शुरू कर दी है। कई विधायक आज शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात के बहाने दिल्ली भी पहुंच गए। मुख्यमंत्री और उनके कैबिनेट मंत्रियों के शपथ ग्रहण कार्यक्रम से पहले भाजपा विधायक दल की बैठक में नए नेता का चुनाव किया जाएगा। इसके लिए नायब सैनी दिल्ली भी गए हैं। हाईकमान की ओर से नायब सिंह सैनी को ही मुख्यमंत्री बनाने को लेकर हरी झंडी दी जा चुकी है लेकिन औपचारिक प्रक्रिया में फिर से उनके नाम का चयन किया जाएगा। नई सरकार में मंत्री बनने के लिए विधायकों में भागदौड़ शुरू हो गई है। अधिकांश पुराने मंत्रियों के चुनाव हारने से अब नए लोगों को मौका मिलने की उम्मीद है। चुनाव के नतीजे आने के बाद केंद्रीय मंत्री

मनोहर लाल खट्टर के दिल्ली निवास पर कई नेताओं का जमावड़ा लग गया है। भाजपा के हरियाणा चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और सह प्रभारी बिप्लव देब ने मनोहर लाल खट्टर के साथ बैठकर रणनीति तैयार की है। इस बैठक में मंत्रियों के नामों सहित अन्य मामलों पर चर्चा की गई। नई सरकार में मुख्यमंत्री के साथ दो डिप्टी सीएम बनाए जाने की चर्चा शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि वरिष्ठता के आधार पर पूर्व गृह मंत्री अनिल विज और एक ब्राह्मण विधायक को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। विज पहले ही मुख्यमंत्री बनने का दावा पेश कर चुके हैं। नई सरकार में भाजपा के कई नए चेहरे शामिल हो सकते हैं। पुराने चेहरों में पूर्व गृह मंत्री अनिल विज, मूलचंद शर्मा और महिपाल ढांडा का नाम तो लगभग तय है। नए चेहरों में जातीय और क्षेत्रीय तौर पर फरीदाबाद से विपुल गोयल, भिवानी से घनश्याम सर्राफ, बादशाहपुर से राव नरवीर, इसराना से कृष्ण लाल पंवार, नरवाना से कृष्ण कुमार बेदी, राई से कृष्णा गहलावत, जींद से डॉ. कृष्ण मिड्डा, गोहाना से डॉ. अरविंद शर्मा और यमुनानगर से घनश्याम अरोड़ा का नाम चर्चा में आ गए हैं। करनाल के घरौंडा से विधायक हरविंदर कल्याण को विधानसभा स्पीकर बनाए जाने की चर्चाएं हैं। पूर्व डिप्टी स्पीकर रणवीर गंगवा को अहम जिम्मेदारी मिल सकती है।

इस बीच पत्रकारों से बातचीत में मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हम यहां सीएम चेहरा और शपथ पर कोई चर्चा नहीं कर रहे हैं। यह सब दशहरे के बाद तय किया जाएगा। सीएम चुनने के लिए दशहरे के बाद मीटिंग होगी। नई सरकार में कौन मंत्री होगा, किसको कब शपथ दिलाई जाएगी, यह सब पार्टी हाईकमान तय करेगी।

हरियाणा के सीईओ ने विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों की सूची राज्यपाल को सौंपी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) पंकज अग्रवाल ने राजभवन में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को हरियाणा की नई विधानसभा के विधिवत गठन की सूची सौंपी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अग्रवाल के साथ हेमा शर्मा और प्रशांत पवार, अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा, एसबी जोशी, प्रधान सचिव, भारत चुनाव आयोग, केपी सिंह, सचिव, मौजूद थे।

इनके अलावा भारत निर्वाचन आयोग महिंदर डोगरा, अनुभाग अधिकारी, भारत निर्वाचन आयोग, और राकेश कालरा, संपर्क अधिकारी, सीईओ कार्यालय, हरियाणा और राज्यपाल के सचिव अतुल द्विवेदी भी उपस्थित रहे।

बरोदा से हारे प्रत्याशी ने जताया कार्यकर्ताओं का आभार

सोनीपत। भाजपा के बरोदा विधान सभा क्षेत्र से उम्मीदवार रहे प्रदीप सांगवान ने जींद रोड़ गोहाना स्थित भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया और कहा कि सरकार आपकी बनी है हम कुछ पीछे रह गए आगे और मेहनत करेंगे। सांगवान ने कहाकि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं, सबने चुनाव के समय दिन रात मेहनत की। मेरे घर के दरवाजे 24 घंटे हमेशा सभी के लिए खुले रहेंगे।

हलके की समस्याओं के निदान करवाने के लिए कोई कमी नहीं रहने दूंगा। मैं भाजपा के नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ हलके के सभी गांव में जाकर सबका धन्यवाद करूंगा। जिला पार्षद तकदीर नरवाल, एडवोकेट वजीर सिंह नरवाल, अजीत सांगवान, आजाद सिंह जागसी, डा.राममेहर राठी, हुक्म चंद लाठवाल, जितेंद्र शर्मा, महेंद्र चिड़ाना, सूरत सिंह, सत्यवान आर्य, मंगली राम, सुरेंद्र पूनिया, शीतल, जयभगवान शर्मा, दारा सिंह नैन, रविंद्र मोर, सतपाल लठवाल आदिउपस्थितरहे।

आदमपुर के विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी : कुलदीप बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि कुछ गांवों और मंडी आदमपुर से उम्मीद के मुताबिक कम मत मिलने की वजह से कुछ वोटों के अंतर से हम चुनाव नहीं

जीत पाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि मायूस होने की जरूरत नहीं है। चुनाव में हार-जीत चलती रहती है। कुलदीप बिश्नोई व भव्य बिश्नोई आदमपुर आवास पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात करके चुनाव परिणामों पर चर्चा कर रहे थे। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है और आदमपुर के विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। हमने सदैव आदमपुर को परिवार माना है और आगे भी परिवार की तरह ही आदमपुर की सेवा करते रहेंगे। भव्य बिश्नोई ने कहा कि आदमपुर की जनता का हर आदेश सिर माथे है। उन्होंने कहा कि आदमपुर हलके के मेरे परिवार के लोगों का व सभी कार्यकर्ताओं का मैं आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस चुनाव में जी तोड़ मेहनत की। चुनाव में हार-जीत होती रहती है। आपकी सेवा करने के लिए मुझे किसी पद की आवश्यकता नहीं है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि पिछले 56 सालों की तरह आगे भी एक परिवार की तरह आदमपुर की सेवा करता रहूंगा। उन्होंने चन्द्रप्रकाश को बधाई देते हुए कहा कि आदमपुर के हमारे परिवार को जो उम्मीदें उनसे हैं वे उन पर खरा उतरें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने दिन-रात मेहनत की, जिसके लिए वे उनके आभारी हैं।

रेड जोन वाले गांवों में फसल अवशेष शून्य होने पर मिलेगी एक लाख प्रोत्साहन राशि

एजेंसी

जींद। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने किसानों से आह्वान किया कि फसल अवशेष जलाने से भूमि की उपजाऊ शक्ति के साथ-साथ भूमि की ऊपरी सतह पर उपस्थित लाभदायक जीवाणु नष्ट हो जाते हैं व हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है। पराली जलाने से भूमि के पोषक तत्वों में नाइट्रोजन, सल्फर, पोटाश व ऑर्गेनिक कार्बन की भी हानि होती है। जिससे पर्यावरण दूषित होता है तथा मानव जीवन विशेषकर बच्चों व बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

इन सभी घटनाओं से जिला का क्षेत्र ही नहीं अपितु आसपास 200-250 किलोमीटर का पर्यावरण भी श्वास लेने योग्य नहीं रहता तथा आसपास की हवा की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है जो कि हानिकारक है। उन्होंने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा फसल अवशेष न जलाने के लिए प्रोत्साहन राशि देने की भी घोषणा की हैं। 13 रेड जोन वाले गांवों में फसल अवशेष शून्य होने पर मिलेगी एक लाख प्रोत्साहन राशि जिला के 13 रेड जोन वाले गांवों में फसल अवशेष को जलाने की घटनाओं को शून्य करने पर

संबंधित ग्राम पंचायत को एक लाख रुपये तथा येलो जोन वाले 58 गांवों में ग्राम पंचायत को 50 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। हम सभी को इस दिशा मे सकारात्मक कदम उठाने चाहिए।

हार-जीत जिंदगी का खेल, रोहतक में तेजी से होगे रिकार्ड तोड विकास कार्य : मनीष ग्रोवर

एजेंसी

रोहतक। रोहतक विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार मनीष ग्रोवर ने कैंप आफिस में विधानसभा चुनाव के आए नजीतों को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कार्यकर्ताओं व रोहतक की जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि हर वर्ग के समर्थन से प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है, जोकि अपने आप में एक रिकार्ड है। साथ ही उन्होंने कहा कि हार-जीत जिंदगी का खेल है और वह चुनाव जरूर हारे है, लेकिन हौसला नहीं और रोहतक में तेजी से विकास कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कांग्रेस विधायक भारत भूषण बतरा को भी जीत की बधाई दी। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष ग्रोवर ने पूर्व सीएम हुड्डा पर भी निशाना साधा और कहा कि हुडा ने झूठ बोलकर लोगों को बरगलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में भी कांग्रेस ने झूठ बोला था और अब विधानसभा चुनाव में भी झूठ का सहारा लिया गया, लेकिन प्रदेश की जनता पहले ही समझ गई थी कि कांग्रेस झूठ बोल रही है और इसी लिए भाजपा के पक्ष में मतदान कर पूर्ण बहुमत से प्रदेश में तीसरी बार

सरकार बनाई। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो भी संकल्प पत्र में वायदे किए है, वह जरूर पूरे किए जाएंगे। साथ ही रोहतक में भी तेजी से विकास कार्य करवाए जाएंगे। ग्रोवर ने कहा कि जनता जनार्दन होती है और जनता ने अपना आशीर्वाद भाजपा को दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने झूठ का प्रचार प्रसार कर तरह तरह के हथकंडे अपनाए, लेकिन जनता ने आईना दिखा दिया। भाजपा की बिना खर्ची पर्ची के युवाओं को मैरिट के आधार पर नौकरियां देना, किसानों की फसलों को एमएसपी पर खरीदना व घर बैठे लोगों को सरकारी योजनाओंका लाभ पहुंचाने जैसी नीतियों पर लोगों ने अपना विश्वास जताया है। ग्रोवर ने दावा किया कि रोहतक के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी और इसके लिए एक प्रोजेक्ट भी तैयार कर सरकार को भेजा जाएगा। इस अवसर पर सतीश नांदल, डॉ. आदित्य बतरा, राजकमल सहगल, मनोज मकड, कपिल नागपाल, अशोक सहगल, सुरेश मुंजाल प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

गुरुग्राम जिले में 22 अक्टूबर से 31 जनवरी तक बंद रहेगी पटाखों की बिक्री

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिला में 22 अक्टूबर से 31 जनवरी तक वायु गुणवत्ता को बरकरार रखने के लिए बेरियम साल्ट वाले पटाखों के उत्पादन, बिक्री व पटाखे बजाने पर रोक लगा दी है। केवल दीवाली, गुरू पर्व और क्रिसमिस के दिन सीमित समय में ग्रीन पटाखे बजाए जा सकते हैं। जिलाधीश निशांत कुमार यादव ने जारी किए गए अपने आदेश में कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के एक निर्णय के अनुसार अधिक मात्रा में पटाखे बजाने से वातावरण दूषित हो सकता है। जिससे श्वांस के रोगियों को भारी तकलीफ होती है। सरकार के दिशा-निर्देश व हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सुझाव पर अमल करते हुए वायु प्रदूषण को नियंत्रित रखने के लिए पटाखों की बिक्री व उत्पादन पर प्रतिबंध लगाया जाता है, जो कि 22 अक्टूबर से 31 जनवरी, 2025 तक लागू रहेगा। इस दौरान दीवाली और गुरूपर्व के दिन रात को आठ से दस बजे तक ग्रीन

crackers
banned

पटाखे बजाए जा सकते हैं। इसी प्रकार क्रिसमिस से एक दिन पहले रात को 11.55 से 12.30 बजे तक ये ग्रीन पटाखे बजाए जा सकते हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, विस्फोटक अधिनियम के तहत जारी किए आदेश में जिलाधीश ने कहा है कि जोर की आवाज करने वाले पटाखे तथा पटाखों की लड़ियां आदि के उत्पादन तथा बेचने पर रोक रहेगी। पटाखों की वजह से वायु प्रदूषण इंडेक्स 2.5 से दस प्वाईंट तक बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी वायु इंडेक्स पर निगरानी रखेंगे। पुलिस, नगर निगम, अग्निशमन व पंचायत विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि बाजारों में पटाखों की बिक्री ना हो और कहीं पर भी फैक्ट्री में पटाखे न बनाए जाएं।

रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी ग्रोथ 7.2 फीसदी रहने का जताया अनुमान

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई गवर्नर ने 7 अक्टूबर से शुरू तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समीति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में लिए गए इस फैसले की जानकारी दी। शक्तिकांत दास ने बैठक के बाद मीडिया को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में वास्तविक जीडीपी में वृद्धि 6.7 फीसदी हुई है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि घरेलू मांग में सुधार, कच्चे माल की कम लागत और सरकारी नीतियों से विनिर्माण क्षेत्र में आ रही तेजी की वजह से चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति ने ब्याज दर को यथावत रखने के पक्ष में 5:1 के बहुमत से फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि एमपीसी के सदस्यों ने उम्मीद जताई है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.2 फीसदी की दर से बढ़ेगी। दूसरी तिमाही के लिए जीडीपी ग्रोथ का लक्ष्?य 7.2 फीसदी से घटाकर सात फीसदी किया गया है, जबकि तीसरी तिमाही के लिए अनुमान को 7.3 फीसदी से बढ़ाकर 7.4 फीसदी किया गया है। इसके अलावा चौथी तिमाही के लिए 7.4 फीसदी और अगले वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के लिए 7.3 फीसदी कर दिया गया है।

अब यूपीआई लाइट के जरिए एक बार में होगा एक हजार रुपये का भुगतान

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) की बढ़ती लोकप्रियता को बढ़ावा देने के मकसद से यूपीआई लाइट के जरिए लेन-देन की सीमा बढ़ाकर एक हजार रुपये और वॉलेट की सीमा 5 हजार रुपये करने का प्रस्ताव किया है। फिलहाल यूपीआई लाइट के जरिए लेन-देन की सीमा 500 रुपये और 2 हजार रुपये है। आरबीआई इस बारे में जल्दी ही दिशा-निर्देश जारी करेगा। तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा में लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि लगातार नवोन्मेष और स्वीकार्यता के साथ यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को आसान और समावेशी बनाकर देश के वित्तीय परिदृश्य को बदल दिया है। उन्?होंने कहा कि ऑफलाइन डिजिटल माध्यम से छोटे मूल्य के भुगतान की सुविधा के लिए यूपीआई लाइट से जुड़ी आरबीआई की रूपरेखा में उपयुक्त संशोधन किया जाएगा। इसके अलावा 'यूपीआई 123 पे' की सुविधा अब 12 भाषाओं में उपलब्ध होगी। शक्तिकांत दास ने आगे कहा कि यूपीआई के उपयोग को और प्रोत्साहित करने तथा और समावेशी बनाने को लेकर यूपीआई 123 पे में प्रति लेन-देन की सीमा 5 हजार रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये करने का प्रस्ताव किया गया है।

वित्तीय अनुशासन को लेकर आरबीआई गंभीर, दिसंबर में हो सकता है ब्याज दरों में कटौती का फैसला

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उम्मीद के अनुरूप लगातार 10वीं बार नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। माना जा रहा है कि आरबीआई ब्याज दरों में बदलाव या कमी करने के पहले सितंबर और अक्टूबर के महंगाई के आंकड़ों की भी समीक्षा करेगा। इन दोनों महीनो में भी अगर महंगाई के आंकड़े अनुकूल रहे, तो दिसंबर के महीने में होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला लिया जा सकता है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) ने पिछले महीने ही ब्याज दरों में 50 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की थी। यूएस फेड ने इस साल ब्याज दरों में और 50 बेसिस पॉइंट्स तक की कटौती करने का भी संकेत दिया है। अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती होने के बाद दुनिया के कई देशों में ब्याज दरों में कटौती की गई या राहत पैकेज का ऐलान किया गया। चीन ने हाल में ही राहत पैकेज का ऐलान किया है। इसी तरह न्यूजीलैंड में कल ही ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की कटौती करके उनको 5.25 प्रतिशत से 4.75 प्रतिशत के स्तर पर लाया गया है। न्यूजीलैंड में अगस्त के महीने में भी ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती की गई थी। यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने के बाद भारत में भी ब्याज दरों में कटौती होने की चर्चा शुरू हुई थी, लेकिन मिडिल ईस्ट के बढ़ते तनाव और वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी उथल-पुथल की वजह से शुरुआती चर्चा के दौरान ही ब्याज दरों में कटौती होने की संभावना को खारिज कर दिया गया।

चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर सख्ती, सेबी ने ठोका जुर्माना

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने ब्रोकरेज फर्म चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर निर्धारित नियमों का पालन नहीं करने के आरोप में 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी के आदेश के मुताबिक चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग ने एक्सचेंज को ऑथराइज्ड पर्सन (एपी) से जुड़े क्लाइंट्स की सही जानकारी नहीं दी। बताया गया है कि ब्रोकरेज के ऑथराइज्ड पर्सन और क्लाइंट के बीच तीन मामलों में एपी सर्विसेज के लिए फंड की लेनदेन हुई। इस दौरान एपी टर्मिनल्स का इस्तेमाल अनऑथराइज्ड लोगों द्वारा किया गया। सेबी के आदेश में जांच के परिणामों की जानकारी देते हुए बताया गया है कि ब्रोकरेज फर्म के ऑथराइज्ड पर्सन्स में से एक ने एक्सचेंज को 226 क्लाइंट्स की जानकारी नहीं दी, जबकि दूसरे ने 118 क्लाइंट्स की और तीसरे ने 7 क्लाइंट्स की जानकारी एक्सचेंज को उपलब्ध नहीं कराई।

चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर सख्ती, सेबी ने ठोका जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने ब्रोकरेज फर्म चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर निर्धारित नियमों का पालन नहीं करने के आरोप में 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी के आदेश के मुताबिक चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग ने एक्सचेंज को ऑथराइज्ड पर्सन (एपी) से जुड़े क्लाइंट्स की सही जानकारी नहीं दी। बताया गया है कि ब्रोकरेज के ऑथराइज्ड पर्सन और क्लाइंट के बीच तीन मामलों में एपी सर्विसेज के लिए फंड की लेनदेन हुई। इस दौरान एपी टर्मिनल्स का इस्तेमाल अनऑथराइज्ड लोगों द्वारा किया गया।

सेबी के आदेश में जांच के परिणामों की जानकारी देते हुए बताया गया है कि ब्रोकरेज फर्म के ऑथराइज्ड पर्सन्स में से एक ने एक्सचेंज को 226 क्लाइंट्स की जानकारी नहीं दी, जबकि दूसरे ने 118 क्लाइंट्स की और तीसरे ने 7 क्लाइंट्स की जानकारी एक्सचेंज को उपलब्ध नहीं कराई। सेबी की जांच में इस बात का भी पता चला कि ब्रोकरेज फर्म के ऑथराइज्ड पर्सन्स में से एक ग्रो कैपिटल फाइनेंस सर्विसेज अपने क्लाइंट को फंड ट्रांसफर कर रहा था। हालांकि ब्रोकरेज फर्म की ओर से सफाई दी गई कि फंड ट्रांसफर का ये काम ऑथराइज्ड पर्सन ने पर्सनल कैपेसिटी में क्लाइंट के साथ किया था, जिसके लिए ब्रोकरेज फर्म को जिम्मेदार नहीं माना जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि सेबी के नियमों के तहत ऑथराइज्ड पर्सन को क्लाइंट के फंड और सिक्योरिटीज की किसी भी पेमेंट या डिलीवरी को स्वीकार करने से रोका गया है। इस नियम में कहा गया है कि ऑथराइज्ड पर्सन क्लाइंट से कोई भी फंड या सिक्योरिटीज कलेक्ट नहीं करेगा और एजेंट के रूप में मेंबर की ओर से दी गई सर्विसेज के लिए क्लाइंट से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कोई भुगतान या राशि नहीं लेगा। सेबी ने अपनी जांच में इसी नियम के उल्लंघन के कारण चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर दंडात्मक कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया है।

आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर 34.84 लाख से अधिक ऑडिट रिपोर्ट दाखिल

सत्यमेव जयते
कोष मूलो दण्डः
INCOME TAX DEPARTMENT

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर नियत तिथि के अंत तक 34.09 लाख टैक्स ऑडिट रिपोर्ट (टीएआर) सहित 34.84 लाख से ज्यादा ऑडिट रिपोर्ट दाखिल की गई हैं। यह पिछले वित्त वर्ष में दाखिल टीएआर के मुकाबले 4.8 फीसदी अधिक है। आयकर विभाग ने एक्स पोस्ट में कहा कि आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर आकलन वर्ष 2024-25 के लिए 7 अक्टूबर, 2024 तक 34.09 लाख टैक्स ऑडिट रिपोर्ट (टीएआर) सहित 34.84 लाख से अधिक ऑडिट रिपोर्ट दाखिल की गई हैं। आकलन वर्ष 2023-24 के लिए नियत तिथि पर फाइलिंग टीएआर की तुलना में आकलन वर्ष 2024-25 के लिए टीएआर फाइलिंग में 4.8 फीसदी का इजाफा हुआ है, जो उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। आयकर विभाग ने समय पर टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने के लिए करदाताओं और कर पेशेवरों द्वारा समय पर अनुपालन के लिए उनकी सराहना करने के साथ-साथ उनका आभार भी व्यक्त किया है।

देश के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में टॉप पर मुकेश अंबानी, अडाणी दूसरे स्थान पर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के सबसे अमीर उद्योगपतियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी लगातार पहले पायदान पर बने हुए हैं। फोर्ब्स द्वारा जारी देश के 100 सबसे धनी उद्योगपतियों की सूची में दूसरे स्थान पर अडाणी ग्रुप के प्रमुख गौतम अडाणी का नाम है। फोर्ब्स की इस सूची की जो सबसे अहम बात है, वो ये कि देश के सौ सबसे धनी लोगों की संपत्ति पहली बार कुल मिलाकर एक ट्रिलियन डॉलर के स्तर को पार कर गई है।

फोर्ब्स की सूची के अनुसार मुकेश अंबानी कमाई के मामले में दुनिया के दूसरे सबसे लाभ बड़े लाभार्थी बने हैं, जिनकी संपत्ति पिछले 1 साल में 27.5 बिलियन डॉलर बढ़कर 119.5 बिलियन डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई। हालांकि शेयर बाजार में आए उतार-चढ़ाव की वजह से उनका मौजूदा नेटवर्थ 108.3 बिलियन डॉलर का है। फोर्ब्स का दावा है कि इस नेटवर्थ के साथ मुकेश अंबानी फिलहाल दुनिया के 13 सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। हालांकि एक अन्य एजेंसी ब्लूमबर्ग के बिलियनरीज इंडेक्स ने मुकेश अंबानी को दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में 14वें स्थान पर रखा है।

फोर्ब्स के मुताबिक भारत के अमीर उद्योगपतियों की लिस्ट में 116 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ गौतम अडानी परिवार (संयुक्त संपत्ति) दूसरे स्थान पर, 73.7 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ सावित्री जिंदल परिवार तीसरे स्थान पर, 40.2 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ शिव नाडार चौथे स्थान पर और 32.4 डॉलर बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दिलीप सांघवी परिवार पांचवें स्थान पर हैं। इसके अलावा राधाकृष्ण दामानी परिवार, सुनील मित्तल परिवार, कुमार मंगलम बिड़ला, साइरस पूनावाला और बजाज परिवार सबसे अमीर उद्योगपतियों की सूची में टॉप 10 में शामिल हैं। फोर्ब्स की रिपोर्ट में विशेष रूप से बताया कि देश में पहली बार सौ सबसे अमीर लोगों की संपत्ति कुल मिलाकर एक ट्रिलियन डॉलर के स्तर को पार कर गई है। फिलहाल इन सौ लोगों की कुल संपत्ति 1.1 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। उद्योगपतियों की संपत्ति में आई हुई इस बढ़ोतरी के लिए फोर्ब्स ने शेयर बाजार में आई जोरदार तेजी को प्रमुख वजह बताया है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, 760 रुपये तक सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। नवरात्रि के दौरान घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट लगातार जारी है। आज सोना की कीमत में 700 से 760 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण आज देश के अधिकांश सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 77 हजार के स्तर से नीचे गिर कर 76,830 रुपये से लेकर 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 70,440 रुपये से लेकर 70,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज बड़ी गिरावट आई है। इस गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज 93,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 76,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 76,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 76,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 76,730 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 76,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी गिरावट आने की वजह से सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 70,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

चुनिंदा शेयरों में बिकवाली से गिरा शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति का ब्याज दरों को लेकर फैसला आने के बाद बाजार में तेजी का रुख बना लेकिन दोपहर बाद चुनिंदा शेयरों में हुई जोरदार बिकवाली के कारण शेयर बाजार लाल निशान में गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.21 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में आईटी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसके अलावा रियल्टी, फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, टेक और पीएसई इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। एनर्जी, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस, बैंकिंग और मेटल सेक्टर के शेयरों में दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.21 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया।आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब तीन लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 462.47 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 459.50 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.97 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,049 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,716 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,237 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 96 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,510 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,708 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 802 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 319.77 अंक की तेजी के साथ 81,954.58 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में ये सूचकांक गिर कर 81,692.46 अंक तक आ गया। हालांकि इसके बाद आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने का ऐलान करने और भविष्य में ब्याज दरों में कमी करने का संकेत दिए जाने के कारण बाजार में उत्साह का माहौल बन गया, जिससे इस सूचकांक ने रफ्तार पकड़ ली। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 684.40 अंक की तेजी के साथ आज के सर्वोच्च स्तर 82,319.21 अंक तक पहुंच गया। बाजार की ये तेजी अधिक देर तक नहीं टिक सकी। दिन के दूसरे कारोबारी सत्र में चुनिंदा शेयरों में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 1 हजार अंक टूट कर 291.92 अंक की कमजोरी के साथ 81,342.89 अंक तक गिर गया।

टीसीआईएल सीएमडी ने ज्योतिरादित्य को 33.72 करोड़ रुपये का लाभांश का चेक सौंपा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी टेलीकम्युनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (टीसीआईएल) ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत सरकार को 33.72 करोड़ रुपये का लाभांश दिया है। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजीव कुमार ने दूरसंचार विभाग (डीओटी) के सचिव डॉ. नीरज मित्तल की उपस्थिति में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया को यह चेक प्रदान किया। संचार मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि टीसीआईएल के सीएमडी ने केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया को वित्?त वर्ष 2023-24 के लिए 33.72 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपा है। मंत्रालय ने कहा कि इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की 14.19 करोड़ रुपये के लाभांश की तुलना में 137 फीसदी की वार्षिक वृद्धि है। मंत्रालय के मुताबिक टीसीआईएल में सरकार की शत प्रतिशत हिस्सेदारी है। अगस्त 1978 में स्थापित टेलीकम्युनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड दूरसंचार विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करती है। मिनिरत्न पीएसयू के रूप में स्थापित यह कंपनी पिछले कई वर्षों से लगातार लाभ में बनी हुई है, जो उसके वित्तीय मजबूती और स्थिरता को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि टीसीआईएल सबसे विविधतापूर्ण पीएसयू कंपनी में से एक है, जो भारत और विदेशों में दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही है। इसने दुनियाभर के 70 से अधिक देशों में परियोजनाओं को क्रियान्वित किया है। इसके विदेशी परिचालन वर्तमान में सऊदी अरब, कुवैत, ओमान, मॉरीशस और नेपाल में हैं।

इसके अलावा 15 से अधिक अफ्रीकी देशों में चल रही प्रतिष्ठित पैन अफ्रीका ई-विद्या भारती और आरोग्य भारती नेटवर्क परियोजना भी शामिल है।

क्यूआईपी के जरिए 2 अरब डॉलर जुटाएगी अडाणी एंटरप्राइजेज, बड़े निवेशकों से शुरू हुई बातचीत

एजेंसी

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी एनर्जी सॉल्यूशन के बाद अब ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज भी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के जरिए 2 अरब डॉलर यानी करीब 16 हजार करोड़ रुपये जुटाने जा रही है। इसके पहले जुलाई के महीने में अडाणी ग्रुप की ट्रांसमिशन और इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस भी 100 करोड़ डॉलर का क्यूआईपी ला चुकी है। बताया जा रहा है कि अडाणी एंटरप्राइजेज के प्रस्तावित क्यूआईपी के लिए कंपनी अबूधाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी जैसे सॉवरेन वेल्थ फंड्स समेत कई बड़े निवेशकों से बातचीत कर रही है। ये इश्यू इस महीने के अंत तक आ सकता है। हालांकि, इस बात की भी जानकारी मिल रही है कि निवेशकों से बातचीत पूरी हो जाने और इश्यू के सब्सक्रिप्शन की बात पक्की हो जाने के बाद ही अडाणी एंटरप्राइजेज क्यूआईपी को लॉन्च करेगी।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार क्यूआईपी के जरिए जुटाई जाने वाली राशि का इस्तेमाल कैपिटल एक्सपेंडिचर के साथ-साथ अडाणी एंटरप्राइजेज अपने पुराने कर्जों को चुकाने में करेगी। इसके साथ ही अडाणी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनियों (सब्सिडियरीज) के वित्त पोषण में भी इस पैसे का इस्तेमाल किया जाएगा। कंपनी के बोर्ड ने मई के महीने में ही क्यूआईपी के जरिए 16 हजार करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दी थी। अडाणी एंटरप्राइजेज इसके पहले नॉन कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) के जरिये भी कुछ दिन पहले ही रिटेल मार्केट से 800 करोड़ रुपये जुटाए थे। कंपनी सितंबर के महीने में पहली बार एनसीडी मार्केट में उतरी थी और एनसीडी के जरिए रिटेल इन्वेस्टर्स से 800 करोड़ रुपये जुटाए थे। इस एनसीडी की परिपक्वता अवधि 2 से लेकर 5 साल तक की है। इन पर 9.25 प्रतिशत से लेकर 9.90 प्रतिशत तक का एनुअल यील्ड ऑफर किया गया है। जानकारों का कहना है कि अडाणी ग्रुप आने वाले समय में रिटेल इन्वेस्टर्स से एनसीडी के जरिए 30 से 40 हजार करोड़ रुपये जुटाने की योजना पर काम कर रही है। ऐसा करके कंपनी अपने फंड के सोर्स को डायवर्सिफाई करना चाहती है। इसके साथ ही ऐसा होने से उसके सामने फंड का रिस्क भी कम हो जाएगा।

हुंडई का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 1865-1960 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी हुंडई की भारतीय इकाई हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। कंपनी का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा। हुंडई ने इसका मूल्?य का दायरा (प्राइस बैंड) 1865-1960 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि एचएमआईएल का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा जो 17 अक्टूबर को बंद होगा। कंपनी के मुताबिक एंकर निवेशक 14 अक्टूबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। कंपनी की योजना इसके जरिए का 27,870 करोड़ रुपये (लगभग 3.3 अरब डॉलर) जुटाने की है। इसके लिए मूल्य दायरा 1865-1,960 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने कहा कि उसका प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह प्रवर्तक हुंडई मोटर कंपनी द्वारा 14,21,94,700 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। ये आईपीओ भारतीय उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है। दरअसल, दो दशक के बाद कोई वाहन विनिर्माता कंपनी अपना आईपीओ ला रही है। इससे पहले जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी 2003 में आईपीओ लाई थी। उल्लेखनीय है कि यह भारत में सबसे बड़ा आईपीओ होगा। इससे पहले सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के आईपीओ का आकार 21 हजार करोड़ रुपये था। एचएमआईएल ने 1996 में भारत में परिचालन शुरू किया था। कंपनी विभिन्न खंड में 13 मॉडल बेच रही है।

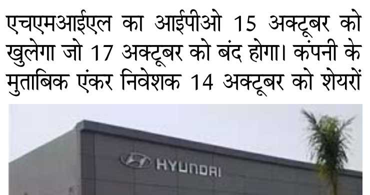

सीसीआई ने पतंजलि फूड्स लिमिटेड को पतंजलि आयुर्वेद के होम और पर्सनल केयर डिवीजन के अधिग्रहण को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने पतंजलि फूड्स लिमिटेड को पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड (पीएएल) के होम और पर्सनल केयर (एचपीसी) डिवीजन के अधिग्रहण करने को अपनी मंजूरी दे दी है। इस संबंध में आयोग का विस्तृत आदेश बाद में आएगा।सीसीआई ने जारी बयान में बताया कि प्रस्तावित इस सौदे में पतंजलि फूड्स लिमिटेड (पीएफएल) के द्वारा पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड (पीएएल) के गैर-खाद्य होम एंड पर्सनल केयर (एचपीसी) कारोबार का अधिग्रहण शामिल है। आयोग के मुताबिक पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के एचपीसी प्रभाग में बालों की देखभाल, त्वचा की देखभाल, दंत चिकित्सा देखभाल और घरेलू देखभाल खंडों को कवर करने वाले उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। सीसीआई के मुताबिक पीएफएल तिलहनों के प्रसंस्करण, खाद्य उपयोग के लिए कच्चे तेल के शोधन, तेल खली के उत्पादन, सोया से खाद्य उत्पादों और डाउनस्ट्रीम और अपस्ट्रीम प्रसंस्करण से मूल्य वर्धित उत्पादों के कारोबार में लगी हुई है। यह फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स, फास्ट मूविंग हेल्थ गुड्स के कारोबार में लगी हुई है, जिसमें मुख्य रूप से खाद्य, बिस्कुट और न्यूट्रास्युटिकल उत्पाद शामिल हैं। इसके अलावा पवन ऊर्जा से बिजली उत्पादन और विभिन्न उत्पादों के व्यापार में ये कंपनी लगी हुई है।

आंतों की सेहत बिगड़ना मेंटल हेल्थ के लिए खतरनाक ! इन आसान तरीकों से सुधारें गट हेल्थ, जिंदगी होगी खुशहाल

गट हेल्थ को बेहतर बनाए रखने से मेंटल हेल्थ में भी सुधार हो सकता है. गट हेल्थ में परेशानी हो जाए, तो इससे एंजायटी, डिप्रेशन से लेकर डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. गट हेल्थ शरीर के लिए बेहद जरूरी है.

शरीर को हेल्दी रखने के लिए गट हेल्थ का खयाल रखना बेहद जरूरी है. गट हेल्थ का मतलब होता है आंतों की सेहत. हमारी आंतों में करोड़ों बैक्टीरिया होते हैं, जिन्हें गट माइक्रोबायोम कहा जाता है. गट हेल्थ अच्छी होती है, तो खाना अच्छे से पच जाता है और पोषक तत्व शरीर में सही तरह अब्जॉर्ब हो जाते हैं. जब हमारे गट में बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ता है, तो इसे डिस्बायोसिस कहते हैं. इससे जिससे पाचन और मेंटल हेल्थ से जुड़ी समस्याएं पैदा होने लगती हैं. चलिए समझते हैं कि गट हेल्थ और मेंटल हेल्थ का क्या कनेक्शन है और इसे कैसे बूस्ट किया जा सकता है.

एशिया की पहली माइक्रोबायोम कंपनी ल्यूसिन रिच बायो के को-फाउंडर डॉ. देबोज्योति धर ने ह्द्ग2ह्य18 को बताया कि गट हेल्थ यानी आंतों की सेहत को अच्छा बनाए रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि इसका सीधा असर फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर होता है. हेल्दी गट में अच्छे बैक्टीरिया होते हैं, जो पोषक तत्वों के पाचन और अब्जॉर्प्शन में मदद करते हैं. इसके अलावा गट और ब्रेन एक-दूसरे से जुड़े होते हैं. गट के बैक्टीरिया हमारी भावनाओं और तनाव को प्रभावित कर सकते हैं. खराब गट हेल्थ से एंजायटी और डिप्रेशन जैसे मेंटल प्रॉब्लम्स पैदा हो सकती हैं.

एक्सपर्ट के अनुसार गट हेल्थ का ध्यान रखने से मेंटल हेल्थ में काफी सुधार हो सकता है. गट में मौजूद बैक्टीरिया सेरोटोनिन और डोपामिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर बनाते हैं, जो हमारे मूड को कंट्रोल करते हैं. बैलेंस्ड गट हेल्थ से तनाव और सूजन कम होती है. अगर हम प्रीबायोटिक्स और प्रोबायोटिक्स जैसे फूड्स खाएं, जो गट के बैक्टीरिया को पोषण देते हैं, तो इससे हमारा मन अच्छा रहता है.

गट हेल्थ खराब होने पर क्या लक्षण नजर आते हैं?

जब गट हेल्थ खराब होती है, तब सूजन, गैस, पेट में दर्द, दस्त, कब्ज और फूड इनटॉलरेंस जैसे लक्षण नजर आने लगते हैं. खराब गट हेल्थ का असर हमारी नींद पर भी पड़ सकता है और इससे थकान व नींद की समस्या हो सकती है. इससे एंजायटी, डिप्रेशन समेत कई मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं. गट हेल्थ की समस्या लंबे समय तक रहती है, तो गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है. लोगों को ये लक्षण दिखने पर डॉक्टर से मिलना चाहिए.

गट हेल्थ को कैसे सुधार सकते हैं?

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो गट हेल्थ सुधारने के लिए हेल्दी डाइट, अच्छी लाइफस्टाइल और हेल्दी हैबिट्स जरूरी हैं. गट हेल्थ सुधारने के लिए फल, सब्जियां, साबुत अनाज और फलियों का सेवन करना चाहिए. दही का सेवन करना गट हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है. पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और तनाव को कंट्रोल करने से आंतों की सेहत में सुधार हो सकता है. गट हेल्थ को इंप्रूव करने के लिए रोजाना एक्सरसाइज करना भी जरूरी है. अगर किसी को शौच में ब्लड, बार-बार एसिड रिफ्लक्स, लंबे समय तक थकान या मूड स्विंग्स जैसे लक्षण दिखाई दें, तो डॉक्टर से मिलकर जांच करानी चाहिए.

युद्ध विराम के लिए इजरायल और अमेरिका पर भारी दबाव डाला जाना चाहिए

रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिन के ईरान के साथ अच्छे संबंध हैं। वह ईरानी राष्टपति के संपर्क में हैं। रूस ने ईरान और हमास के उग्रवादियों को गुप्त रूप से कुछ सहायता दी है, लेकिन यूक्रेन युद्ध के दबाव को देखते हुए पुतिन राजनयिक संबंधों को छोड़कर पश्चिम एशियाई युद्ध में कोई प्रत्यक्ष भागीदारी नहीं चाहते हैं। हालांकि, चीन अब अरब देशों के साथ बातचीत करने में सक्रिय है। अक्टूबर, 2024 को इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध का एक साल पूरा हो गया। यह युद्ध उग्रवादी फिलिस्तीनी समूह हमास द्वारा इजरायल के नागरिकों पर क्रूर हमले और उसके जवाब में इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) द्वारा अधिक गंभीर प्रतिशोध और गाजा क्षेत्र के पूर्ण कब्जे के साथ शुरू हुआ था। इसके बाद के महीनों में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सेनाओं द्वारा फिलिस्तीन में बड़ी संख्या में जनसंहार किया गया। इसमें अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों द्वारा उच्च तकनीक वाले हथियारों और उपकरणों की सक्रिय सहायता भी शामिल थी।युद्ध के दूसरे वर्ष की शुरुआत के साथ ही परिदृश्य गंभीर हो गया है। फिलिस्तीन और कब्जे वाले गाजा में अपना काम पूरा करने के बाद, इजरायली सेना ने युद्ध क्षेत्र का विस्तार लेबनान, सीरिया और ईरान तक कर दिया है, जिससे फिलिस्तीनियों के साथ शुरुआती युद्ध पश्चिम एशियाई क्षेत्र में एक बहुत बड़े युद्ध में बदल गया है, जिसे अगर अभी नहीं रोका गया, तो यह एक बहुत बड़े युद्ध में बदल सकता है, जिससे जान-माल का भारी नुकसान हो सकता है।

पिछले साल 7 अक्टूबर को, कुछ रक्षा कर्मियों सहित 1100 से अधिक इजरायली नागरिक मारे गये थे। तब से हमास के हाथों कई और इजरायली नागरिक और कुछ सैनिक मारे गये हैं, लेकिन इजरायल के जवाबी हमलों में 48,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गये हैं, जिनमें से 90 प्रतिशत नागरिक हैं, खासकर महिलाएं और बच्चे।संयुक्त राष्ट्र महासभा और अन्य निकायों ने नरसंहार और विनाश को रोकने के लिए इजरायल से तत्काल युद्ध विराम पर सहमत होने के लिए कई प्रस्तावों को अपनाया, लेकिन आईडीएफ ने इसकी परवाह नहीं की क्योंकि उन्हें अमेरिकी सरकार का पूरा समर्थन प्राप्त है, जो शांति वार्ता की बात करने के बावजूद, लेबनान के खिलाफ इजरायली हमलों और शीर्ष हिजबुल्लाह नेता की हत्या का बचाव करते हुए इजरायल के पक्ष में रुख अपना रही है।संयुक्त राष्ट्र में, अमेरिका लगातार युद्धविराम प्रस्तावों का विरोध कर रहा है, जबकि अन्य सदस्यों द्वारा उसे प्रस्ताव को भारी समर्थन दिया जा रहा है। हमेशा की तरह, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी इजरायल को नियंत्रित करने में असमर्थ हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने तो यहां तक धमकी दे दी है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव को उनके देश में आने की अनुमति नहीं दी जायेगी। इजरायल ने अंतरराष्ट्रीय अपराध परिषद (आईसीसी)के आदेश की अवहेलना की है, जिसमें इजरायल से यथाशीघ्र शत्रुता समाप्त करने को कहा गया था। इसका पालन करने के बजाय, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उनकी सेना लेबनान और यदि आवश्यक हुआ तो अन्य देशों, अर्थात् ईरान और सीरिया पर भी हमला करेगी।इजरायल के खिलाफ ईरान के जवाबी हमलों के बाद, ईरान पर योजनाबद्ध हमलों पर चर्चा करने के लिए अमेरिकी केंद्रीय कमान के प्रमुख तेल अवीव में हैं। अमेरिकी राष्टपति ने नेतन्याहू को परमाणु सुविधाओं को छोड़कर ईरान में हमला करने के लिए हरी झंडी दे दी है। एक वरिष्ठ आईडीएफ कमांडर ने कहा है कि यदि हिजबुल्लाह आतंकवादी बेरूत से काम करते हैं, तो आईडीएफ लेबनान को पश्चिम एशिया के मानचित्र से मिटा देगा।तो फिर आगे क्या होगा? उम्मीद है कि राष्टपति चुनाव वर्ष में अमेरिका इजरायल का समर्थन करना जारी रखेगा। रिपब्लिकन पार्टी के राष्टपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के पक्ष में मुस्लिम देशों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने नेतन्याहू से ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करने को कहा है। ट्रंप चुनाव के दौरान डेमोक्रेटिक पार्टी के मजबूत यहूदी आधार को अपने पक्ष में करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस को चुनाव प्रचार सभाओं में यह कहना पड़ता है कि वह इजरायल का समर्थन करती हैं, हालांकि वह इस शर्त के साथ बोलती हैं कि युद्धविराम के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए। प्रधानमंत्री नेतन्याहू डेमोक्रेटिक पार्टी की इस चुनावी मजबूरी को जानते हैं। इसके अलावा अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनीब्लिंकन भी यहूदी हैं और वह हमास और हिजबुल्लाह के प्रति अपनी नफरत को कभी नहीं छिपाते।

रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिन के ईरान के साथ अच्छे संबंध हैं। वह ईरानी राष्टपति के संपर्क में हैं। रूस ने ईरान और हमास के उग्रवादियों को गुप्त रूप से कुछ सहायता दी है, लेकिन यूक्रेन युद्ध के दबाव को देखते हुए पुतिन राजनयिक संबंधों को छोड़कर पश्चिम एशियाई युद्ध में कोई प्रत्यक्ष भागीदारी नहीं चाहते हैं।

हालांकि, चीन अब अरब देशों के साथ बातचीत करने में सक्रिय है। चीन पश्चिम एशिया में अपनी भूमिका का विस्तार करने में रुचि रखता है, लेकिन संयम के साथ। चीन 5 नवंबर के बाद वाशिंगटन में नयी सरकार की स्थापना और नये अमेरिकी प्रशासन के तहत उसके रिश्ते कैसे बनते हैं, इस पर विचार कर रहा है।

पश्चिमी शक्तियों के संदर्भ में, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने इजरायल को हथियारों की आपूर्ति के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध का सामना करते हुए पिछले महीने तेल अवीव को कुछ महत्वपूर्ण शिपमेंट पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया, लेकिन यह बहुत सीमित है। इसी तरह फ्रांस के राष्टपति इमैनुएल मैक्रोन ने शिपमेंट पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है और इस पर नेतन्याहू ने तत्काल विरोध जताया। जर्मनी आपूर्ति जारी रख रहा है, लेकिन उसने इसे कम कर दिया है।

लेकिन इजरायल के पास अपने स्वयं के पर्याप्त उच्च तकनीक वाले हथियार हैं और केवल अमेरिकी आपूर्ति ही उसकी आवश्यकताओं का ख्याल रख सकती है। वह अमेरिकी आपूर्ति सुनिश्चित करना चाहता है जो बहुत बड़ी है।

भारत के संदर्भ में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधी, टैगोर और बुद्ध के इस राष्ट की छवि को धूमिल कर दिया है इजरायल का हमेशा समर्थन करते हैं। कई मौकों पर भारत ने युद्धविराम के लिए प्रस्ताव से खुद को अलग रखा। जबकि वैश्विक दक्षिण के सभी सदस्य, खास तौर पर ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका इजरायल पर फिलिस्तीन और लेबनान में नरसंहार का आरोप लगाने में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं, मोदी हमेशा अपने मित्र नेतन्याहू की आलोचना करने में डरते रहे हैं।

लेबनान पर इजरायल द्वारा किये गये क्रूर हमलों के बाद भी प्रधानमंत्री ने नेतन्याहू से फोन पर बात की और इजरायल का जिक्र किये बिना कहा कि आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है'। यह भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा इजरायल की बर्बरता का तुष्टिकरण करने के अलावा और कुछ नहीं है।पिछले सप्ताह के अंत में लंदन, पेरिस, बर्लिन, न्यूयॉर्क और वाशिंगटन सहित विभिन्न पश्चिमी राजधानियों में हजारों लोगों ने इजरायल को अमेरिकी समर्थन की निंदा की और विनाश को रोकने के लिए तत्काल युद्धविराम की मांग करते हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किये। आने वाले दिनों में इस विरोध आंदोलन को और अधिक बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाना होगा। बाइडेन सरकार पर दबाव बढ़ाना चाहिए ताकि वह नेतन्याहू को युद्धविराम के लिए राजी करे। अब यही एकमात्र विकल्प है।

संपादकीय

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चौंकाने वाले नतीजे

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर दोनों राज्यों में क्या भाजपा सत्ता हासिल कर पाएगी या कांग्रेस उसे मात दे देगी, ये सवाल लंबे वक्त से सत्ता के गलियारों में तैर रहा था। दोनों ही राज्यों में भाजपा की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी, क्योंकि हरियाणा में पिछले 10 बरसों से भाजपा का शासन रहा और वहीं जम्मू-कश्मीर में पूरे दस साल बाद चुनाव करवाए गए। इस बीच 5 अगस्त 2019 को जब भाजपा ने अचानक यह ऐलान किया कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और धारा 35 ए वापस लिया जा रहा है और इसके साथ ही उसे दो हिस्सों में बांटकर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को दो केंद्र शासित प्रदेशों में तब्दील किया जा रहा है, तब पूरा देश स्तब्ध रह गया था। इसे जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ आजादी के बाद किए गए वादे को तोड़ने की तरह देखा गया। लेकिन भाजपा ने राष्ट्रवाद की आड़ में यह वादाखिलाफी की और दावा किया कि उसके इस फैसले में जनता की भी मर्जी है। हालांकि अब जो नतीजे सामने आए हैं, उनसे पता चलता है कि न जम्मू, न कश्मीर की जनता को भाजपा का फैसला मंजूर था।

आठ अक्टूबर, मंगलवार को आए नतीजों के विश्लेषण अब लंबे वक्त तक चलेंगे और जानकार तरह-तरह से इनके अर्थ तलाशने की कोशिश करेंगे। लेकिन नतीजों को देखकर यह कहा जा सकता है कि इस बार कांग्रेस भाजपा पर भारी पड़ गई। हालांकि दो राज्यों में एक में जीत और एक में हार का विश्लेषण तो यही होता है कि मुकाबला बराबरी पर छूटा है। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस के गठबंधन को जीत मिली तो भाजपा को हरियाणा में तीसरी बार सत्ता में आने का मौका मिला है। हरियाणा में भी शुरुआती रुझान कांग्रेस के पक्ष में ही थे और कांग्रेस अब भी यही मान रही है कि ईवीएम के जरिए कोई खेल हुआ है, जिस वजह से जीती हुई बाजी हाथ से निकल गई है। मतगणना होने के दौरान ही कल एक प्रेस कांफ्रेंस में कांग्रेस ने यह आरोप लगाया है कि यह तंत्र की जीत है, यानी मशीनरी के कारण भाजपा जीती है। कांग्रेस का कहना है कि जिन ईवीएम में 99 प्रतिशत चार्जिंग थी, उनमें बीजेपी को जीत मिली, और जिनमें 70 प्रतिशत चार्जिंग थी यानी जो मशीनें सामान्य तरीके से चल रही थीं, उनमें कांग्रेस जीती। कांग्रेस ने हरियाणा में हुई इस संभावित गड़बड़ी की शिकायत बाकायदा चुनाव आयोग से भी की है। अब देखना होगा कि चुनाव आयोग आगे इस पर कोई संज्ञान लेकर कार्रवाई करता है या सब कुछ ठीक है, का रटा रटाया जवाब देता है।

वैसे दिलचस्प बात यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुछ दिन पहले कहा था कि सब इंतजाम हो गया है और भाजपा जीत रही है। इसी से गड़बड़ी के इशारे मिल रहे थे कि नायब सिंह सैनी को कौन से इंतजाम करने का जिम्मा दिया गया था, क्योंकि चुनाव करवाना तो चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। बहरहाल, अब जो नतीजे हैं, उन्हें स्वीकार करना ही होगा। भाजपा ने हरियाणा की सत्ता फिर से हासिल कर ली, तो कहीं न कहीं इसका श्रेय उसकी चुनावी और सांगठनिक क्षमता को भी दिया जाना चाहिए। छह महीने पहले मुख्यमंत्री बदलने का फैसला हो या कांग्रेस के खिलाफ बी, सी, डी टीमों को खड़ा करना सबका असर सामने है। हालांकि जिस तरह चुनाव प्रचार खत्म होने के दो-तीन दिन पहले ही प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह हरियाणा से रुखसत हो चले थे, उसके बाद कयास लगने शुरु हो गए थे कि क्या इन दोनों को जान बूझकर प्रचार से दूर रखा जा रहा है ताकि हारे तो ठीकरा दूसरों के सिर फूटे या इसमें भी भाजपा की कोई रणनीति है। बहरहाल, कारण जो भी हो, अब जब हरियाणा में भाजपा जीत गई है तो प्रधानमंत्री मोदी फिर जनता के सामने श्रेय लेने के लिए हाजिर हो चुके हैं।

अब कांग्रेस को आत्ममंथन की जरूरत है कि क्यों राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, उत्तराखंड की तरह हरियाणा की जीती बाजी भी उसने गंवा दी। कार्यकर्ता तो उत्साहित थे कि राहुल-प्रियंका ने यहां पूरा जोर लगा दिया, लेकिन कार्यकर्ताओं के ऊपर जो अलग-अलग क्षत्रप कांग्रेस में बैठे हैं, अब उनकी जिम्मेदारी तय करते हुए अगर कांग्रेस आलाकमान ने कड़े कदम नहीं उठाए तो अभी कार्यकर्ताओं में जितना उत्साह बचा है, वो भी खत्म हो जाएगा। वैसे हरियाणा में भाजपा सत्ता में आने के बाद भी पूरी तरह जीती हुई इसलिए नहीं कही जा सकती कि यहां विनेश फोगाट को जीत मिली है।

लद्दाख से उठी हिमालय की आवाज

मनुष्य समाज और प्रकृति-तन्त्र का संतुलित रिश्ता ही पारिस्थितिकीय संतुलन का आधार है। हमारा आज का विकास का मॉडल इस तत्व की अनदेखी कर रहा है। हम सोचने लगे हैं कि सभी समस्याओं के समाधान इंजीनियरिंग और तकनीकी से मिल सकते हैं, किन्तु ऐसा है नहीं। हम पानी का एक कतरा, हवा का एक श्वास, मिट्टी का एक ढेला, प्रकृति के तत्वों का प्रयोग किए बिना बना नहीं सकते।लद्दाख से एक सितंबर को शुरु हुई 1000 किमी. की पैदल और यदा-कदा वाहन यात्रा करके दिल्ली की सीमा पर पहुंचे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को उनके 150 साथियों के साथ हिरासत में ले लिया गया है। लद्दाख को %छठी अनुसूची% में शामिल करने की मांग के साथ सोनम वांगचुक ने लद्दाख से यह यात्रा शुरू की थी। उन्हें एक अक्टूबर को राजधानी के सिंघु बार्डर से हिरासत में लिया गया। पुलिस का कहना है कि शहर में निषेधाज्ञा लागू होने के कारण सोनम और उनके साथियों को रोका गया, लेकिन जब वे नहीं रुके तो उन्हें हिरासत में ले लिया गया। सोनम जी के नेतृत्व में यह टोली हिमालय के दर्द बांटते हुए उसके संरक्षण का संदेश लेकर 2 अक्टूबर, %गांधी जयन्ती% के दिन दिल्ली के राजघाट (गांधी समाधि) पंहुचने की उम्मीद रखते थे।

बरसों से पदयात्रा भारत में जनहित, आध्यात्मिक संदेश पंहुचाने और समाज को जगाने का सशक्त माध्यम रहा है। सोनम जी की यात्रा को मार्ग में जगह-जगह मिला समर्थन साबित कर रहा है कि पदयात्रा आज भी शुद्ध जनहित और आध्यात्मिक संदेश फ़ैलाने का सशक्त माध्यम है, जिसकी प्रासंगिकता असंदिग्ध है, बशर्ते यात्रा का लक्ष्य स्वार्थ-जनित न हो। हिमाचल और गढ़वाल की %हिमालय बचाओ संपर्क वाहन यात्रा% के दौरान भी सवाल उठे थे कि %जब हिमालय तुम्हें बचा रहा है तो तुम हिमालय को बचाने वाले कौन होते हो,% तो जवाब होता था कि हिमालय की हमें बचाने की शक्ति हमारी गलत विकास की गतिविधियों और हमारे लालच के कारण अति-दोहन के चलते नष्ट हो रही है।हिमालय को बचाने का अर्थ है, हिमालय की वायु को शुद्ध करने की शक्ति, जल-संरक्षण की शक्ति, जलवायु नियंत्रण की शक्ति, जैव-विविधता द्वारा देश की सेवा करने की शक्ति, थके-हारे मानस को शांति प्रदान करने की शक्ति, सदानीरा नदी-तन्त्र द्वारा सेवा करने की शक्ति को लालच के लिए नुकसान पहुंचाने से बचाना और नुकसान पहुंचाने वालों को रोकना ही हिमालय को बचाना है।

People's
Schedule for Ladakh
DELHI CHALO
BODY LEH
YATR

हिमालय के जो प्राकृतिक और सांस्कृतिक अवदान हैं उनको बचाना सोनम वांगचुक और उनके साथियों की इस यात्रा का मूल उद्देश्य है। हिमालय सांस्कृतिक विविधता का भी भंडार है। किसी भी समाज के दीर्घकालिक हित के लिए सांस्कृतिक विविधता बहुत आवश्यक तत्व है। हिमालय में यदि बर्फ न रहे तो हिमालय का क्या अर्थ रह जाएगा। किसी भी पारिस्थितिकी तंत्र में वहां के समाजों का होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

मनुष्य समाज और प्रकृति-तन्त्र का संतुलित रिश्ता ही पारिस्थितिकीय संतुलन का आधार है। हमारा आज का विकास का मॉडल इस तत्व की अनदेखी कर रहा है। हम सोचने लगे हैं कि सभी समस्याओं के समाधान इंजीनियरिंग और तकनीकी से मिल सकते हैं, किन्तु ऐसा है नहीं। हम पानी का एक कतरा, हवा का एक श्वास, मिट्टी का एक ढेला, प्रकृति के तत्वों का प्रयोग किए बिना बना नहीं सकते। जिन्दा रहने के लिए हवा, पानी और भोजन ही सबसे बुनियादी जरूरतें हैं।

हमारा विकास इन्हीं पर आघात कर रहा है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जिससे नदियों के अस्तित्व पर खतरा आ गया है। वे मौसमी होकर रह जाएंगी। मिट्टी हमारी रासायनिक खेती की पद्धति द्वारा जहरीली होती जा रही है, वही जहर हमारे खाद्य पदार्थों में पहुंच रहे हैं। हवा को सभ्यता का धुआं जहरीला कर रहा है तो संकट जिन्दा रहने पर आने वाला है। सबसे संवेदनशील परिस्थिति-तन्त्र होने के नाते हिमालय पर होने वाले दुष्प्रभाव अधिक घातक होंगे और पूरे देश को प्रभावित करेंगे।लोग अब इन मुद्दों को समझने लगे हैं इसीलिए लद्दाख की आवाज को हिमाचल और उत्तराखंड में इतना समर्थन मिल रहा है। असल में यह आवाज पूरे हिमालय की है। मुख्यधारा के विकास मॉडल से यहां जो परिस्थिति-तंत्र को नुक्सान हो रहा है उसकी और अधिक अनदेखी पूरे देश के लिए घातक सिद्ध होगी। हिमालय बचा रहेगा तो पूरा देश बचा रहेगा। हिमालय के लोगों की विकास की जरूरतों को पूरा करने के लिए हमें वैकल्पिक विकास के मॉडल पर काम करना पड़ेगा। इसके लिए स्थानीय समाजों की समझ का उपयोग करना जरूरी है।

इसके लिए लद्दाख के लोगों की चुनी हुई सरकार की मांग तर्क-सम्मत है, इसे माना जाना चाहिए। इसी दृष्टि से लद्दाख को संविधान की %छठी अनुसूची% में डालने की मांग है। इस अनुसूची में डाले जाने से प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने में स्थानीय समाजों की भूमिका सशक्त होगी और सरकार को भी संसाधनों के तर्कपूर्ण दोहन के लिए व्यवस्था बनाने में आसानी होगी।

कई दशकों से हिमालय में वैकल्पिक विकास का मॉडल अपनाने की मांग हो रही है। %योजना आयोग% के समय से ही यह मुद्दा उठता रहा है, किन्तु कोई परिणाम नहीं निकला है। लोगों को छिटपुट संघर्षों के कारण कहीं अपनी बात मनवाने में सफलता मिली भी है, किन्तु असली समाधान तो वैज्ञानिक समझ से हिमालय की संवेदनशील पारिस्थितिकी के अनुरूप विकास मॉडल लागू करने से ही होगा।इसके लिए %पांचवीं% और %छठी अनुसूची% कुछ संरक्षण तो दे ही सकेंगी। तो क्यों न ट्रांस-हिमालय को %छठी अनुसूची% और शेष हिमालय को %पांचवीं अनुसूची% में डालकर हिमालय को मुख्यधारा के विकास की विनाशकारी दौड़ से बचाया जाए। जो मैदानी इलाकों के लिए ठीक है, वह हिमालय के लिए भी ठीक हो, यह जरूरी नहीं है। यह काम वैज्ञानिक समझ से हल किया जाना चाहिए, इसमें दलगत राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं दिया जा सकता।

जब घर में बनाएं ऑफिस

ज्यादातर लोग घरेलू और कामकाजी जीवन को अलग-अलग रखना पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से घर से ऑफिस चलाने की अवधारणा बहुत लोकप्रिय हुई है। पहलेपहल यह कंसेप्ट 1990 में चलन में आया। इसे नाम दिया गया- सोहो । आज के दौर में हर शिक्षित स्त्री काम करना चाहती है, लिहाजा घर में ऑफिस का विचार और फलने-फूलने लगा है। लेकिन कम लोगों के पास ही घर में इतनी जगह होती है कि वे सुचारु ढंग से ऑफिस चला सकें। कुछ लोग अपने घर के लिविंग स्पेस में ही ऑफिस निकाल लेते है। लेकिन यदि प्रोफेशनल ढंग से न काम किया जाए और व्यवस्थित ऑफिस न बनाया जाए तो उससे फायदा कम ही मिल पाता है। घर में ही सुविधाजनक और शांत कार्यस्थल बनाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

खाली जगह का सदुपयोग करे

कई बार घर के खाली स्थानों पर नजर जाती ही नहीं, जबकि इनका उपयोग ऑफिस के लिए किया जा सकता है। यदि आपका काम ज्यादा घंटे का नहीं है तो आप अपने स्टडी या लिविंग स्पेस का ही पार्टिशन करके अपने लिए छोटा ऑफिस बना सकती हैं। लेकिन यदि काम ज्यादा गंभीरता और समय की मांग करता है तो इसे अलग स्थान की जरूरत है। यदि आपके घर में तीन-चार बैलकनी है तो एक को कवर करके आप इसका उपयोग ऑफिस के लिए कर सकती है। घर में जगह कम हो तो स्टोर रूम या ड्रेसिंग रूम को भी ऑफिस की शक्ल दी जा सकती है। अपने बेसमेंट, गैरेज में भी रेनोवेशन करके आप इसे ऑफिस का रूप दे सकती है। लेकिन इन स्थानों का चुनाव तभी करे, जबकि भविष्य में भी आपको इनकी जरूरत न हो, क्योंकि बार-बार ऑफिस शिफ्ट करना मुश्किल होता है। महत्वपूर्ण यह है कि होम ऑफिस में समर्पित भाव से कार्य कर सकें, इसलिए जगह के चुनाव में सावधानियां बरतें।

हवादार हो कमरा

एक हवादार कमरा कार्यक्षमता को बढ़ा देता है। ए.सी. और पंखे होने के बावजूद यदि ऑफिस में प्राकृतिक तौर पर हवा की आवाजाही की व्यवस्था हो तो यह बेहतर होगा। यदि आप रचनात्मक कार्यों से जुड़ी है तो खिड़की के बाहर हरियाली को निहारना, मौसम के बदलते रूपों को देखना भी आपको प्रेरणा प्रदान करता है। इसलिए एक बड़ी विंडो, जिससे बाहर कुछ अच्छे दृश्य नजर आएं, ऑफिस में जरूर हो।

प्रकाश व्यवस्था

अपने घर के जिस भी कोने में ऑफिस बनाएं, यह ध्यान रखें कि वहां प्रकाश की समुचित आवाजाही हो, क्योंकि कम या अंधेरी सी रोशनी में काम करना हानिकारक होता है। ऑफिस के इस कमरे को पूरे वर्ष के मौसम के अनुसार व्यवस्थित करे। उदाहरण के लिए यदि गर्मी में ऑफिस बना रही हैं तो आगामी बरसात और सर्दियों के मौसम का भी ध्यान जरूर रखें और उसी के अनुरूप ऑफिस को व्यवस्थित करे। लाइट्स ऐसी लगाएं जो आपकी कार्य प्रकृति के अनुरूप हो।

शांत माहौल जरूरी

घर में ऑफिस बनाने का नुकसान यह होता है कि घरेलू कार्यों से आप खुद को अलग नहीं कर सकतीं। ऑफिस के साथ यदि मुख्य प्रवेश द्वार, किचन या बच्चों का कमरा है तो शांत भाव से आप काम नहीं कर सकतीं। किचन से बीच-बीच में चाय-कॉफी का स्वाद तो ले सकती है, लेकिन यदि यहां पूरे घर का भोजन बनता है तो आपको परेशानी हो सकती है। छह-सात घंटे काम करने के लिए जिस शांत माहौल की जरूरत होती है, वह आपको नहीं मिल सकता। शोरगुल वाले या व्यस्त कमरों से थोड़ी दूरी पर स्थित होना चाहिए ऑफिस। यदि आप फ्लैट सिस्टम में रहती हैं और आप आपके पास अतिरिक्त कमरे नहीं है तो फिर अपने कमरे में साउंड प्रूफ सिस्टम का प्रयोग कर सकती है। इसके अलावा मजबूत वूडेन पैनल्स भी इस शोरगुल से आपको बचा सकते है। यदि घर दोमंजिला है तो आप एक मंजिल को अपने ऑफिस के लिए प्रयोग कर सकती है।

सुविधाजनक हो फर्नीचर

व्यवस्थित और छोटी जगह में ज्यादा सामान खपाने वाला फर्नीचर आपके होम ऑफिस में होना चाहिए। यदि आपको कंप्यूटर पर कार्य करना है तो डेस्कटॉप, की-बोर्ड और चेयर का चुनाव सावधानी से करे। अलमारियां, कैबिनेट्स इस तरह से डिजाइन करे कि सारा सामान आपकी पहुंच में रहे, साथ ही व्यवस्थित भी दिखे। बहुत भारी-भरकम फर्नीचर से ऑफिस बहुत भरा-भरा दिखता है। थोड़ी जगह खाली रहे, यह जरूरी है।

अनावश्यक चीजें न रखें

अपने इस कार्यस्थल को ऐसे डिजाइन करे कि सारा कार्य शांति से हो सके। अनावश्यक चीजों के संग्रह से बचें। रोजमर्रा के व्यर्थ कागजों को डस्टबिन में डालती रहे। इस कमरे में मौजूद पहले के सामानों को दूसरे कमरे या स्टोर रूम में एडजस्ट करे, ताकि अपनी सुविधानुसार ऑफिस को व्यवस्थित कर सकें। फैक्स मशीन या प्रिंटर के आसपास फालतू पेपर्स का जमघट न लगाएं और न ही अपनी मेज की दराज और कैबिनेट्स में अनावश्यक रद्दी एकत्र करे। छोटे से इस ऑफिस को जितना क्लटर फ्री यानी साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखेंगी, उतना ही काम में ध्यान केंद्रित कर सकेंगी।

मूड फ्रेश रखने के लिए

शांत और एकाग्रचित्त होकर कार्य करने के लिए कुछ ऐसे सामान ऑफिस में जरूर रखें, जो आपके मूड को अच्छा रखें। अपनी वॉल्स को पसंदीदा रंगों से सजाएं, कुछ इंडोर प्लांट्स के पॉट्स रखें। फैमिली फोटो के साथ कुछ अच्छे लैंडस्केप्स भी लगाएं। म्यूजिक का शौक है तो अपनी पसंदीदा सीडीज इस रूम में रख सकती है, लेकिन ध्यान रखें कि यह काम करने की जगह है, इसलिए इसे बहुत ज्यादा न भरें।

प्यार में तकरार भी जरूरी

मुकुल और चेतना की शादी के दस साल हो गए लेकिन उनके रिश्ते में वही प्यार और नयापन देखने को मिलता है जो शादी के शुरुआती दिनों में था। एक दिन जब उनके फ्रेंड्स ने इसका राज पूछा तो जवाब आया 'लड़ाई'। जी हां, लड़ाई, सुनने में तो यह बड़ा ही अटपटा लगता है पर यह एक ऐसा कैटेलिस्ट है जो रिश्तों में रिफ्रेशमेंट लाता है। पति-पत्नी का नाजुक और पवित्र रिश्ता पूरी तरह प्यार पर ही निर्भर करता है। लेकिन दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के अन्य पहलुओं को जानने के लिए कभी-कभी तकरार की भी जरूरत पड़ती है। क्योंकि तकरार के बिना संबंधों में नयापन नहीं आ सकता। दाम्पत्य जीवन में नोक-झोंक और रुठने-मनाने का सिलसिला मैरिड लाइफ को रिफ्रेश कर देता है।

अधिकतर लोगों का यह मानना है कि जो कपल झगड़ते हैं वहां आपसी सामंजस्य की कमी होती है, पर सच्चाई तो यह है कि झगड़े में कहीं न कहीं अच्छे मैरिड लाइफ का एहसास भी छिपा होता है।

परफेक्शन का दायरा बढ़ाता है

परफेक्शन के इस दौर में हर कोई खुद को परफेक्ट की श्रेणी में रखता है और हर कपल खुद को मेड फॉर इच अदर वाला परफेक्शन देना चाहता है। इसलिए शादी के कुछ महीनों तक वे दोनों एक-दूसरे की इच्छाओं का खु

ध्यान रखते हैं और इसी चक्कर में उनकी लाइफ रुल्स और परफेक्शन में बंधकर रह जाती है। नतीजा होता है नीरस और ऊबाऊ जीवन। पति-पत्नी के बीच होती छोटी-मोटी छेड़छाड़ एक रिफ्रेशर का काम करती है जो न केवल उनके संबंधों में ताजगी बनाए रखती है बल्कि परफेक्शन के दायरे को और भी अधिक बढ़ाती है। इस बाबत 45 वर्षीय सीमा जो एक गृहिणी हैं कहती हैं- परफेक्शन की सीमा हर किसी के लिए अलग-अलग होती है। इसलिए मैं अपने पार्टनर को परफेक्शन के फ्रेम में नहीं जकड़ती। हर किसी के लिए परफेक्शन की परिभाषा अलग होती है और जो इसमें बंधकर रहते हैं वे हमकदम नहीं बल्कि परेशानी का सबब बनकर रह जाते हैं। वहीं दूसरी ओर 35 वर्षीय रविशंकर जो एक बिजनेस मैन हैं कहते हैं कि परफेक्शन के चक्कर में कई बार लोगों की गृहस्थी बिखर जाती है। क्योंकि परफेक्शनिस्ट होने का जुनून उनके नोक-झोंक को गंभीर विवाद में तब्दील कर रख देता है।

झगड़ा यानी प्रेम परीक्षा

हर व्यक्ति के अंदर ईर्ष्या, क्रोध, नफरत आदि भावनाएं पनपती हैं। दो अलग-अलग व्यक्ति की भावनाएं और मन:स्थिति एक जैसी नहीं होती इसलिए पति-पत्नी के बीच तकरार न हो ऐसा नहीं हो सकता। हर बात पर प्यार और सहमति बनावटीपन को बढ़ावा देता है।

पति-पत्नी में विश्वास तभी पनपता है जब वे एक-दूसरे को कहने का मौका देते हैं। लेकिन बातें अगर छुपाई जाए तो भरोसा उठने लगता है। उसी तरह कई बातें दिलोदिमाग पर भी असर डालती हैं। ऐसे में दोनों के बीच प्रेम नहीं बल्कि प्रेम का अभिनय मात्र ही रह जाता है।

प्रेम और कलह एक ही सिक्के के दो पहलू हैं इसलिए झगड़ने से मन का गुब्बार निकल जाता है और मन शांत होकर पुन: प्रेम से भर जाता है। पति-पत्नी का साथ जीवनभर का होता है इसलिए लड़ाई भी करनी हो तो 'रात गई बात गई' वाले अंदाज में झगड़ें। इससे रिश्तों में दरार नहीं आएगी।

दो भिन्न-भिन्न लोगों के विचार एक से नहीं होते, इसलिए विचारों की टकराहट ही प्रेम परीक्षा है जिससे उनके वैवाहिक जीवन की डोर मजबूत होती है। जहां प्यार है वहां झगड़ा होगा ही। दो लोग आपस में तभी झगड़ते हैं जब वे एक-दूसरे से प्यार करते हैं। इसलिए एक मीठी झड़प के बाद पति-पत्नी दोनों में फिर से प्यार का अहसास जाग जाता है।

रुठना-मनाना यानी दिल के करीब आना

रुठना-मनाना भी एक कला है। दांपत्य जीवन में छोटी-मोटी टकराहट हमेशा होती रहती है। इसलिए जरूरी नहीं कि हर बात जोर जबर्दस्ती या चिल्लाकर कही जाए। यूं देखा जाए तो शब्दों में बड़ी ताकत होती है। थोड़े से कटु वचन कई महाभारत रच डालते हैं। इसलिए कटु वचन से बचना चाहिए। बहस सिर्फ अहंकार को जन्म देती है।

घर को बनाएं खूबसूरत

घर का चाहे कोई भी कमरा क्यों न हो, उसके कॉर्नर को सजाने के लिए अक्सर विकल्प की कमी महसूस की जाती है। आप अपने घर के कॉर्नर को सजाने के लिए प्लांट्स के अलावा फूलदान व टेलीफोन रख सकते है। इससे जगह का तो इस्तेमाल होगा ही साथ ही घर भी निखरा दिखेगा..

अक्सर घर की साज-सज्जा में हम घर के कमरों के कॉर्नर की अहमियत और उसके उपयोग पर ध्यान नहीं देते, लेकिन इन कोनों पर ध्यान देते हुए इसका सही उपयोग किया जो घर की सजा-सज्जा और खूबसूरती में निखार आएगा, साथ ही आपको घर में मिलेगी अतिरिक्त जगह। यही नहीं जगह को आप अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इंटीरियर डिजाइनर्स की मानें तो उनका कहना है कि घर का कोई भी हिस्सा चाहे वह ड्राइंग रूम हो, किचन, बालकनी या फिर बेडरूम ही क्यों न हो, कमरों में स्पेस मैनेजमेंट के जरिये ही उसका उचित इस्तेमाल किया जा सकेगा। हालांकि इसका एक पहलू यह भी है कि जगह की कमी और बढ़ती आवश्यकताओं ने लोगों के सामने ज्यादा विकल्प उपलब्ध नहीं हैं। इसी विकल्प को ध्यान में रखते हुए आजकल इंटीरियर डिजाइनर भी सलाह देते हैं कि घर के कमरे के कोने का उचित इस्तेमाल करें और यहां पर उन्हीं चीजों को स्थान दें जिनका इस्तेमाल रोजाना करना हो।

वैसे यह शत-प्रतिशत सही भी नहीं है इसलिए कई डिजाइनर्स का यह भी कहना है कि कमरों के कोनों में उन चीजों का रखा जाए जहां कम से कम आवाजाही हो। यह कहना किसी हद तक सही भी है क्योंकि ऐसी स्थिति में चीजों के अस्त-व्यस्त रहने की गुंजाइश बनी रहती है। घर में बेडरूम, ड्राइंग रूम, बालकनी और किचन में बहुत सा स्पेस बचा रहता है, जिसका इस्तेमाल हम जाने-अनजाने नहीं करते। ऐसा बेहतर प्लानिंग न होने की वजह से होता है। ऐसे में जरूरत है तो स्पेस को पहचानने और उसके सही इस्तेमाल की और यह काम बहुत मुश्किल नहीं है। तो क्यों न आप भी कुछ खास बातों को ध्यान में रखते हुए अपने घर के कोनों का इस्तेमाल करें। यह बात बेडरूम ड्राइंग रूम किचन या फिर बालकनी पर भी लागू होती है।

मसलन टेलीविजन रखने से लेकर सिंगल या डबल बेड शोपीस, बच्चों के खिलौनों और गमलों आदि पर भी लागू होती है। जहां तक टेलीविजन की बात है, उसे कोने में रखना बेहतर हो सकता है। घर के कोने रखा टीवी घर के सभी सदस्यों को दिखेगा और यही आपको मकसद भी होना चाहिए। टीवी के दोनों कोनों के नजदीक ही गमले रखने से लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ जाएगी। गमले दरवाजे के दोनों तरफ भी रखे जा सकते हैं। लेकिन इसकी पहली शर्त यह है कि दरवाजे पर खूबसूरत और रंगीन पर्दा जरूर लगा हो। पर्दा लगा होने की स्थिति में कोने की खूबसूरती बढ़ जाएगी।

यही स्थिति डाइनिंग टेबल की है। इसके किचन के नजदीक रखा जाना चाहिए। अमूमन ड्राइंग रूम और बेडरूम व किचन के बीच स्पेस होता है, इसका इस्तेमाल डाइनिंग टेबल रखने के लिए कर सकते हैं। आधुनिक घरों को डिजाइन करते वक्त डाइनिंग के लिए विशेष तौर पर जगह निकाली जाती है। किताबें रखने के लिए ड्राइंग रूम के दरवाजे के पीछे रैक रखी जा सकती है। या फिर आप चाहें तो इसके लिए रैक भी बनवा सकते हैं। घर के लिविंग रूम के कोने में टेलीफोन या फिर कम्प्यूटर भी रखे जा सकते हैं। कम्प्यूटर को वैसे भी ऐसी जगह रखना चाहिए, जहां आवाजाही कम से कम हो।

कॉर्नर चाहे बड़ों के कमरों के हों या फिर बच्चों के, कमरे के कोने में रखा सामान उसके व्यक्तित्व को भी एक पहचान देता है। वैसे बच्चे कोने की अहमियत शायद न समझें, इसीलिए जूते या स्कूल बैग और रद्दी कागज बिखेरने के लिए इनका इस्तेमाल करें। बच्चों के कमरों में कॉनर्स पर टेबल लगाई जा सकती है, जिसमें उनके खिलौने और टेक्स्ट बुक्स के अलावा मैगजीन आदि रखी जा सकती हैं। इस हिस्से को निखार देने के लिए उन्हीं के द्वारा बनाई पेंटिंग्स के जरिये भी इस हिस्से की खूबसूरती और बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा उनकी स्पो?र्ट्स किट या फिर फ्रेम कराई गई फोटो भी लगा सकते हैं। इससे यह स्पेस जीवंत और सकारात्मक भी लगेगा।

बात बेडरूम की करें तो कोनों में ग्लास या फिर वुडन स्टैंड लगवाकर उस पर गुलदस्ता, लैंपशेड, कोई एंटीक पीस सजाया जा सकता है। आप चाहें तो छोटा सा मंदिर बनवाकर उसमें मूर्तियां भी रख सकते हैं। हां यह जरूर ध्यान रखें कि कॉर्नर में बनाए जाने वाले इन स्टैंड्स की हाइट कम से कम पांच फीट की जरूर हो, जिससे कि छोटे बच्चे इन्हें किसी तरह का नुकसान न पहुंचा सकें। इसमें कोई दो राय नहीं कि मौजूदा समय में घरों के आकार छोटे हो रहे हैं, जिससे इनमें रहने वालों को अक्सर स्पेस की कमी महसूस होती है। फिर भी घर में जितना भी स्पेस हो, अगर उसका सही इस्तेमाल किया जाए तो इस समस्या से काफी हद तक राहत जरूर मिल सकती है।

कैसी शॉपर हैं आप

कुछ महिलाओं को शॉपिंग करने में बहुत दिक्कत होती है। उससे भी ज्यादा दिक्कत उनके साथ शॉपिंग कर रहे लोगों को होती है। दरअसल वे ऐसी शॉपर होती हैं, जिनको पता ही नहीं कि आखिर वे क्या खरीदना चाहती हैं और उनकी क्या जरूरतें हैं। इसलिए शॉपिंग करने के दौरान वे इस दुकान से उस दुकान तक बस चक्कर लगाती रह जाती हैं। ये 'थिकर शॉपर' होती हैं, जो अच्छी बात नहीं है। क्योंकि उनके इस बर्ताव से उनके साथ के लोगों को चिड़चिड़ाहट होती है। इस की तरह कई महिलाएं होती हैं तो कुछ इनडिसिसिव शॉपर भी होती हैं, कुछ इंपल्सिव तो कुछ स्मार्ट शॉपर। हम आपको इन सबके बारे में बताते हैं-

थिकर शॉपर

ये महिलाएं शॉपिंग करने के लिए निकल तो पड़ती हैं लेकिन इन्हें पता नहीं होता कि आखिर वे क्या खरीदना चाहती हैं। खरीदारी से संबंधित उनमें निर्णय लेने की क्षमता नहीं होती, अपना और अपने साथ वालों का समय बर्बाद करती हैं। साथ ही दुकान वाले भी इनसे उकता जाते हैं।

इपल्सिव शॉपर

इस तरह की महिलाएं दुकान वालों को बहुत पसंद आती हैं। चीजों को देखते ही वे खरीदने का मन बना लेती हैं लेकिन जैसे ही उन्हें अपनी गलती का भान होता है, वे वापस लौटाने पहुंच जाती हैं।

इनडिसिसिव शॉपर

इस तरह की महिलाओं को पता होता है कि उन्हें क्या चाहिए लेकिन कैसा चाहिए यह नहीं पता होता। जैसे, उन्हें पता है कि वे कंगन खरीदना चाहती हैं लेकिन किस डिजाइन का, इसके बारे में उन्हें कोई आइडिया नहीं होता।

स्मार्ट शॉपर

इस तरह की महिलाएं पूरी तरह से सोचकर ही दुकान में पहुंचती हैं। उन्हें पता होता है कि वे क्या, कैसा, कितने बजट का खरीदना चाहती हैं। अन्य लोगों से खरीदारी करने में आधा समय लगाती हैं।

अरहर दाल के पकौड़े

सामग्री : 1 कप अरहर की दाल, 1 बारीक कटा हुआ प्याज, 1 टेबलस्पून कलौंजी, 4-6 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 1 टुकड़ा कद्दूकस किया हुआ अदरक, 1 टीस्पून चाट मसाला, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल।

बिधि : अरहर की दाल को 4-5 घंटे तक भिगोकर रखें। मिक्सर में पीसकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। सभी सामग्रियां मिला लें। तेल गर्म करके पकौड़ियां उतार लें।

मीठी व हरी चटनी के साथ गरमा गरम सर्व करें।

करें बच्चों की हौंसला अफजाई

पहले कहा जाता था कि बेशक आपको सब कुछ दूसरों का ही अच्छा लगता हो लेकिन बच्चें हमेशा ही अपने अच्छे लगते हैं फिर भी आप अपने बच्चे की तुलना दूसरों से करते हैं कि देखों पड़ोसी का लड़का क्लास में प्रथम आया है , वह ऑल राउंडर है, वह यह है, वह वह है और न जाने क्या-क्या। इसी तुलना में आप अपने बच्चें की अच्छाइयों को नकार देते हैं और न जाने उसमें कितनी कमियां निकाल देते हैं लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि उस समय आपके बच्चे के दिमाग पर इन सभी बातों का कितना गलत असर पड़ता होगा।

प्रत्येक इंसान में एक जैसा दिमाग नहीं होता, किसी की ग्रहण करने की क्षमता अधिक होती है तो किसी की कम। कोई बातों को बहुत जल्दी समझ लेता है तो कोई थोडे प्रैशर के बाद ही समझ पाता है। कुछ बच्चे ऐसे होते हैं जो प्रतियोगिता के कारण पढ़ते हैं। कुछ अपने आप ही पढ़ते हैं तो कुछ प्रोत्साहन के बाद ही पढ़ते हैं। इसके लिए बच्चा दूर-दूर तक जिम्मेदार नहीं होता।

बच्चे को आपसे ज्यादा कोई नहीं जानता इसलिए उसे आगे बढ़ाने के लिए आपको क्या करना चाहिए यह आपको ही तय करना है। वह कुछ भी हो सकता है लेकिन यह रास्ता तो बिल्कुल भी नहीं है कि आप अपने बच्चे के पीछे रहने के कारण उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करें या उसे किसी भी प्रकार का ताना मारे। अक्सर ऐसा होता है कि आपके दो बच्चों में ही एक तो बहुत तेज यानी हर बात में आगे होता है और दूसरा काफी सुस्त होता है। जिस कारण आप उन दोनों में भी तुलना करते हैं और बजाय उसकी ग्रहण क्षमता के स्तर को जानने के उस पर होशियार बच्चें की तरह बनने के लिए प्रैशर डालते हैं। इससे बच्चा मानसिक तौर पर बिमार हो सकता है, जिसका आपको पता तक नहीं चल पाता। आप उसकी बिमारी को उसका ढीठपना और नालायकी समझते हैं। यह नहीं जानते कि आपका बच्चा ऐसे हालात में दिमागी तौर से कितना बीमार है। जिस बिमारी के चलते उसमें हीन भावना आ सकती है। कई बार तो यह हीन भावना बच्चों पर इतनी ज्यादा हावी हो जाती है कि वह गलत कदम उठा सकता है।

बच्चे को नकारना ही आपको बच्चों से अलग करता है। जिस कारण वह आपसे खुलकर बात तक नहीं कर पाते और अपनी परेशानी भी शेयर नहीं कर पाते कि वह ठीक से क्यों काम नहीं कर पा रहे। हर बच्चा या हर इंसान हर काम में परफैक्ट हो, यह संभव नहीं। प्रत्येक इंसान में ही कोई न कोई कमी होती है और वह कमी तभी दूर की जा सकती है, जब उसके अपने बजाय ताना मारने के उसका साथ दें। बच्चे को प्रोत्साहित करें कि वह भी आगे बढ़ सकता है और वह किसी से कम नहीं है बस उसे थोड़ी सी कोशिश करनी होगी। कई बार अपनों का विश्वास ही बच्चों को आगे बढ़ने के लिए काफी होता है। उसकी सुने की उसे किस तरह की परेशानी होती है और यदि वह आपके पूरे साथ देने के बाद भी सही से परफोर्म नहीं कर पा रहा है तो आप उस पर किसी तरह का बोझ नहीं डाले बल्कि किसी मनोचिकित्सक से सलाह लें।

सर्दियों मे बगिया रहे खिली-खिली...

यदि फूल-पौधों से आपको प्यार है और आप स्वयं बागवानी करके अपनी बगिया को हरा-भरा तथा रंग-बिरंगे फूलों से महकाना चाहती हैं तो यह मौसम इस काम के लिए सर्वश्रेष्ट है। हरियाली तथा आपकी बगिया में खिले फूल आपके घर में चार-चांद लगाने के साथ ही आपके जीवन को भी महकाते हैं। क्यों न इस मौसम का फायदा उठाते हुए अपने घर को फूलों की महक से तरो-ताजा कर दिया जाए-

किस तरह लगाएं पौधे

पौधे लगाने से पहले इस बात पर जरूर ध्यान दें कि जिस जगह आप पौधा लगा रहे वहां मिट्टी की मात्रा अधिक और खाद की मात्रा कम रखें। आप जब नर्सरी से पौधा लेने जाएं तो इस बात का ख्याल रखे कि पौधा कम से कम 6 इंच का हो। तभी इसे क्यारियों तथा गमलों मे लगाया जा सकेगा और यह अच्छी तरह पनपेगा। जब आप पौधा लगा लें तो गमलों को ऐसी जगह रखें जहां इन्हें फलता-फूलता और बड़ा होता देखा जा सके।

कैसी हो गमले की सामग्री

एक अच्छा गमला तैयार करने के लिए गमले में दो हिस्सा मिट्टी और एक हिस्सा खाद मिलाएं। इस मिश्रण में एक बड़ा चम्मच नीमखली और एक चम्मच बोनीमील मिलाएं। यह आपको किसी भी नर्सरी में मिल जायेगा। कीड़ो से बचाने के लिए आप मेलेथिएन स्प्रे का प्रयोग कर सकती हैं। यह ऐसी कीटनाशक दवा है जो हर तरह के कीड़ों को मारने में कारगर है।

खास बातें

सर्दियों के मौसम में यह न सोचें कि पौधों को पानी की आवश्यकता नहीं पड़ती। लेकिन ध्यान रखें कि यह जरूरत से ज्यादा न हो क्योकि सर्दियों मे पौधों को कम पानी की आवश्यकता पड़ती है।

सर्दियों में शाम को पौधों को पानी देने से बचें। शाम की जगह पौधों में सुबह और दोपहर में पानी दे सकती है।

पौधों के आस-पास के कचरे को नियमित रूप से साफ करें। अन्यथा पौधों को आक्सीजन नहीं मिल पायेगी जिससे पौधे मुरझा भी सकते हैं। पौधों की खराब टहनियों को समय-समय पर हटाती रहें। फूल-पौधों को समूह में रखने अच्छी तरह विकसित होंगे। पौधा लगाते समय पौधों के बीच थोड़ी दूरी बनाए रखें।

जहां तक हो सके इस मौसम में पौधे लगाएं क्योकि अधिक सर्दियों में बीज पनप नहीं पाते हैं और जमीन के अन्दर ही सड़कर नष्ट हो जाते है।

(हार्टिकल्चर विभाग के अध्यक्ष आर.एन वशष्ठि से जया द्विवेदी की बातचीत पर आधारित)

क्या-क्या लगाएं बगिया में

नवम्बर-दिसम्बर ऐसे माह हैं जब आप 50 किस्म के फूल लगा सकती हैं। सब्जियों के कहने ही क्या, गाजर, मूली, करेला, बैंगन, सेम, टमाटर, हरी धनिया और न जाने कितनी तरह की सब्जियां लगाकर आप अपनी बगिया को हरा-भरा बना सकती हैं। इन दिनों माली की आवश्कता अधिक नहीं पड़ती है, फूल खुद-व-खुद खिल उठते है। आप इन दिनों बोगनबेलिया भी लगा कर अपनी बगिया को नयापन दे सकती है। बोगनबेलिया एक ऐसा पौधा है जो बारह महीने खिला रहता है।

नींबू के छिलकों से रंगत निखारें

- त्वचा की रंगत को निखारने के लिए नींबू के छिलकों को पिसकर कच्चे दूध में मिलाकर त्वचा पर लगाएं।
- चेहरे पर धब्बे हो गए हों तो थोड़े से कच्चे दूध में गाजर का रस, 8-10 बूंद संतरे का रस और एक छोटा चम्मच बादाम पाउडर मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरे को साफ पानी से धो लें।
- होंठ अक्सर फटते हों तो स्नान करते समय नाभि में दो-तीन बूंद सरसों का तेल नियमित लगाएं।
- चेहरे पर बहुत ज्यादा चिकनाई रहती हो तो चेहरे की त्वचा पर नींबू के छिलके रगड़ें।
- टमाटर को काटकर चेहरे पर धीरे-धीरे रगड़ने से चेहरे के रोमछिद्रों में छिपी गंदगी व धूल-मिट्टी साफ हो जाएगी और त्वचा पर लाली आएगी।
- यदि आपकी त्वचा ज्यादा ऑयली है, तो त्वचा पर किसी भी तरह के मॉइश्चराइजर का प्रयोग करने के बजाय त्वचा को दिन में कम से कम 3-4 बार साफ पानी से अच्छी तरह अवश्य धोएं।
- यदि आपकी त्वचा नॉर्मल है तो त्वचा में और अधिक निखार लाने के लिए कच्चे दूध में रुई भिगोकर त्वचा को उससे साफ करें और चेहरा साफ पानी से धो लें।
- चेहरे पर खुले रोमछिद्र दिखाई देते हों तो त्वचा को गुलाब जल में नियमित रूप से दिन में 2-3 बार धोएं और रुई में एस्ट्रिन्जेंट लगाकर चेहरा साफ करें। उसके बाद चेहरे पर दो-तीन मिनट तक आइस क्यूब रगड़ें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन का की कू घ ड छ के को हा

विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी कुचता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्कचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

काकुरो पहेली - 2613

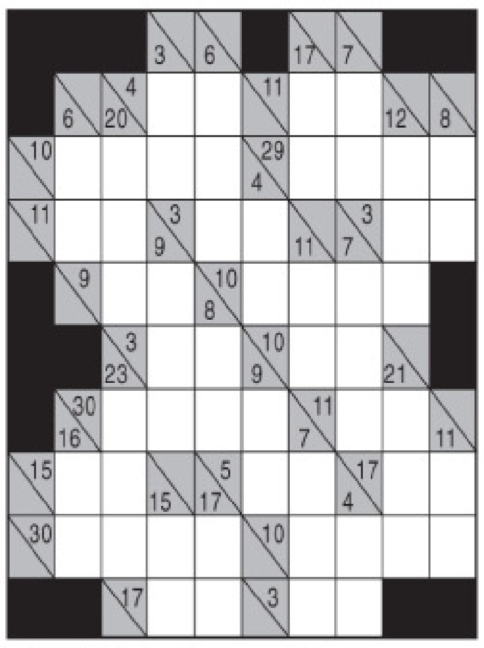

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

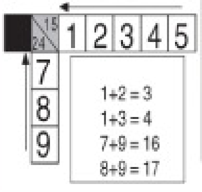

काकुरो - 2612 का हल

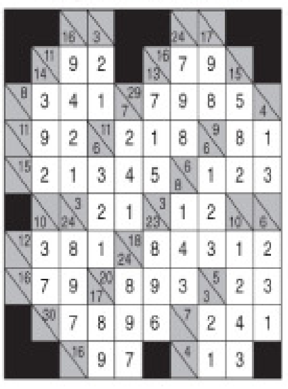

लॉफिंग ज़ोन

अपने पति की हत्या के मामले में कटघरे में खड़ी महिला से न्यायाधिश ने कहा- आपको अपनी सफाई में क्या कहना है?

महिला : मैं क्या कह सकती हूँ, मेरे यहाँ सफाई तो नौकरानी करती है। इस विषय में इससे ज्यादा जानकारी तो वही दे सकती है।

□ □ □

रमन (प्रेमिका) से- गीता, प्लीज मुझसे शादी के लिए हाँ कर दो ना....! मैं तुम्हारी हर छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरी करूँगा।

प्रेमिका बोली- ये सब तो ठीक है, परंतु मेरी उन बड़ी इच्छाओं का क्या होगा? उसे कौन पूरा करेगा दूसरा पति।

□ □ □

एक बार तीन नीग्रो जंगल में जा रहे थे। घने जंगल के रास्ते में उन्हें भगवान मिले। भगवान ने उन्हें एक-एक वरदान माँगने के लिए कहा।

पहला बोला- मुझे गोरा बना दो।

भगवान- तथास्तु।

दूसरा बोला- मुझे भी गोरा बना दो।

भगवान ने कहा- तथास्तु।

अब तीसरे नीग्रो के माँगने की बारी थी। उसने वरदान माँगा- इन दोनों को फिर से काला-काला बना दो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2613

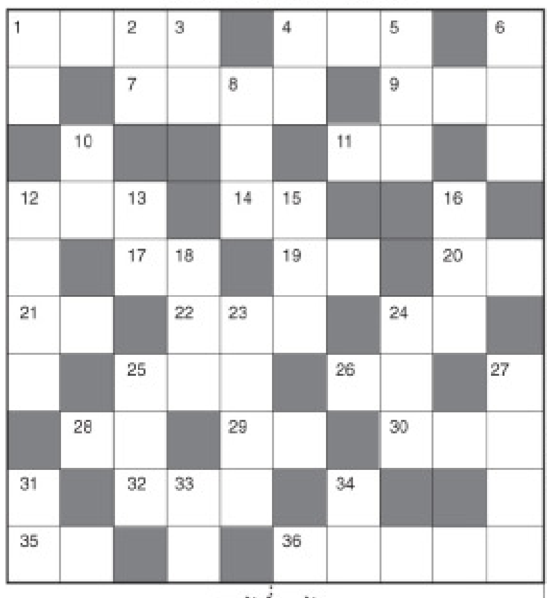

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नहीं' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

फिल्म वर्ग पहेली- 2612

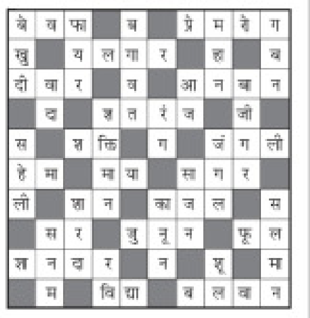

सूडोकु -2613

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2612 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 2613

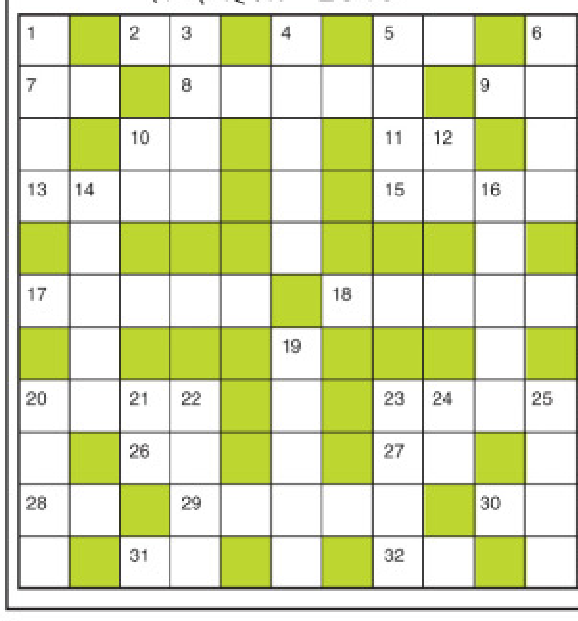

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपूर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -2612 का हल

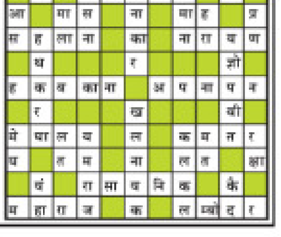

हाथरस भगदड़ मामले में न्यायिक जांच आयोग के समक्ष पेश हुए सूरज पाल

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में सत्संग के दौरान भगदड़ के मामले की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग के समक्ष गुरुवार को सूरज पाल उर्फ भोले बाबा पेश हुए। सूत्रों ने बताया कि न्यायिक आयोग ने सूरज पाल से करीब सवा दो घंटे तक पूछताछ की। इस दौरान सूरज पाल ने करीब एक हजार लोगों के शपथ पत्र आयोग को सौंपे। न्यायिक आयोग के समक्ष सूरज पाल की पेशी के दौरान बाहर उनके अनुयायियों और समर्थकों की भारी भीड़ जुट गयी। इसकी वजह से हजरतगंज इलाके में जाम लग गया। पूरे इलाके में पुलिस की चौकसी है। इस पूरे क्षेत्र को पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर सील कर दिया है। उल्लेखनीय है कि हाथरस में दो जुलाई को सूरज पाल के सत्संग में मची भगदड़ से लोगों की मौत हो गयी थी। योगी सरकार ने जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया था।

मणिपुर के म्यांमार के सीमावर्ती जिलों से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद

इंफाल। मणिपुर में हिंसात्मक गतिविधियों के बीच राज्य भर में सघन छापामारी और तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान म्यांमार के सीमावर्ती जिलों के अलग-अलग स्थानों से सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किये हैं। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान सुरक्षा बलों ने मैगजीन के साथ दो .32 पिस्तौल, मैगजीन के साथ एक 9 मिमी पिस्तौल, दो नंबर 36 हैंड ग्रेनेड, दो इम्प्रोवाइज्ड 2' मोर्टार, 32 जीवित गोला-बारूद, 80 खाली केस गोला-बारूद, पांच आंसू गैस के गोले, दो डब्ल्यूपी ग्रीन नंबर .80 एमके 1, एक रबर बुलेट शेल, एक स्मोक हैंड ग्रेनेड और एक आर्मिंग रिंग और दो रेडियो वायरलेस सेट (बाओफेंग) लंगोल हिल, लुवांगशांगबाम, इंफाल पूर्वी जिले से बरामद किए। एक अन्य तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्वी जिले के चम्फाई हिल से एक एम-16 राइफल बिना मैगजीन, दो एसएलआर बिना मैगजीन, एक .22 राइफल बिना मैगजीन, एक देशी स्टेन गन बिना मैगजीन, दो कार्बाइन और पांच मैगजीन, आठ देशी 9 एमएम पिस्तौल (जिनमें से 3 बिना साइड हैंडग्रिप के), 30 मैगजीन, 12 पीस 2 मोर्टार आईएलयू बम बरामद किया।

अगले पांच वर्षों में देश में 10 नए आयुर्वेद संस्थान खोले जाएंगेः प्रतापराव जाधव

नई दिल्ली। केंद्रीय आयुष मंत्रालय के तहत आने वाले अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) के 8वें स्थापना दिवस के मौके पर केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने कहा कि अगले पांच वर्षों में देश में 10 नए आयुर्वेद संस्थान खोले जाएंगे। इसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की है। एआईआईए में उन्होंने कहा कि आज आयुष मंत्रालय के लिए एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि राष्ट्रपति ने हमारे संस्थान अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान का दौरा किया। आयुर्वेद एक बहुत प्राचीन चिकित्सा प्रणाली है और यह विश्व में बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रही है। आयुष मंत्री ने कहा कि मंत्रालय ने ग्रामीण क्षेत्रों में प्रामाणिक और किफायती आयुर्वेदिक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए 'आयुष औषधि केंद्र' की शुरुआत की है। ऐसे ही एक आयुष औषधि केन्द्र की शुरुआत एआईआईए में की गई है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते जीवन में संतुलित जीवनशैली बनाए रखने और योग का अभ्यास करने का महत्व अत्यधिक है। आयुर्वेद, अपनी समृद्ध धरोहर और समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण के साथ, शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण प्राप्त करने के लिए अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। पर्यावरणीय क्षरण की चुनौती के सामने, आयुर्वेद समग्र समाधान प्रदान करता है जो न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है बल्कि हमारे पर्यावरण की भलाई को भी सुनिश्चित करता है।

हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में भाजपा की शानदार सफलता प्रधानमंत्री मोदी के विजन की जीतः तरुण चुघ

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक जीत के लिए उनकी कार्यकुशलता की सराहना की। चुघ ने जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणामों पर भी टिप्पणी की और कहा कि भाजपा ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में अपनी बढ़ती ताकत और लोकप्रियता का प्रदर्शन किया है।

चुघ ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि 2024 में भाजपा ने अपनी सीट हिस्सेदारी 32 प्रतिशत तक बढ़ाई है, जबकि 2014 में यह 29 प्रतिशत और 2008 में 13 प्रतिशत थी। यह दर्शाता है कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। चुघ ने कहा कि हमारी सीटों में लगातार हो रही यह बढ़त इस बात का प्रमाण है कि जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी के विकास, स्थिरता और प्रगति के विज़न पर भरोसा जताया है।

चुघ ने जम्मू-कश्मीर में भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता के बारे में कहा कि 2024 के चुनाव में भाजपा ने 62 सीटों में से 29 सीटें हासिल कीं, जो 2014 की तुलना में 4 सीटों की बढ़ोतरी है। पार्टी का वोट शेयर भी 22.98 प्रतिशत से बढ़कर 25.64 प्रतिशत हो गया, जो नेशनल कॉन्फ्रेंस के 23.43 प्रतिशत वोट शेयर से अधिक है। भाजपा का वोटर बेस भी बढ़ा है, जो 3.55 लाख वोटों से बढ़कर 14.62 लाख वोट हो गया है, जो पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता और राज्य में मज़बूत पकड़ को दर्शाता है।

ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी भारत के डीएनए में : मुख्यमंत्री

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी भारत के डीएनए में है। अपार संभावनाओं से परिपूर्ण हमारे युवाओं की तरफ पूरी दुनिया नई उम्मीद से देख रही है। निश्चित ही आने वाला समय भारत है। युवा संघर्षों से अपनी राह बनाएं, सफलता कदम चूमेगी।

सीएम योगी गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की तरफ से संचालित महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) के प्रथम बैच के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में ज्ञान, विज्ञान और श्रम की त्रिवेणी अनवरत प्रवाहित है। परंपरा, परिश्रम और प्रगति हमारी प्रवृत्ति का हिस्सा है। यही प्रवृत्ति हमें दुनिया में सबसे विशिष्ट बनाती है। आवश्यकता है खुद को वैश्विक स्तर के अनुरूप खुद को तैयार करने की। हमें अभिभावकों की अपेक्षाओं पर भी खरा उतरना है। इसके लिए छात्र और शिक्षक कदम से कदम मिलाकर चलें। नेशनल-इंटरनेशनल जर्नल्स का नियमित अध्ययन करें और खुद को ई-लाइब्रेरी की तरफ अग्रसर करें।

श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज
माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
गुरूवार, 10 अ र 2024
राणा प्रत परिषद,

उन्होंने कहा कि हमें ऐसी तकनीकी पर ध्यान देना चाहिए जो जीवन को सरल और सहज बनाए, समस्याओं का समाधान करे। ऐसी तकनीकी पर फोकस करने की आवश्यकता है जो प्रकृति के साथ समन्वय बनाकर विकास को नई ऊंचाई पर ले जाए।

रोजगार का बडा हब बन रहा उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश रोजगार का ब?ा हब बन रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश आज के तकनीकी दौर की महत्वपूर्ण जरूरत सेमी कंडक्टर का हब बनने की दिशा में काफी आगे ब? चुका है। इसमें सीधे निवेश के साथ कई गुना चक्रीय निवेश भी हो रहा है। इसके अनुरूप प्रशिक्षित श्रम उपलब्ध कराने के लिए आगे आने की जिम्मेदारी तकनीकी संस्थाओं की है।

एमपीआईटी परिसर में बन रहा पूर्वी यूपी का पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

सीएम योगी ने कहा कि कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनियाभर में विख्यात सिलिकॉन वैली में भारत का दबदबा है और इसमें उत्तर प्रदेश के युवाओं की ब?ी हिस्सेदारी है। सिलिकॉन वैली, हैदराबाद और बेंगलुरु के बाद उत्तर प्रदेश को भी इस दिशा में तीव्रतम गति से आगे ब?ना है। इसी लक्ष्य को लेकर पूर्वी उत्तर प्रदेश का पहला स्टेट ऑफ आर्ट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) में स्थापित हो रहा है। विश्व स्तरीय मानक के अनुरूप यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पूर्वी उत्तर प्रदेश के पंद्रह अन्य तकनीकी शिक्षण संस्थानों के लिए भी महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया किएमपीआईटी परिसर के अलग-अलग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड थ्री डी प्रिंटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी, समेत कई एकीकृत पाठ्यक्रम भी संचालित होंगे। ग्लोबल स्टैंडर्ड के पाठ्यक्रम से जु?कर विद्यार्थी यहां प्रोफेशनल सर्टिफिकेट कोर्स, माइनर डिग्री कोर्स और एडवांस कोर्स के जरिये खुद को संबंधित उद्योग-सेवा के क्षेत्र के अनुरूप तैयार कर सकेंगे।

पटना-गया रेलखंड पर दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बची इस्लामपुर-हटिया एक्सप्रेस

एजेंसी

पटना। रेलगाड़ी संख्या 18623 इस्लामपुर-हटिया एक्सप्रेस ट्रेन बीती देर रात करीब 12.15 बजे पटना-गया रेलखंड के बेलागंज-नेयामतपुर रेलवे स्टेशन के बीच पिलर संख्या 75/05 के पास दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बच गई। इस संबंध में जहानाबाद रेल थाना अध्यक्ष दीप नारायण यादव ने बताया कि बुधवार की देर रात करीब सवा बारह बजे यह घटना हुई है। उन्होंने बताया कि अज्ञात लोगों द्वारा रेल पटरी में बिछाये गये सीमेंट ब्लॉक्स स्लीपर को उठाकर रेल लाइन पर रख दिया गया था। हालांकि, ड्राइवर ने उसे देख लिया और इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका लेकिन ट्रेन रुकते-रुकते इंजन स्लीपर में जा टकराया। इस दौरान रेल यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि रेल पटरी से स्लीपर हटाकर रेल परिचालन शुरू कराया गया। इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ स्थानीय थाना बेलागंज में एफआईआर दर्ज कराई गई गयी है। इधर, घटना की छानबीन करते हुए रेल पुलिस की टीम भी लगातार छापेमारी कर रही है।

रतन टाटा का नाम भारत रत्न के लिए प्रस्तावित, महाराष्ट्र सरकार का फैसला

एजेंसी

मुंबई। उद्योगपति पद्म विभूषण रतन टाटा को उनकी उपलब्धियों के लिए भारत रत्न से सम्मानित करने का प्रस्ताव गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में सर्व सहमति से पारित किया गया है। इस प्रस्ताव में केंद्र सरकार से रतन टाटा को भारत रत्न दिए जाने की सिफारिश की गई है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज हुई कैबिनेट की बैठक में पद्म विभूषण रतन टाटा के निधन पर शोक प्रस्ताव पेश किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने रतन टाटा को भारत रत्न दिए जाने का अनुरोध करने का प्रस्ताव कैबिनेट में पेश किया। मुख्यमंत्री ने इस प्रस्ताव को पेश करते हुए कहा कि रतन टाटा का योगदान देश के विकास में अभूतपूर्व था। वह महाराष्ट्र के बेटे थे। रतन टाटा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी और भारत की पहचान बनाई। आजादी के बाद देश के पुनर्निर्माण में टाटा समूह ने प्रमुख भूमिका निभाई। इस समूह के माध्यम से रतन टाटा ने वैश्विक स्तर पर भारत का परचम लहराया। कारों से लेकर नमक तक और कंप्यूटर से लेकर कॉफी-चाय तक, टाटा का नाम कई उत्पादों के साथ गर्व से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रतन टाटा ने शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज सेवा के क्षेत्र में भी अपना अद्वितीय योगदान दिया। मुंबई पर 26/11 हमले के बाद उनकी दृढ़ता के लिए उन्हें याद किया जाएगा। रतन टाटा ने कोविड के दौरान तुरंत पीएम रिलीफ फंड में 1500 करोड़ रुपये दिए। साथ ही अपने अधिकांश होटलों को कोविड के दौरान मरीजों के लिए उपलब्ध कराया। उनकी महानता सदैव याद रखी जायेगी। उनमें नवप्रवर्तन और परोपकारिता का अद्वितीय समन्वय था। उन्होंने अपने 'टाटा मूल्यों' से कभी समझौता नहीं किया। वह युवाओं के बीच उपलब्धि और प्रयोग को प्रोत्साहित करने में हमेशा आगे रहते थे। उन्होंने गढ़चिरौली जैसे दूरदराज के इलाकों में युवाओं को अवसर और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए एक नवाचार केंद्र शुरू किया। हमें उन्हें महाराष्ट्र सरकार का पहला 'उद्योग रत्न' पुरस्कार प्रदान करने का सौभाग्य मिला। उनके मार्गदर्शन से महाराष्ट्र को सदैव लाभ हुआ है। रतन टाटा के निधन से हमारे देश और महाराष्ट्र को अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी इन महान उपलब्धियों को देखते हुए हम भारत सरकार से उन्हें भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किए जाने का अनुरोध करते हैं।

रामगढ़ में एनएच-33 पर चावल लदे ट्रक ने चार बच्चियों को रौंदा, तीन की मौत, एक गंभीर

एजेंसी

रामगढ़। रामगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर एक बार फिर एक अनियंत्रित ट्रक ने कहर बरपाया है। महाअष्टमी के दिन महामाया दरबार में पूजा करने जा रही चार बच्चियों को अनियंत्रित ट्रक ने रौंद दिया। इस हादसे में तीन बच्चियों की मौत हो चुकी है। एक अन्य की हालत भी नाजुक बनी हुई है। यह घटना गुरुवार को पटेल चौक, मुर्रामकला गांव के समीप हुई है। घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, अंचल अधिकारी सुदीप एक्का, रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार मौके पर पहुंचे और राहत बचाव कार्य शुरू कराया है। जानकारी के अनुसार मुर्रामकला गांव की ही कुछ बच्चियां महाअष्टमी के दिन पूजा करने के लिए घर से निकली थी। राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर चढ़ने के दौरान ही तेज गति से आ रहे चावल लदा ट्रक (यूपी 44 एटी 2365) उन लोगों पर ही पलट गया। इस हादसे में घटनास्थल पर ही एक बच्ची मनीषा कुमारी की मौत हो गई। दो अन्य बच्चियों की मौत सदर अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। एक अन्य गंभीर रूप से घायल बच्चे का इलाज चल रहा है। सभी बच्चों की उम्र 12 से 15 वर्ष के बीच की है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि गुरुवार की सुबह रॉबिन होटल के पास एक टेलर ने एक युवक को रौंद दिया था। उस हादसे के बाद सड़क पूरी तरीके से जाम थी। पुलिस जाम हटवा रही थी। इसी दौरान रांची की तरफ से आ रहे ट्रक का चुटूपालू घाटी में ब्रेक फेल हो गया। घाटी से उतरते ही उसकी रफ्तार इतनी तेज हो गई कि ड्राइवर का नियंत्रण ही उसपर नहीं रहा। मुर्रामकला गांव के समीप एनएचएआई का सर्विस रोड है। उस रोड से मुख्य सड़क पर चढ़ रही बच्चियों के ऊपर अनियंत्रित ट्रक पलट गया।

टेली मानस की दूसरी वर्षगांठ पर वीडियो कॉल सुविधा की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। आज विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस है। आज टेली मानस के दो साल पूरे भी हो रहे हैं। गुरुवार को इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव आराधना पटनायक ने टेली मानस मोबाइल जियो ऐप और टेली मानस वीडियो कॉल सुविधा लॉन्च की। इस कार्यक्रम के दौरान विश्व स्वास्थ संगठन टेली मानस मूल्यांकन रिपोर्ट और कर्मचारियों के लिए एक सेल्फकेयर मॉड्यूल भी लॉन्च किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव सौरभ जैन, भारत में संगठन के प्रतिनिधि डॉ. रोडेरिको ऑफ्रिन और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। हेल्पलाइन टेली मानस एक नया मोबाइल एप्लिकेशन है जिसका काम किसी प्रकार की मानसिक परेशानी से जूझ रहे लोगों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करना है। यह ऐप अपने यूजर्स को तनाव, चिंता और अवसाद से निपटने में मदद करने के लिए बनाया गया है।

कांग्रेस ने ईवीएम पर उठाए सवाल, भाजपा ने बताया इसे चुनाव आयोग जैसी सवैधानिक संस्थाओं को नीचा दिखाने की कोशिश

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के नतीजे को लेकर कांग्रेस ने ईवीएम पर सवाल उठाए हैं। इसको लेकर कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को शिकायत पत्र भी सौंपा है। इस पर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए इसे चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को नीचा दिखाने की कोशिश करार दिया है। नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत में भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि भारत के चुनाव आयोग ने हर नागरिक को गौरवान्वित किया है। राहुल गांधी और विपक्ष भी कुछ जिम्मेदारी के साथ काम करना चाहिए। जब कांग्रेस जीतती है, तो ईवीएम 'उत्कृष्ट वोटिंग मशीन' होती हैं, लेकिन जब वे हारते हैं, तो ईवीएम 'दुष्ट वोटिंग मशीन' नहीं बन जाती हैं। यह लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं है। गौरव भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस हर संवैधानिक प्राधिकरण की विश्वसनीयता को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं, जिस पर वे हमला कर सकते हैं। हरियाणा के चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद राहुल गांधी की प्रतिक्रिया देखकर हम सभी हैरान हैं। उनका कहना है कि नतीजे अप्रत्याशित हैं। जम्मू-कश्मीर में जहां भारत गठबंधन है, वह कहते हैं कि यह हमारे लोकतंत्र की जीत है। ये दोहरे मानदंड और पाखंड क्यों हैं? उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी कि विपक्ष के नेता के रूप में, पूरे देश को शर्मिंदा न करें, जिम्मेदार बनें और हार स्वीकार करें।

उप्रः डीएसपी जियाउल हक हत्याकांड में 10 को उम्रकैद की सजा

लखनऊ। लखनऊ की सीबीआई कोर्ट ने बहुचर्चित पुलिस उपाधीक्षक जियाउल हक की हत्या में आरोपित बनाये गये फूलचंद यादव, पवन यादव, मंजीत यादव, घनश्याम सरोज, राम लखन गौतम, छोटेलाल यादव, राम आसरे, मुन्ना पटेल, शिवराम पासी, जगत बहादुर पाल उर्फ बुल्ले पाल को उम्रकैद की सजा सुनाई है। वर्ष 2013 में प्रतापगढ़ जनपद के कुंडा सर्किल में पुलिस उपाधीक्षक पद पर तैनात जियाउल हक की लाठी डंडे से पीटकर हत्या कर दी गयी थी। जियाउल हक की हत्या कांड में आरोपितों पर 15-15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। जुर्माने की प्राप्त राशि में से 50 फीसदी जियाउल हक की पत्नी परवीन को देय होगा। गौरतलब है कि नन्हे यादव केस में जियाउल हक अपने कार्य दिवस के दिन उस गांव में पूछताछ के लिए गये थे, जहां नन्हे की मौत हुई थी।

कोलकाता में जूनियर डॉक्टरों का प्रदर्शन : पुलिस ने 9 लोगों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता में जूनियर डॉक्टरों के आंदोलन ने जोर पकड़ लिया जब पुलिस ने पूजा मंडप में नारेबाजी के आरोप में 9 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इन सभी को लालबाज़ार थाने ले जाया गया, जिससे डॉक्टरों की नाराजगी बढ़ गई है। जूनियर डॉक्टरों ने इसके खिलाफ धर्मतला स्थित अनशन स्थल से लालबाज़ार तक मार्च निकालने का फैसला किया।

हालांकि, पुलिस ने पहले ही बेंटिंक स्ट्रीट और लालबाज़ार के रास्ते में बैरिकेड्स लगा दिए, जिससे मार्च को रोक दिया गया। जूनियर डॉक्टरों ने अभया परिक्रमा नामक कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसमें वे प्रतीकात्मक रूप से आर.जी. कर अस्पताल और जयनगर की पीड़िता की मूर्ति को वाहन में लेकर पूजा मंडपों का दौरा करने वाले थे। कार्यक्रम के तहत, वे तृणमूल विधायक देवाशीष कुमार के नाम से जुड़े त्रिधारा समिति के पूजा मंडप में पहुंचे, जहां उन्होंने न्याय की मांग को लेकर नारेबाजी की। जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही अन्य आंदोलनकारी लालबाज़ार की ओर कूच करने लगे। लेकिन पुलिस ने बेंटिंक स्ट्रीट पर ही बैरिकेड्स लगा दिए और लालबाज़ार की ओर जाने वाले रास्ते पर बसें खड़ी कर दीं, जिससे डॉक्टर वहीं धरने पर बैठ गए और नारेबाजी शुरू कर दी। आंदोलनकारियों का कहना है कि उनकी परिक्रमा के दौरान मिनीडोर वाहन को चांदनी चौक के पास पुलिस ने अवैध रूप से रोक दिया। जब पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया तो जूनियर डॉक्टर मौके पर पहुंच गए और पुलिस के साथ तीखी बहस हुई। पुलिस का कहना था कि उनके पास वाहन चलाने की अनुमति नहीं थी, जबकि डॉक्टरों का दावा था कि यह वाहन वैध रूप से किराए पर लिया गया था। इस दौरान काफी लोग वहां जुट गए, और सेंट्रल एवेन्यू की सड़कों पर यातायात पूरी तरह से ठप हो गया।

ईवीएम मे गड़बड़ी की शिकायतों का पुलिंदा लेकर चुनाव आयोग पहुंची कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल हरियाणा में हुई मतगणना से जुड़ी शिकायतों को लेकर चुनाव आयोग मिला। पार्टी ने अन्य विषयों के साथ आयोग से ईवीएम बैटरी का मुद्दा उठाया। पार्टी का कहना है कि आयोग ने उनकी शिकायतों को सुना और उचित कार्रवाई का वादा किया है। चुनाव आयोग कार्यालय के बाहर पत्रकारों को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि उनके पास 20 विधानसभा क्षेत्रों से मतगणना से जुड़ी शिकायतें मिली है। इनमें से 7 क्षेत्रों से जुड़ी शिकायतों पर आज पार्टी ने आयोग को लिखित दस्तावेज मुहैया कराए हैं। बाकी शिकायतों को लेकर भी जल्द ही पार्टी आयोग से दोबारा मिलेगी। पवन खेड़ा ने कहा कि सात विधानसभा क्षेत्रों करनाल, डबवाली, रेवाड़ी, पानीपत सिटी, होडल, कालका और नारनौल से ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायतें मिली हैं। कुछ ईवीएम में बैटरी 90 प्रतिशत थी और बाकी में बैट्ररी सामान्य थी, जिनमें बैटरी 90 प्रतिशत थी, उसमें भाजपा को जीत मिली है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त शेष बची 13 शिकायतों को लेकर 48 घंटे के भीतर चुनाव आयोग उपलब्ध करा देंगे। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष उदयभान, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, अजय माकन भी शामिल थे। इसके अलावा अभिषेक मनु सिंघवी ऑनलाइन जुड़े थे। पवन खेड़ा ने कहा कि चुनाव आयोग को हमने शिकायतें दी हैं और आयोग ने कहा कि वे इन शिकायतों के बारे में लिखित जवाब देंगे। आयोग के समक्ष हमने मांग की है कि जिन ईवीएम की शिकायतें मिली है उनको सील किया जाए जब तक कि इसकी जांच नहीं हो जाती। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान ने कहा कि ऐसी शिकायतें हैं कि जहां पर ईवीएम में 90 प्रतिशत से ज्यादा बैटरी ईवीएम हैं वहां पर भाजपा जीत रही है। जहां के ईवीएम में 60 से 70 प्रतिशत बैटरी दिखा रहीं थी, वहां पर भाजपा नहीं जीत रही है। हमने मतदान के दौरान वीवीपैट की पर्चियां मिलाने की मांग की लेकिन उसे स्वीकार नहीं किया गया।हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुडा ने कहा कि हरियाणा का परिणाम सभी के लिए आश्चर्यजनक है। सभी कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी कर रहे थे।

किसानों के खिलाफ दर्ज 25 एफआईआर रद्द : गुरमीत सिंह खुड्डियां

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के कृषि और किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि पंजाब सरकार ने पहले ही किसानों के खिलाफ दर्ज 25 एफ.आई.आर. रद्द कर दी हैं। उन्होंने किसान यूनियन नेताओं को भरोसा दिया कि कुछ ओर एफ.आई.आरज भी प्रक्रिया के अंतर्गत हैं। गुरमीत सिंह खुड्डियां ने आज यहां पंजाब भवन में मुख्य सचिव श्री अनुराग वर्मा, स्पेशल डी.जी.पी. (कानून और व्यवस्था) अर्पित शुक्ला और राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित भारतीय किसान यूनियन (उगराहां) और पंजाब खेत मजदूर यूनियन के नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य पंजाब कृषि नीति संबंधी उनकी चिंताओं के बारे में जानना और सुझाव लेना था। इस बैठक में बी.के.यू. (उगराहां) के प्रधान जोगिंदर सिंह उगराहां के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ, जिसमें जोरा सिंह नसराली, लछ्मन सेवेवाला, झंडा सिंह जेठूके और सुखदेव सिंह कोकरी कलां शामिल थे। उन्होंने मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा कृषि संबंधी दीर्घकालिक मुद्दों को हल करने के लिए तैयार की गई व्यापक पंजाब कृषि नीति की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने नीति में प्रस्तावित नवीनतम उपायों की सराहना की, जिसमें फसली विविधता को प्रोत्साहित करना, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) के लिए कानूनी गारंटी प्रदान करना, किसानों के लिए ऋण के एकमुश्त निपटारे की पेशकश, छोटे किसानों और खेत मजदूरों के लिए पेंशन योजना शुरू करना, छोटे किसानों और खेत मजदूरों के लिए पेंशन योजना शुरू करना छोटे और सीमांत किसानों के लिए विशेष ऋण माफी सहित अन्य पहल शामिल हैं। कृषि मंत्री ने किसान नेताओं को भरोसा दिया कि कृषि नीति संबंधी उनके द्वारा दिए गए सुझावों पर गौर से विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के साथ सलाह-मशवरा के बाद जल्द ही इस नीति को अंतिम रूप दिया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को मगनरेगा श्रमिकों की हाजिरी संबंधी मुद्दे को त्वरित हल करने की हिदायत देते हुए कृषि मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सहकारी बैंकों के ऋण चुकाने में असमर्थ किसानों के लिए एकमुश्त निपटारा (ओ.टी.एस.) योजना की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए भी कहा। इस बैठक में सचिव वित्त दीपर्वा लाकरा, कृषि कमिश्नर मिस नीलिमा, पंजाब राज्य किसान और कृषि श्रमिक कमिशन के चेयरमैन डॉ. सुखपाल सिंह, ए.आई.जी. इंटेलिजेंस संदीप गर्ग, निदेशक कृषि जसवंत सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

PUNJAB BHAWAN CHANDIGARH

बच्चों के लिए स्कूल में स्पोर्ट्स खेलना जरूरी होता है क्योंकि यह कई तरह से उन्हें फायदा पहुंचाता है।

बच्चे के स्कूल में जरूर होनी चाहिए स्पोर्ट्स फैसलिटी

सिर्फ काम और खेलकूद नहीं, ऐसे तो बच्चा सुस्त बन जाएगा। स्पोर्ट्स से दूर रहने से इंसान फिट नहीं रह पाता है और स्ट्रेस में रहता है और बोरिंग भी बन जाता है। स्पोर्ट्स सिर्फ एंटरटेनमेंट या मजे के लिए ही नहीं होते हैं बल्कि इससे मेंटल और फिजिकल हेल्थ को भी बहुत फायदे मिलते हैं। इसलिए मेंटली और फिजिकली फिट रहने के लिए आपको स्पोर्ट्स को अपनी आदत में शुमार करना चाहिए। अगर आप भी पेरेंट हैं, तो अपने बच्चे को स्पोर्ट्स में हिस्सा लेने के लिए कहें और स्कूल में भी स्पोट्स पर जोर देने की बात करें।

लीडरशिप स्किल्स आते हैं

स्पोर्ट्स से बच्चे में अपनी टीम का नेतृत्व करने का गुण विकसित होता है। इस प्रक्रिया के दौरान बच्चे में निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। लीडर बनकर बच्चा अपनी टीम के साथ कोऑर्डिनेट करना और सलाह देना और लेना सीखता है। बच्चे को अपनी कमजोरी और ताकत का भी पता चलता है जिससे वो समय के साथ बेहतर होता जाता है।

फिजिकल ग्रोथ होती है

फिजिकल एक्टिविटी और एक्सरसाइज से बच्चे की मांसपेशियों और हड्डियों के विकास को बढ़ावा मिलता है। स्पोर्ट्स खेलने वाले बच्चे अच्छी डाइट भी लेते हैं जिससे उनकी सेहत और एनर्जी लेवल अच्छा रहता है। हेल्दी आदतों से कोशिकाओं और हार्मोस का लेवल भी संतुलित रहता है। अगर बच्चा फिजिकली फिट होगा, तो वो अपनी पढ़ाई पर भी अच्छे से ध्यान दे पाएगा।

अच्छी नींद आती है

खेलकूद के बाद बॉडी धीरे-धीरे नींद लाने वाले हार्मोस को ट्रिगर करता है। ये हार्मोस शरीर को आराम देते हैं जिससे अच्छी नींद आती है। अगर बच्चा ठीक से सोएगा नहीं, तो उसे स्कूल में सुस्ती आएगी और वो पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाएगा। इसलिए बच्चों के लिए स्पोर्ट्स जरूरी हैं।

आत्मविश्वास बढ़ता है

गेम में बच्चे को अपनी ताकत और क्षमता के बारे में पता चलता है। इससे बच्चा खुद को दूसरों से बेहतर और अलग मानता है। अपनी ताकत को जानकर बच्चे का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। जब टूर्नामेंट में बच्चे की तारीफ की जाती है, तो इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ता है और वो नई चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर पाता है।

टीम में रह कर काम करना

स्पोर्ट्स से बच्चा अपने साथियों के साथ को-ऑर्डिनेट करना सीखता है। एक टीम में अलग-अलग जेंडर, कास्ट, रंग और धर्म के लोग मिलते हैं। यहां बच्चा हर किसी के साथ काम करना और उसका आदर करना सीखता है। उसे कुछ क्रिएटिव और स्मार्ट स्किल्स भी सीखने को मिलते हैं। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए स्पोर्ट्स कितना जरूरी है। इसका बच्चों को कई तरह से फायदा मिलता है जैसे कि वो फिजिकली फिट बनते हैं और कई तरह के स्किल्स भी सीखते हैं। अगर स्कूल में स्पोर्ट्स नहीं है तो आप स्कूल के स्टाफ से बात करें या आप बच्चे को स्कूल के बाहर किसी एकेडमी में भी कोई स्पोर्ट्स ज्वॉइन करवा सकते हैं।

बच्चों की काबिलियत पर ध्यान दें अभिभावक

माता-पिता बच्चे के जन्म के साथ ही उसके बहुत बड़े अधिकारी बनने के ख्वाब पाल लेते हैं। कई बार तो ये अभिभावक बच्चों की काबिलियत पर भी ध्यान नहीं देते। बड़े अधिकारी का बेटा भी पढ़ाई में बहुत अच्छा होगा, ये जरूरी नहीं है। ऐसे में उस बच्चे से तमाम उम्मीदें बांधना बच्चे के ऊपर कितना बड़ा मानसिक बोझ है!

बच्चों को घर पर छोड़कर आए एक दंपति ने सामने वालों के घर पहुंचते ही कहा कि बच्चे पढ़ने में बिजी हैं, इसलिए खाने पर हम दोनों ही आ गए। बातों ही बातों में उन वैज्ञानिक पति और लेक्चरर पत्नी ने यह भी कह दिया कि आप लोगों ने तो मामूली सरकारी नौकरी की है इसलिए आप लोगों की बात अलग है। लेकिन हम आज जिस मुकाम पर है, उस हिसाब से हमने अपने बच्चों के लिए भी कुछ बेंच मार्क्स तय किए हैं। ताकि वह हमसे भी ज्यादा ऊंचे ओहदे पर पहुंचे!

केस 2

'अरे साब! क्या बात कर रहे हैं, आप तहसीलदार हैं तो रोहित डिप्टी कलेक्टर बनेगा ही। नाक कटवाएगा क्या पिता की'? उधर, तहसीलदार पिता, अपने चापलूस मित्र की बात पर केवल खिसियानी हंसी हंस रहे थे, वे ये नहीं कह पाए कि उनका बेटा अपनी काबिलियत, अपनी रुचि के हिसाब से जो बनना चाहेगा, वही बनेगा। लेकिन बेटा सहम गया। उसे तो सिर्फ उसके आगे आने वाले समय की चिंता थी।

केस 3

'क्यों रोहन, तुम्हारे पापा शहर के इतने बड़े डॉक्टर हैं, और तुम्हें जरा भी नहीं लगता कि अपने पापा की तरह बनो? उनकी तरह क्या, तुम्हें उनसे चार कदम आगे निकलकर दिखाना होगा न'? तुम्हारे दादा होम्योपैथी के डॉक्टर थे और तुम्हारे पापा ने मेडिसिन में नाम कमाया। जरा मन लगाकर पीएमटी की तैयारी करो। रोहन, जिसे मैथ्स, फिजिक्स जैसे विषयों में दिलचस्पी है, पिता के प्रभाव के आगे कुछ बोल नहीं पा रहा था। हां, मगर चिंता में जरूर पड़ गया कि यदि मैं डॉक्टर नहीं बन पाया तो?

ये किस्सा केवल रोहित या रोहन का नहीं है, बल्कि हमारे समाज के अधिसंख्य बच्चों का है, जिनके माता-पिता बच्चे के जन्म के साथ ही उसके बहुत बड़े अधिकारी बनने के ख्वाब पाल लेते हैं। कई बार अधिकारी का बेटा भी पढ़ाई में बहुत अच्छा होगा, ये जरूरी नहीं है। ऐसे में उस बच्चे से तमाम उम्मीदें बांधना बच्चे के ऊपर कितना बड़ा मानसिक बोझ है! बच्चा ऐसी इच्छाएं सुनकर ही दहशत में आ जाता है। पढ़ाई के बोझ के साथ-साथ मां-बाप का नाम रोशन करने का बोझ उठाए, न ठीक से पढ़ाई कर पाता है, न ही दिमागी सुकून मिल पाता है उसे। पढ़ाई के समय ये तनाव बच्चों के ऊपर जबर्दस्त तरीके से सवार होता है। इस तनाव के शिकार बच्चे का तो? जैसी चिंता पर ज्यादा केंद्रित रहता है। नतीजतन, न पढ़ाई हो पाती है, न आराम और न ही अगला पेपर अच्छा हो पाता है।

रिसर्च में भी खुलासा

अमेरिका के मियामी विश्वविद्यालय की एक रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 1970 के बाद से बच्चों के प्रति जिस प्रकार अभिभावकों की अपेक्षाएं बढ़ रही हैं, उनसे बच्चों में तनाव का आंकड़ा आश्चर्यजनक रूप से बढ़ा है। प्रो.जेफरी पी.बोस्को का कहना है कि यह ग्राफ वर्ष 70 से लेकर 2000 के बीच में करीब 17 प्रतिशत तक बढ़ा, जो रहा है। अभिभावकों में बच्चों को पूरे समय पढ़ाते/पढ़ते देखने की अजीबोगरीब रुचि पैदा हो गई है। अधिकांश अभिभावक स्कूल में भी ये शिकायत करते मिल जाएंगे-क्या करें पढ़ता ही नहीं है, टीवी देखता है। अब यदि बच्चे को हर वक्त पढ़ाई में ही जुटा देखने की चाहत अभिभावक की होगी तो उन्हें क्या लगता है, बच्चे सचमुच पढ़ रहे होंगे? ना, बिल्कुल नहीं। पढ़ाई में मन लगने का भी एक निश्चित है, पढ़िए, जैसे ही मन उचाट हो, किताब बंद कर दीजिए क्योंकि बिना मन के पढ़ाई होगी ही नहीं। मजे की बात, मां-बाप का, बच्चे को खुद से बेहतर बनाने का दवाब अधिकांशत: लड़कों पर ही होता है। इस दवाब की शिकार फिलहाल लड़कियां नहीं हैं। इसके पीछे वही सोच काम कर रही होती है कि लड़की को तो दूसरे के घर जाना है, सो उनका नाम तो लड़के को ही रोशन करना है, तब पूरा ध्यान लड़के पर ही लगाया जाए।

दसवीं का एक बच्चा, जो शाम की क्लास में आता है, उसे मैथ्स नहीं पढ़ना। सबसे कम नंबर उसके मैथ्स में ही आते हैं जबकि दूसरे माता-पिता उसे बहुत बड़ा इंजीनियर बनाना चाहते हैं और बच्चा अभी से तनाव में है कि यदि उसे किसी भी प्रकार से मैथ्स दिला दी गई, तो वह कैसे पढ़ेगा?

बच्चों की मानसिकता समझें

पिछले दिनों अखबारों में कई समाचार आए बच्चों द्वारा आत्महत्या किए जाने के। सामान्य तौर पर हमारी प्रतिक्रिया होती है-'अरे! पेपर अच्छा नहीं हुआ था तो उसमें मरने की क्या बात? लेकिन ये हम या आप कह रहे होते हैं न? उस बच्चे पर इस इम्तिहान को लेकर, संबंधित विषय को लेकर घर वालों का कितना दवाब रहा होगा, ये उसकी आत्महत्या से हम समझ सकते हैं। मरना बहुत आसान नहीं होता। एक बच्ची ने आत्महत्या के अपने नोट में लिखा- मेरी अंग्रेजी बहुत कमजोर है। मैं इस विषय में पास नहीं हो पाऊंगी। सोचिए उस बच्ची पर अंग्रेजी का कैसा दवाब रहा होगा? तो माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों की रुचियों का ध्यान रखें और उन्हें अपनी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ने को न केवल प्रोत्साहित करें, बल्कि मौके भी तलाशें। आज चुनिंदा विषय नहीं रह गए हैं पढ़ने को, न ही चुनिंदा राहें। हर विषय के बच्चों के लिए काम के पर्याप्त मौके हैं। बच्चों को उनके अपने सपने पूरे करने दें, उनमें अपना सपना साकार न करें। हमारी ये सोच शायद उन्हें तनावमुक्त कर सकें।

अपनी स्किन प्रॉब्लम के हिसाब से बेसन में मिलाकर लगाएं ये चीजें

मौसम भले कोई भी हो स्किन से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। मगर अक्सर लड़कियां स्किन प्रॉब्लम्स के हिसाब से सही चीजें नहीं चुनती है। इसके कारण समस्या वहीं की वहीं रहती है। वैसे तो स्किन संबंधी समस्याओं से आराम पाने के लिए बेसन का इस्तेमाल करना बेस्ट माना गया है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे बताते हैं कि जिसे आप बेसन में मिलाकर लगाने से फायदा मिलेगा। जानते हैं उन होममेड फेसपैक के बारे में...

ऑयली स्किन के लिए बेसन और टमाटर फेसपैक

ऑयली स्किन टाइप वाली लड़कियों को बेसन और टमाटर का फेसपैक लगाना चाहिए। यह चेहरे से एक्स्ट्रा ऑयल साफ करके त्वचा की रंगत निखारने में मदद करता है। इससे चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, सनटैन की समस्या दूर होने में मदद मिलती है।

ऐसे करें इस्तेमाल

इसके लिए 1 टमाटर को ब्लेंड करके पेस्ट बनाएं। फिर इसमें जरूरत अनुसार बेसन, कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट या सूखने के बाद फेसपैक को हल्के हाथों से स्क्रब करते हुए उतारे। बाद में ताजे पानी से मुंह धो लें।

दाग-धब्बे हटाने के लिए बेसन और हल्दी फेसपैक

अगर आप चेहरे पर पड़े दाग-धब्बे, कील-मुंहासे आदि से परेशान है तो बेसन में हल्दी मिलाकर लगाएं। इससे स्किन संबंधी समस्याएं दूर होकर चेहरा साफ, निखरा, मुलायम व जवां नजर आएगा। साथ ही त्वचा की रंगत निखरेगी।

ऐसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन, चुटकीभर हल्दी और जरूरत अनुसार गुलाब जल या पानी मिलाएं। अब इसे चेहरे व गर्दन पर 10-15 मिनट तक लगाएं। बाद में इसे पानी से साफ करके मॉश्चराइजर लगा लें।

झुर्रियां दूर करने के लिए बेसन और दही फेसपैक

झुर्रियों को कम करने के लिए दही और बेसन का फेसपैक बेस्ट माना जाता है। यह ढीली पड़ी स्किन को टाइट करने उसे ग्लोइंग बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही यह त्वचा को नमी देकर बुढ़ापे के लक्षण करता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन और जरूरत अनुसार दही मिलाएं। इसे हल्के हाथों से चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20-30 मिनट के बाद चेहरा धो लें।

ग्लोइंग स्किन के लिए बेसन और शहद फेसपैक

सनटैन से खराब हुई स्किन पर निखार वापस लाने के लिए आप बेसन और शहद का फेसपैक लगा सकती है। बेसन स्क्रब की तरह काम करके डेड स्किन सेल्स को साफ करता है। वहीं शहद क्लींजिंग एजेंट की तरह काम करके ग्लो लाने में मजज करता है। इसके साथ ही त्वचा में होने वाली जलन, खुजली व रूखापन दूर होगा।

ऐसे करें इस्तेमाल

इसके लिए एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन और जरूरत अनुसार शहद मिलाएं। इसे चेहरे व गर्दन पर स्क्रब करते हुए लगाएं। 15-20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में इसे पानी से साफ कर लें।

मानसून में बनाएं कॉर्न चाट

मानसून में गर्मा-गर्म भुट्टा तो आपने बहुत खाएं होंगे। मगर आज हम आपके लिए खास स्वीट कॉर्न चाय रेसिपी लेकर आए है। इसे आप अपनी मनपसंद सब्जियों से बना सकती है। वहीं स्वीट कॉर्न पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सडीटेंस गुणों से भरपूर होती है। ऐसे में इसका सेवन करने से टेस्ट के साथ सेहत भी बरकरार रहेगी। जानते हैं इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

फोजन कॉर्न (उबले)- 900 ग्राम, मिर्च पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच, भुना जीरा पाउडर - 2 छोटे चम्मच
नमक- आवश्यकता अनुसार, शिमला मिर्च - 2
नींबू का रस -2 बड़े चम्मच, धनिया - 2 बड़े चम्मच
काली मिर्च - 1/2 छोटा चम्मच
काला नमक - 1 छोटा चम्मच, टमाटर - 1 कप
प्याज - 1, तेल- आवश्यकता अनुसार

विधि

- एक बाउल में सभी मसाले मिलाएं।
- अलग बाउल में सब्जियां काट कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके मीडियम आंच पर कॉर्न फ्राई करें।
- अब कॉर्न को सब्जियों में मिलाएं।
- इसमें मसाला, नींबू का रस मिलाएं।
- चाट को सर्विंग प्लेट में निकाल कर धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

बच्चों के लिए बनाएं क्रिस्पी चीजी रैप

चीज से आपने बर्गर, पिज्जा तो बहुत खाया होगा। वहीं बच्चों को तो चीज बेहद ही पसंद होता है। चीज प्रोटीन से भरपूर होता है। यह खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत को दुरुस्त रखने में मदद करता है। ऐसे में हम आपके लिए खास चीजी रैप की रेसिपी लेकर आए है।

सामग्री

उबले मैश्ड आलू- 1,1/2, प्याज- 1 (बारीक कटा)
शिमला मिर्च- 1 (बारीक कटी),
चिली फ्लेक्स- 1 छोटा चम्मच,
ऑरिगेनो- 1/2 छोटा चम्मच, ब्रेड स्लाइस- 4,
चीज- 2 बड़े चम्मच (कद्दूकस किया)
नमक- स्वाद अनुसार, तेल- आवश्यकता अनुसार

विधि

- एक बाउल में आलू, प्याज, शिमला मिर्च, चिली फ्लेक्स, ऑरिगेनो, नमक और चीज डालकर मिलाएं।
- ब्रेड या रोटी को हल्के से दबाकर स्टफिंग भरें।
- ब्रेड पर तेल लगाकर फोल्ड करें।
- पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रैप तल लें।
- इसे सर्विंग प्लेट में निकाल कर टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

हैल्थ कॉन्शियस है तो खाएं गुजराती खांडवी

बेसन खांडवी गुजरात की फेमस डिशेज में से एक है। यह खाने में टेस्टी और हल्की होती है। इसे खाने से पेट हैल्दी रहता है। मगर अक्सर लोग इसे बनाने में कंफूजर रहते हैं। आप इसे विकेंड में बनाकर खा सकते हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए खास गुजराती खांडवी की रेसिपी लेकर आए है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

बेसन- 1 कप
अदरक-हरी मिर्च पेस्ट - 1 बड़ा चम्मच
हल्दी पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच
छाछ- 3 कप
हींग- चुटकीभर
राई- 1/2 छोटा चम्मच
नींबू का रस - 1 बड़ा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- आवश्यकता अनुसार
नारियल- 2 बड़े चम्मच (कद्दूकस किया)
धनिया- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- एक बाउल में बेसन, नमक, हल्दी, नींबू का रस, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट और छाछ मिलाएं।
- इसे पैन में डालकर लगातार चलाते हुए पकाएं।
- मिश्रण को गाढ़ा घोल होने तक पकाएं।
- अब प्लेट के पिछले हिस्से पर तेल लगाकर मिश्रण पतला सा मिश्रण फैलाएं।
- मिश्रण के ठंडा होने पर इसे दो इंच चौड़ी स्ट्रिप्स में काटकर रोल करें।
- अब अलग पैन में तेल गर्म करके हींग और राई भूनें।
- प्लेट में खांडवी रखकर ऊपर से हींग और राई का तड़का डालें।
- नारियल और धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

भारत सभी परिस्थितियों में अच्छी बल्लेबाजी करता है : तस्कीन अहमद

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मिली हार के बाद भारतीय टीम के दृष्टिकोण और निष्पादन की प्रशंसा की। दिल्ली में खेले गए दूसरे टी20 मैच में भारत ने बांग्लादेश को 86 रनों से हरा दिया। पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में तस्कीन ने कहा, भारत ने वाकई बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। वे ऐसा सिर्फ भारतीय परिस्थितियों में ही नहीं बल्कि सभी परिस्थितियों में करते हैं। उन्होंने अंत तक अच्छी बल्लेबाजी की। तस्कीन ने विभिन्न परिस्थितियों में भारत की अनुकूलन क्षमता और लगातार प्रदर्शन की तारीफ की। बांग्लादेश के प्रमुख ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के बारे में बात करते हुए तस्कीन ने कहा, शाकिब हमेशा हमारे लिए महत्वपूर्ण रहे हैं, लेकिन हमें इस वास्तविकता को स्वीकार करना होगा कि वह संन्यास लेने जा रहे हैं। वह हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं। तस्कीन ने बांग्लादेश के बल्लेबाजी प्रदर्शन का खुलकर आकलन करते हुए कहा, विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था, लेकिन हमने अपनी क्षमता के अनुसार अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद, टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और पिच का फायदा उठाने में विफल रही। अपने प्रदर्शन पर तस्कीन ने कहा, मैंने बस अपनी योजना को क्रियान्वित करने का प्रयास किया। मैं पहले गेम की तुलना में अधिक स्पष्ट था।

टेस्ट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने जो रूट, एलिस्टेयर कुक को छोड़ा पीछे

मुल्तान। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की, वह टेस्ट क्रिकेट में थ्री लायंस के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।रूट ने मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की। रूट ने मुल्तान क्रिकेट ग्राउंड पर 71 रन का आंकड़ा छूते ही पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। रूट अब तक इंग्लैंड के लिए लंबे प्रारूप में 12513 रन बना चुके हैं, समाचार लिखे जाने तक रूट 111 रन बनाकर नाबाद हैं। कुक ने टेस्ट क्रिकेट में थ्री लायंस के लिए 12472 रन बनाए थे। रूट ने 43वें ओवर में पाकिस्तान के अबरार अहमद के खिलाफ सिर्फ एक सिंगल लेकर यह रिकॉर्ड हासिल किया। ब्रिटिश क्रिकेटर द्वारा रिकॉर्ड हासिल करने के तुरंत बाद इंग्लैंड का ड्रेसिंग रूम खड़ा हो गया और 33 वर्षीय की उपलब्धि का सम्मान करने के लिए तालियाँ बजाने लगा। रूट ने 2012 में भारत के खिलाफ़ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। उसके बाद से उन्होंने 146 टेस्ट मैचों और 267 पारियों में 56.93 की स्ट्राइक रेट और 50.62 की औसत से 12513 रन बनाए हैं। लंबे प्रारूप में रूट ने 35 शतक और 5 दोहरे शतक लगाए हैं।

स्मिथ को पारी की शुरुआत करनी चाहिए- वॉटसन

मुबंई । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी शेन वॉटसन ने कहा है कि बॉर्डर-गावस्कर ट्राफी में स्टीव स्मिथ को पारी की शुरुआत करनी चाहिए। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर वॉट्सन का मानना है कि स्मिथ को अब ओपन ही करना चाहिए। वॉटसन ने मुंबई में एक इंटरनेशनल मास्टर्स लीग लॉन्च इवेंट कार्यक्रम के दौरान कहा, स्मिथ ने ओपन करने का फैसला स्वयं लिया था और मुझे लगता है कि उन्हें अब अपने निर्णय पर खड़ा रहना चाहिए। नंबर चार पर जाना एक सुरक्षित फैसला हो सकता है लेकिन मैं उन्हें ओपन ही करते देखना पसंद करूंगा। उनके पास वह क्षमता है और वह कर सकते हैं। डेविड वॉर्नर के संन्यास के बाद स्मिथ ने स्वयं ओपनिंग करना चुना था लेकिन तब वॉट्सन ने कैमरन ग्रीन का सलामी बल्लेबाजी के लिए समर्थन किया था। वॉट्सन का कहना है, ग्रीन ने पिछले कुछ मैचों में नंबर चार पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ उनका शतक विशेष था और अब वह भविष्य के परफेक्ट नंबर चार हैं। स्मिथ ने ओपनर के रूप में अब तक चार टेस्ट मैचों में 28.5 की औसत से 171 रन बनाए हैं लेकिन वॉट्सन को यह चिंता की बात नहीं लगती है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि थोड़ा सा मामला तकनीकी है।

अर्शदीप टी-20 रैंकिंग में शीर्ष दस में

दुबई । भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी-20 रैंकिंग सूची में शीर्ष 10 में पहुंच गये हैं जबकि हार्दिक पंड्या भी ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पांच में शामिल हो गए हैं हालांकि यशस्वी जयसवाल को बल्लेबाजी रैंकिंग में एक पायदान का नुकसान हुआ है। अर्शदीप रैंकिंग में आठ पायदान की छलांग लगाते हुए 642 रेटिंग अंक के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गये हैं। वह शीर्ष 10 में शामिल इकलौते भारतीय गेंदबाज हैं। अर्शदीप ने बंगलादेश के खिलाफ ग्वालियर में तीन विकेट चटकाए थे। गेंदबाजो की रैंकिंग में इंग्लैंड के आदिल रशीद शीर्ष पर जबकि अकील हुसैन और राशिद खान क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक की बल्लेबाजी और ऑलराउंडर रैंकिंग में सुधार हुआ है। ऑलराउंडरों की सूची में हार्दिक ने चार स्थानों की छलांग लगाई है और अब वह इस सूची में तीसरे पायदान पर हैं। वहीं ऑलराउंडरों की टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर लियम लिविंगस्टन मौजूद हैं जबकि दूसरे स्थान पर नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में हार्दिक सात पायदान की छलांग लगाते हुए 60वें स्थान पर पहुंचे हैं जबकि वॉशिंगटन सुंदर भी गेंदबाज़ी रैंकिंग में चार पायदान के सुधार के साथ 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि भारतीय सलामी बल्लेबाज जायसवाल की रैंकिंग में गिरावट आई है। जायसवाल बंगलादेश के खिलाफ टी-20 श्रृंखला में भारतीय दल का हिस्सा नहीं हैं और वह बल्लेबाजी रैंकिंग में एक पायदान नीचे खिसकते हुए पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आईसीसी चैलेंज लीग बी : सिंगापुर के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेगा मेजबान युगांडा

एजेंसी

कंपाला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) चैलेंज लीग बी का आयोजन 4 से 16 नवंबर तक कंपाला और एंटेबे में होगा। मेजबान युगांडा अपना अभियान सिंगापुर के खिलाफ शुरू करेगा। आईसीसी द्वारा जारी किए गए कार्यक्रम के अनुसार, युगांडा 6 नवंबर को सिंगापुर का सामना करेगा और तीन दिन बाद तंजानिया के खिलाफ खेलेगा। इस टूर्नामेंट में युगांडा 10 नवंबर को हांगकांग, चीन, 13 नवंबर को इटली और 16 नवंबर को बहरीन के खिलाफ मैच के साथ अपना अभियान समाप्त करेगा।

चैलेंज लीग बी 2027 एकदिनी क्रिकेट विश्व कप के लिए योग्यता मार्ग के रूप में कार्य करता है, जिसकी मेजबानी जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया करेंगे। स्थानीय आयोजन समिति के अध्यक्ष फ्रेड लुटाया ने सिन्हुआ को बताया कि युगांडा एक बार फिर एक हाई-प्रोफाइल टूर्नामेंट की मेजबानी करने के लिए उत्साहित है जो विश्व कप के लिए योग्यता प्रक्रिया का हिस्सा है। लुटाया ने कहा, हमें विश्वास है कि आईसीसी आयोजनों की मेजबानी करने के हमारे अनुभव के कारण, हम एक सफल टूर्नामेंट का आयोजन करेंगे। युगांडा क्रिकेट एसोसिएशन (यूसीए) में संचार और विपणन प्रमुख डेनिस मुसाली ने कहा कि राष्ट्रीय टीम कई अंतरराष्ट्रीय मैत्रीपूर्ण मैचों के साथ अपनी तैयारी जारी रखे हुए है। टीम ने पिछले महीने पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ चार अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और आगे के प्रशिक्षण और विभिन्न दक्षिण अफ्रीकी टीमों के खिलाफ मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका की यात्रा की।

बांग्लादेश पर जीत के बाद नीतीश कुमार ने कहा-ऐसा प्रदर्शन दोहराना चाहता हूं

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टी 20 में मैच जीताउ प्रदर्शन के बाद, भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर की सराहना की, जिन्होंने उन्हें स्वतंत्रता और निडरता के साथ खेलने दिया। अपने दूसरे ही टी20 मैच में नीतीश ने 74 रनों की धमाकेदार पारी खेली और दो विकेट चटकाए। इससे भारत ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में बांग्लादेश पर 86 रनों की बड़ी जीत दर्ज की। मैच के बाद नीतीश ने कहा कि शुरुआत में उन्होंने समय लिया, लेकिन महमदुल्लाह की नो बॉल के बाद सब कुछ उनके पक्ष में हो गया। उन्होंने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना शानदार लगता है, इस पल पर बहुत गर्व है। हर चीज के लिए आभारी हूं। मुझे कप्तान और कोच को श्रेय देना चाहिए। उन्होंने मुझे निडर क्रिकेट खेलने की छूट दी। मैंने शुरुआत में समय लिया, लेकिन उस नो बॉल के बाद सब कुछ मेरे पक्ष में हो गया। भारतीय टीम के लिए खेलना शानदार लगता है। मैं इसी तरह खेलना चाहता हूं। ऐसे अच्छे प्रदर्शन दोहराना चाहता हूं।

हैरी ब्रूक ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पूरे किये 3,000 रन

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने अपने क्रिकेट करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 3,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर लिए हैं। 78 अंतरराष्ट्रीय मैचों और 83 पारियों में, ब्रूक ने 44.64 की शानदार औसत से 3,125 रन बनाए हैं। उनके रिकॉर्ड में सात शतक और 17 अर्द्धशतक शामिल हैं, जो सभी प्रारूपों में उनकी निरंतरता और कौशल को उजागर करते हैं। टेस्ट क्रिकेट में, ब्रूक ने 19 मैच खेले हैं, जिसमें 58.58 की असाधारण औसत से 1,699 रन बनाए हैं। उन्होंने 31 पारियों में छह शतक और नौ अर्द्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 186 रन रहा है। वनडे में भी उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा है, उन्होंने 20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 39.94 की औसत से 719 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ वनडे स्कोर नाबाद 110 रन है। ब्रूक का टी20आई में भी प्रदर्शन उल्लेखनीय है; उन्होंने 39 मैचों में भाग लिया है, जिसमें उन्होंने 30.73 की औसत और 146 से अधिक की शानदार स्ट्राइक रेट से 707 रन बनाए हैं। उन्होंने तीन अर्द्धशतक दर्ज किए हैं, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 81* रहा है। उल्लेखनीय रूप से, ब्रूक भारत के मोहिंदर अमरनाथ और

श्रीलंका के अरविंद डी सिल्वा के साथ पाकिस्तान में विदेशी खिलाड़ी के रूप में सबसे अधिक संयुक्त शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, उन्होंने देश में केवल छह पारियों में अपना चौथा शतक लगाकर यह उपलब्धि हासिल की है। पाकिस्तान में खेले गए अपने चार मैचों और छह पारियों में, ब्रूक ने 121.80 के असाधारण औसत से 609 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और एक अर्धशतक शामिल है, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 153 रहा है। ब्रूक ने पाकिस्तानी धरती पर लगातार चार टेस्ट मैचों में शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज के रूप में इतिहास रच दिया है। इंग्लैंड वर्तमान में मुल्तान में पाकिस्तान से खेल रहा है, जहाँ इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन का खेल समाप्त किया।

वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 20,000 रन के आंकड़े तक पहुँचने वाले अपने देश के पहले खिलाड़ी बनने से केवल सात रन दूर हैं। दिन का खेल खत्म होने तक रूट 277 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 176* रन बनाकर नाबाद थे। उनके रन 63 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से आए। रूट के साथ ब्रूक 141 रन बनाकर नाबाद हैं।

शाकिब ने विरोध प्रदर्शन के दौरान चुप्पी के लिए मांगी माफी

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी शाकिब अल हसन ने अपना राजनीतिक रुख स्पष्ट कर दिया, जिससे उनके लिए बांग्लादेश में घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विदाई टेस्ट खेलने का रास्ता साफ हो गया, जैसा कि उन्होंने उम्मीद की थी। इससे पहले, युवा और खेल सलाहकार, आसिफ महमूद शोजिब भुयान ने जोर देकर कहा था कि शाकिब को सुरक्षा मांगने से पहले अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी।

शाकिब पर पिछले महीने एक हत्या के मामले में शामिल होने का भी आरोप लगाया गया था। शेख हसीना के शासन के पतन के दो महीने बाद, उन्होंने आखिरकार छात्र आंदोलन पर अपने रुख पर चुप्पी तोड़ी। पूर्व सांसद ने उस दौरान चुप रहने के लिए माफी मांगी और इस महीने के अंत में अपने घर में होने वाले अपने अंतिम टेस्ट मैच में लोगों से समर्थन मांगा। शाकिब ने अपने आधिकारिक फेसबुक पोस्ट में लिखा, सबसे पहले, मैं उन सभी छात्रों को सम्मानपूर्वक याद करता हूँ जिन्होंने भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन का नेतृत्व करते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया या घायल हुए। मैं उनके और उनके परिवारों के प्रति अपनी गहरी श्रद्धांजलि और संवेदना व्यक्त करता हूँ। हालाँकि कोई भी बलिदान कभी भी प्रियजनों

के नुकसान की पूरी तरह से भरपाई नहीं कर सकता है, लेकिन एक बच्चे या भाई को खोने का दर्द अपूर्णीय है। आप में से जो लोग इस महत्वपूर्ण समय के दौरान मेरी चुप्पी से आहत या निराश महसूस करते हैं, मैं उनकी भावनाओं को स्वीकार करते हुए ईमानदारी से माफ़ी माँगता हूँ। अगर मैं आपकी स्थिति में होता, तो शायद मैं भी ऐसा ही महसूस करता। शाकिब ने अपने प्रशंसकों से आग्रह किया कि जब वह सफेद कपड़ों में अंतिम बार मैदान पर उतरेंगे तो वे उनके साथ खड़े रहें।

उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, मैं जल्द ही अपना अंतिम मैच खेलूंगा। अपने अंतिम मैच में, इस कहानी के अंतिम अध्याय में, मैं चाहता हूं कि आप सभी मेरे साथ हों। मैं आप सभी के साथ खड़े होकर विदाई लेना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है, और मैं सिर्फ उम्मीद ही नहीं करता, मुझे विश्वास है कि इस अंतिम क्षण में, आप सभी मेरे साथ खड़े होंगे। आप सभी कहानी को बंद करने के लिए वहां मौजूद होंगे, एक ऐसी कहानी जहां असली नायक मैं नहीं, बल्कि आप सभी हैं।

भारतीय महिला टीम ने एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2024 में जीता ऐतिहासिक कांस्य पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने कजाकिस्तान के अस्ताना में एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता। एशियाई टेबल टेनिस संघ द्वारा 1972 में प्रतियोगिता आयोजित करने के बाद से यह भारत के लिए महिला टीम स्पर्धा में पहला पदक है।

सेमीफाइनल में भारत जापान से 1-3 से हार गया जबकि दूसरे सेमीफाइनल में चीन ने हांगकांग को 3-0 से हराया। हारने वाले दोनों सेमीफाइनलिस्ट को कांस्य पदक से सम्मानित किया जाता है। अयहिका मुखर्जी को पहले एकल मुकाबले में मिवा हरिमोटो से 2-3 (8-11, 11-9, 8-11, 13-11, 7-11) से हार का सामना करना पड़ा। मनिका बत्रा ने सतसुकी ओडो पर 3-0 (11-6, 11-5, 11-8) की जीत के साथ स्कोर बराबर कर दिया। हालांकि, मीमा इटो ने सुतिर्था मुखर्जी को 3-0 (11-9, 11-4, 15-13) से हराया और हरिमोटो ने बत्रा को 3-1 (11-3, 6-11, 11-2, 11-3) से हराकर जापान के लिए मुकाबला पक्का कर दिया। भारत ने मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया को 3-2 से हराकर पदक पक्का कर लिया था। बाद में, भारतीय पुरुष टीम क्वार्टर फाइनल में मेजबान कजाकिस्तान से भिड़ेगी।

एलएलसी 2024: इंडिया कैपिटल्स का लक्ष्य प्लेऑफ में जगह पक्की करना

श्रीनगर। जीएमआर ग्रुप की फ्रेंचाइज़ी इंडिया कैपिटल्स, बक्शी स्टेडियम में मणिपाल टाइगर्स के खिलाफ मुकाबले में जीत दर्ज कर प्लेऑफ़ में अपनी जगह पक्की करने और दूसरे स्थान पर पहुंचने की कोशिश करेगी।

अपने पिछले मैच में आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत हासिल करने के बाद, कैपिटल्स का लक्ष्य लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) सीजन 3 के ग्रुप स्टेज को शानदार तरीके से खत्म करना है। 6 अंकों के साथ और गुजरात ग्रेट्स पर ताज़ा जीत के बाद, कैपिटल्स वर्तमान में अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। वहीं, मणिपाल टाइगर्स 7 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। इस उच्च-दांव वाले मुकाबले में जीत कैपिटल्स को न केवल प्लेऑफ़ में जगह दिलाएगी बल्कि शीर्ष-दो स्थान को सुरक्षित करने के लिए उनकी दावेदारी को भी मजबूत करेगी इंडिया कैपिटल्स और मणिपाल टाइगर्स के बीच यह मुकाबला 10 अक्टूबर 2024 (गुरुवार) को खेला जाएगा। इंडिया कैपिटल्स इस मैच में गुजरात ग्रेट्स पर हौसला बढ़ाने वाली जीत के साथ उतरेगी, जहां कप्तान इयान बेल ने 49 गेंदों पर नाबाद 41* रनों की सूझ-बूझ भरी पारी खेलकर टीम को 4 विकेट से जीत दिलाई थी। टीम की गेंदबाज़ी, जिसमें इक़बाल अब्दुल्ला और धवल कुलकर्णी ने प्रमुख भूमिका निभाई है, पूरे सीज़न में उनकी ताकत रही है। खासकर इक़बाल अब्दुल्ला ने नियमित रूप से महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट लिए हैं और बेहतरीन फॉर्म में हैं।

महिला टी20 विश्वकप: श्रीलंका को हरा भारत ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2024 में भारतीय टीम ने अपने तीसरे मैच में श्रीलंका पर जीत हासिल की है। ग्रुप-ए के इस मुकाबले में मिली 82 रन की इस बड़ी जीत के साथ भारतीय टीम ने सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। आज की इस दमदार प्रदर्शन से टीम के नेट रनरेट में भी काफी सुधार हुआ है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 172 रन बनाए थे, जिसके जवाब में श्रीलंका 90 रन ही बना सकी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर के अर्धशतक की बदौलत 172 रन बनाए। मंधाना ने 38 गेंदों में 4 चौकों और 1 छक्के की मदद से 50 रन की पारी खेली। हरमनप्रीत ने 27 गेंदों में 1 छक्के और 8 चौकों की मदद से 52 रन बनाए। वहीं शेफाली

वर्मा 43, जेमिमा रॉड्रिग्स 16 और रिचा घोष ने 6 रन बनाए। श्रीलंका के लिए चमाली आटापट्टू और अमा कंचना ही एक-एक विकेट ले सके। 173 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ओवर में ही बिना खाता खोले विश्मी गुनारत्ने पवेलियन लौट गई। इसके बाद कप्तान चमारी आटापट्टू (एक रन) और हर्शिता समरविक्रमा (3 रन) भी जल्दी ही आउट हो गए। 6 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद कविशा दिलहारी (21 रन) और अनुष्का संजीवनी (20 रन) ने टीम को आधार देने की कोशिश की और चौथे विकेट के लिए 37 रन की साझेदारी की। इनके बाद सिर्फ अमा कंचना ही 19 रन बना सकीं। बाकी कोई बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को नहीं छू सका। भारत की तरफ से अरुंधती रेड्डी और आशा शोभना ने 3-3 विकेट झटके, जबकि रेणुका सिंह ने 2 और श्रेयंका पाटिल व दीप्ती शर्मा ने 1-1 विकेट लिया। भारतीय टीम ग्रुप स्टेज का अपना आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी।जहां सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय टीम को हर हाल जीत हासिल करनी होगी।

दिल्ली में भारतीय टीम की बल्ले-बल्ले, बांग्लादेश को 86 रन के बड़े अंतर से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। बल्लेबाजों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन के बलबूते भारतीय क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 मुकबले में 86 रनों से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही भारत ने तीन टी20 मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। भारत की ओर से मिले 222 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम 135 रन ही बना सकी। बांग्लादेश के लिए सिर्फ महमूदुल्लाह रियाद ही थोड़ा संघर्ष कर सके और उन्होंने 41 रन की पारी खेली। हालांकि उनकी यह कोशिश सिर्फ जीत के अंतर को ही कम कर सकी। भारत के लिए सभी गेंदबाजों को सफलता

मिली। नीतीश रेड्डी और वरुण चक्रवर्ती को दो-दो विकेट मिले, इसके अलावा अर्शदीप सिंह, वाशिंगटन सुंदर, अभिषेक शर्मा, मयंक यादव और रियान पराग के खाते में एक-एक विकेट आए।इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 221 के पहाड़ सा लक्ष्य खड़ा किया। भारत के लिए नितीश कुमार रेड्डी और रिंकू सिंह ने तूफानी अर्धशतक जड़ा। नितीश ने 74 रन तो रिंकू ने 53 रन बनाए। वहीं हार्दिक पांड्या (32 रन) और रियान पराग (15 रन) ने भी तेजी से रन बटोरे। बांग्लादेश की तरफ से रिशाद हुसैन ने तीन विकेट लिए, जबकि तस्कीन अहमद, तंजिम हसन और मुस्तफिजुर रहमान को दो-दो सफलताएं मिलीं।

शंघाई मास्टर्स 2024 : सिनर, अल्कराज क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

एजेंसी

शंघाई। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जननिक सिनर का शंघाई मास्टर्स क्वार्टर फाइनल में डेनियल मेदवेदेव से मुकाबला होगा, दोनों ने सीधे सेटों में जीत हासिल कर अंतिम 8 में प्रवेश किया। सिनर ने अमेरिकी बेन शेल्टन को 6-4, 7-6(1) से हराया, जबकि मेदवेदेव ने ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को 7-6(3), 6-3 से हराया। 16वीं रैंकिंग वाले शेल्टन ने पिछले साल इसी चरण में सिनर को हराया था, लेकिन इटालियन खिलाड़ी शुरू से ही आत्मविश्वास में दिखे और 88 मिनट में जीत दर्ज की। सिनर ने कहा, यह बहुत कठिन था, जब आप उनके खिलाफ खेलते हैं तो आपके पास इतना नियंत्रण नहीं होता... मैंने बस मानसिक रूप से मजबूत रहने की कोशिश की। दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव और सितसिपास 14वीं बार आमने-सामने थे। सितसिपास ने दूसरे सेट की शुरुआत जोरदार तरीके से की, पहले गेम में ब्रेक किया, लेकिन मेदवेदेव ने चौथे और आठवें गेम में ब्रेक करके आगे बढ़ गए। मेदवेदेव और सिनर इस साल टूर्नामेंट के अंतिम चरण में चार बार भिड़ चुके हैं। सिनर ने मियामी में सेमीफाइनल, यूएस ओपन में क्वार्टर फाइनल और ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में मेदवेदेव को हराया था, लेकिन रूसी खिलाड़ी ने विंबलडन में अंतिम आठ में पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में इतालवी खिलाड़ी की उम्मीदों को खत्म कर दिया था। क्वार्टर फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज भी पहुंच गए हैं, जिन्होंने एक सप्ताह पहले चाइना ओपन के फाइनल में सिनर को हराया था। 21 वर्षीय अल्कराज ने अनुभवी गेल मोनफिल्स को 6-4, 7-5 से शिकस्त देकर लगातार 12वीं जीत दर्ज की। 38 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी ने अगस्त में सिनसिनाटी में अपनी पिछली मुलाकात में अल्काराज को परेशान किया था, और स्पैनियार्ड ने स्वीकार किया कि मैच के दौरान यह बात उनके दिमाग में थी। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि मैंने मैच जीता, और मैं पूरे मैच के दौरान शांत रहा। उन्होंने कहा, गेल के खिलाफ खेलना कभी आसान नहीं होता... आपको हर गेंद पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत होती है।

मुझे खुशी है कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए तैयार और आश्वस्त हैं: पीटी उषा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने दिल्ली में उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात के बाद 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करने की उत्तराखंड की क्षमता पर विश्वास जताया। पीटी उषा ने कहा, मुझे खुशी है कि उत्तराखंड के सीएम राष्ट्रीय खेलों और शीतकालीन खेलों की अच्छी मेजबानी के लिए तैयार और आश्वस्त हैं। 38वें राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक उत्तराखंड में आयोजित किए जाएंगे। इसका पूरा कार्यक्रम 25 अक्टूबर 2024 को प्रस्तावित भारतीय ओलंपिक संघ की आम सभा की बैठक में जारी किया जाएगा। राष्ट्रीय खेलों के साथ-साथ शीतकालीन राष्ट्रीय खेलों का आयोजन भी उत्तराखंड में किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उत्तराखंड के लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें 38वें राष्ट्रीय खेलों की जिम्मेदारी मिली है, जिसके लिए उन्होंने पीटी ऊषा का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें बद्रीनाथ और केदारनाथ मंदिर आने का निमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए उत्तराखंड पूरी तरह तैयार है। राष्ट्रीय खेलों के लिए राज्य में काफी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार है।

शिल्पा शेट्टी

और राज कुंद्रा ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दी ED के नोटिस को चुनौती, बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी इन दिनों अपने काम में कम और लीगल चीज़ों में ज्यादा उलझी हुई नजर आ रही हैं. हाल ही में शिल्पा शेट्टी के खिलाफ बिहार के मुजफ्फरपुर में मुकदमा दर्ज किया गया है. एक्ट्रेस समेत 4 लोगों पर ये आरोप है कि उनके निजी इवेंट के चलते आम लोगों को काफी परेशानी से गुजरना पड़ा है. इसी बीच शिल्पा शेट्टी और उनके बिजनेसमैन पति राज कुंद्रा से जुड़ी एक और खबर सामने आ रही है. पीटीआई की रिपोर्ट की मानें तो शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा ने उच्च न्यायालय का रुख किया है.शिल्पा और राज को ईडी की तरफ से उनके मुंबई के आलीशान जुहू इलाके में अपने आवासीय परिसर और पावना झील के पास फार्म हाउस को खाली करने के निर्देश मिले थे. इस मामले में अब शिल्पा और राज ने ED के नोटिस के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है.

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जारी निष्कासन नोटिस को चुनौती देते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट में अपील की है.

10 अक्टूबर को होगी सुनवाई

ED के भेजे गए नोटिस में उन्हें नई दिल्ली में धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA)के तहत अथोरिटी के आदेश के बाद पुणे में पवना बांध के पास स्थित अपना बंगला खाली करने का निर्देश गए हैं. न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की डिवीजन ब्रांच ने बुधवार (9 अक्टूबर) को ईडी को नोटिस जारी किया और मामले को गुरुवार (10 अक्टूबर) दोपहर को सुनवाई के लिए रखा है.

अधिवक्ता प्रशांत पाटिल के जरिए दायर अपनी याचिका में, शिल्पा और राज ने 27 सितंबर, 2024 को बेदखली नोटिस जारी करने के लिए ईडी की ओर से अर्थहीन, लापरवाह और मनमाने कृत्य के खिलाफ अपने अधिकार और अपने परिवार के आश्रय की रक्षा के लिए आदेश देने की मांग की है. बता दें, कपल को अपनी संपत्ति ङ्क मुंबई में आवासीय घर और पुणे में फार्म हाउस को 10 दिनों के भीतर खाली करने को कहा गया है. राज और शिल्पा को 3 अक्टूबर को बेदखली का नोटिस दिया गया था.

शूटिंग के दौरान बाल बाल बचीं

तुलसी कुमार

दीवार गिरने से चोट लगी

बॉलीवुड सिंगर और एक्ट्रेस तुलसी कुमार एक बड़े हादसे का शिकार हो गई हैं. एक्ट्रेस जिस सेट पर शूटिंग कर रहीं थीं, उसका एक छोटा तुकड़ा अचानक उनके सिर पर गिरते गिरते बचा. ये घटना कैमरे में कैद हो गई और अब यह वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है. वायरल हो रहे वीडियो में में देखा जा सकता है कि तुलसी के सिर पर सेट का एक बड़ा हिस्सा गिरने वाला था, लेकिन वो बाल बाल बच गई हैं. हालांकि ऐसा कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस की पीठ पर चोट आई हो सकती है.वीडियो में दिखाई दे रहा है कि स्टूडियो में शूटिंग के लिए एक कमरे का बनाया गया है. तुलसी सेट में अपने हाथ में मोबाइल पकड़े शॉट दे रहीं हैं, तभी अचानक सबसे पहले उनके लेफ्ट साइड की सेट की दीवार गिरती है. इसके बाद तुलसी कुमार या सेट पर मौजूद क्रू मेंबर्स कुछ कर पाते उनकी पीछे की दीवार गिरती है. हालांकि इस दौरान तुलसी आगे की और भागती हैं. सेट पर मौजूद एक स्टाफ मेंबर ने तुरंत दीवार को रोकने की कोशिश कर रहा होता है.

लोग जता रहे हैं चिंता

वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ लोग तुलसी की सेहत के बारे में चिंता जता रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, वह वाकई बहुत दुखी हैं और लोग खुश हैं कि मानवता खत्म हो गई है, दूसरे ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए लिखा, उम्मीद है कि वह बिल्कुल ठीक और सुरक्षित होंगी.

तुलसी दिवंगत गुलशन कुमार की बेटी और टी-सीरीज के मालिक और फिल्म निर्माता भूषण कुमार की बहन हैं. तुलसी ने हमको दीवाना कर गए, तुम जो आए जिंदगी में, हम मर जाएंगे, वजह तुम हो जैसे गाने और कई रीमेक गाए हैं.

नहीं तो मंजूलिका आ जाएगी...भूल भूलैया 3 के ट्रेलर लॉन्च पर विद्या बालन की अनोखी धमकी

कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'भूल भूलैया 3' का धमाकेदार ट्रेलर 9 अक्टूबर को जयपुर के राज मंदिर सिनेमा में रिलीज किया गया. हॉरर कॉमेडी फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी और विद्या बालन समेत फिल्म की स्टारकास्ट शामिल हुई. अनीस बज्मी के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म दिवाली के मौके पर थिएटर्स में दस्तक देने को तैयार है. स्टारकास्ट के साथ टी-सीरीज के हेड भूषण कुमार भी नजर आए.'भूल भूलैया 3' का ट्रेलर हॉरर और कॉमेडी से भरपूर है. इस बार रूह बाबा को एक नहीं, बल्कि दो-दो मंजूलिका का सामना करना पड़ेगा. ट्रेलर लॉन्च में पहुंची फिल्म की स्टारकास्ट ने मीडिया से बातचीत की और इसी बातचीत के दौरान विद्या बालन ने लोगों को एक मजाकिया धमकी दे डाली. आइए आपको बताते हैं ट्रेलर लॉन्च के दौरान एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा.

17 साल बाद 'भूल भूलैया' में वापसी

एक्ट्रेस विद्या बालन ने मीडिया से बात करते हुए कहा, पहले तो मैं शुक्रिया कहना चाहूंगी अनीस बज्मी को कि आप भूल भूलैया को वापस लेकर आए. भूषण सर का भी शुक्रिया मंजूलिका को वापस लाने के लिए. 17 साल बाद में वापस 'भूल भूलैया' में आई हूं, जिसकी खुशी मुझे बहुत ज्यादा है. 17 सालों में इस फिल्म ने मुझे बहुत प्यार दिया और आज मुझे लग रहा है अगले 17 सालों में मुझे इससे भी ज्यादा प्यार मिलने वाला है.विद्या बालन साल 2007 में रिलीज हुई 'भूल भूलैया' में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार लीड रोल में थे. वहीं, 'भूल भूलैया 2' में विद्या बालन की जगह तबू मंजूलिका के किरदार में दिखी थीं.

नहीं तो आ जाएगी मंजूलिका

विद्या बालन ने आगे कहा, जैसा कि कार्तिक ने कहा कि भूल भूलैया 2 की शूटिंग यहां पर हुई थी, तो भूल भूलैया 1 की पूरी शूटिंग भी जयपुर में की गई. तो हमारा एक पुराना रिश्ता रहा है. अब शायद इसलिए हमारा पहला ट्रेलर लॉन्च हम इस जगह पर कर रहे हैं. बाकी सब तो ठीक है लेकिन थिएटर में पहुंच जाना 1 तारीख को, नहीं तो मंजूलिका आ जाएगी.

6 महीने में कुछ नया कारनामा होता है जब गोविंदा ने Salman Khan के इस राज से उठा दिया था पर्दा!

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान की दुनियाभर में तगड़ी फैन फॉलोइंग है. उनके नाम पर ही फिल्में चल जाती हैं. आज वो जिस मुकाम पर है, उसके पीछे वो स्ट्रगल है, जो करियर के शुरुआत दौर में उन्होंने किया था. हालांकि, 58 साल की उम्र में भी वो सिंगल लाइफ जी रहे हैं. सलमान खान ने क्यों शादी नहीं की ? क्या अब शादी करेंगे ? यह सवाल अब भी उनसे किए जाते हैं. ऐसा करने वाले सिर्फ फैन्स ही नहीं बल्कि कई टॉप स्टार्स भी हैं. यूं तो उनके पिता सलीम खान बता चुके हैं कि सलमान खान ने आखिर क्यों शादी नहीं की है और उन्हें कैसी लड़की चाहिए थी.खैर, इसी बीच एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें गोविंदा ने भाईजान की पोल खोल दी है. इस दौरान उनके साथ डेविड धवन भी नजर आ रहे हैं. दरअसल सलमान खान और गोविंदा काफी अच्छी बॉन्डिंग शेयर करते हैं. दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया है. इस वायरल वीडियो में गोविंदा कहते हैं कि हर 6 महीने में कुछ न कुछ नया कारनामा होता है.

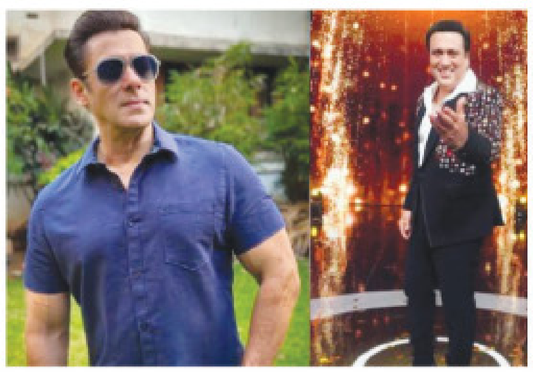

गोविंदा ने सलमान खान का राज खोल दिया

दरअसल सलमान खान ने कुछ सालों पहले एक शो को होस्ट किया था- दस का दम. इस दौरान इस शो में डेविड धवन के साथ गोविंदा पहुंचे हुए थे. जहां डेविड धवन कहते हैं- यह शादी क्यों नहीं कर रहा ? ऐसे में गोविंदा बोलते हैं कि अच्छा भला खूबसूरत लग रहा है प्रॉब्लम क्या है ? इस पर डेविड धवन कहते हैं कि हर 6 महीने में एक बम फोड़ता है कि शादी होने वाली है, फिर भी नहीं होती. ऐसे में गोविंदा बोलने लगते हैं कि क्योंकि हर 6 महीने में कुछ कारनामा होता है न. यह सुनने के बाद सलमान खान ने गोविंदा को देखा और सिर झुकाकर हंसने लग गए.

जैसे ही डेविड धवन ने उनसे पूछा कि क्या कारनामा होता है ? उन्होंने इसका कोई जवाब नहीं दिया. जब पूछा गया कि अभी कोई चांस है तो वो कहने लगे अरे अच्छा भला खूबसूरत तो लग रहा है. इस दौरान गोविंदा ने इस मुद्दे पर एक जोक भी क्रैक किया. हालांकि, सलमान खान का 6 महीने वाला राज खुलते ही उनके एक्सप्रेशंस देखने वाले थे.